{ विश्वास वही रफ्तार नई }

बालाघाट
रविवार 09 अगस्त 2026
श्रावण कृष्ण 11 विक्रम सम्वत 2083
वर्ष 16, अंक 316
पृष्ठ 12
मूल्य ₹ 7.00

पद्मेश मीडिया समूह का प्रकाशन

बालाघाट एक्सप्रेस

हिन्दी दैनिक

सेंसेक्स	-	78,581.00
निफ्टी	-	24,624.65
सोना	-	1,54,121
चांदी	-	2,40,000
डॉलर	-	95.06

/padmeshmedia /padmeshmedia epaper.balaghatexpress.in E-mail: balaghatexpress@gmail.com

खास खबर

यात्रियों से भरी बस पलटी,7 की मौत

भरमौर। हिमाचल प्रदेश के चंबा में शनिवार सुबह एक प्राइवेट बस पलट गई। जिससे 7 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में तीन महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। हादसे में 11 यात्री घायल हो गए। जिन्हें तीसा अस्पताल में प्राथमिक उपचार देने के बाद चंबा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। एसपी विजय कुमार सकलानी ने बताया कि बस सुबह 7 बजे बैरागढ़ से चंबा के लिए चली थी। बैरागढ़ से कुछ ही दूरी पर 'शर्मा कोच' बस चालुंज मोड़ के पास बेकाबू होकर पलटी, फिर 50 मीटर नीचे दूसरी सड़क पर जा गिरी। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार- बस पलटते ही मौके पर चीख पुकार मच गई। अंदर फंसे लोग एक दूसरे पर जा गिरे। जेसीबी की मदद से बस को तोड़ा गया, फिर अंदर फंसे मृतकों और घायलों को बाहर निकाला गया। इस दौरान लोग बचाव-बचाव चिल्लाते सुने गए।

हनी ट्रैप में फंसा वायुसेना अधिकारी

नई दिल्ली। भारतीय वायुसेना के एक विंग कमांडर को कथित तौर पर सोशल मीडिया के जरिये पाकिस्तानी खुफिया एजेंटों ने हनी ट्रैप में फंसाया था। इसके बाद उस पर रक्षा से जुड़ी संवेदनशील जानकारी लीक करने का आरोप है। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों के मुताबिक, इस अधिकारी पर लगातार नजर रखी जा रही थी और अब उसे कानून लागू करने वाली एजेंसियों को सौंप दिया गया है। वायुसेना ने आधिकारिक गोपनीयता कानून के तहत ऐसे मामलों में किसी भी तरह की लापरवाही नहीं बरतने की बात कही है। वायुसेना के अधिकारियों ने कहा, उस अधिकारी पर लगातार नजर रखी जा रही थी और उसे संबंधित कानून लागू करने वाली एजेंसियों को सौंप दिया गया। पहले से उठाए गए कदमों के कारण उसे पकड़ लिया गया। वायुसेना ऐसी गतिविधियों को बिल्कुल बर्दाश्त नहीं करती।

टेकऑफ से पहले विमान से आई खराबी

लुधियाना। लुधियाना के हलवारा इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दिल्ली जाने वाली एअर इंडिया की फ्लाइट उड़ान भरने से ठीक पहले परेशानी में फंस गई। विमान रनवे की तरफ बढ़ रहा था, तभी अचानक उसमें से तेज आवाज सुनाई दी। आवाज सुनते ही पायलट ने विमान को आगे ले जाने के बजाय वापस एप्रन पर ले जाकर खड़ा कर दिया। तकनीकी खराबी सामने आने के बाद सभी यात्रियों को विमान से उतारकर बसों के जरिए सुरक्षित टर्मिनल बिल्डिंग तक पहुंचाया गया। इसके बाद विमान की जांच की गई और जरूरी प्रक्रिया पूरी होने के बाद फ्लाइट को करीब 4 घंटे की देरी से दिल्ली के लिए रवाना किया गया।

कुछ ना कहना

महिला आरक्षण बिल : किरण रिजिजू और राहुल गांधी में एक्स पर जुबानी जंग, लोकसभा में नेताप्रतिपक्ष ने केंद्रीय मंत्री को जवाब देते हुए कहा...

बिना शर्त लागू करें 2023 का कानून

नई दिल्ली। महिला अधिकार और महिला आरक्षण विधेयक को लेकर लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू के बीच सोशल मीडिया पर जुबानी जंग छिड़ गई है। राहुल गांधी द्वारा महिला सशक्तिकरण पर जारी एक वीडियो संदेश पर चुटकी लेते हुए रिजिजू ने इसे उनका हृदय परिवर्तन बताया, तो वहीं राहुल गांधी ने तीखा पलटवार करते हुए पूछा कि 2023 में पारित महिला आरक्षण कानून को केंद्र सरकार ने अब तक लागू क्यों नहीं किया है। कांग्रेस सांसद ने कहा कि रिजिजू जी, संसदीय कार्य मंत्री होने के नाते आपसे बेहतर यह कौन जानता होगा? महिला आरक्षण विधेयक 2023 में ही सर्वसम्मति से पारित हो चुका है, कांग्रेस के पूर्ण समर्थन के साथ। उन्होंने कहा कि सवाल ये है कि तीन साल बाद भी वह लागू क्यों नहीं हुआ और अब आप उसे परिसीमन से बेवजह क्यों जोड़ना चाहते हैं? राहुल ने कहा कि 2023 का कानून लागू कीजिए। बिना किसी शर्त के।

ये बातें तब सामने आईं जब केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने लोकसभा में विपक्ष के नेता के महिला सशक्तिकरण पर दिए गए बयान वाले वीडियो पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि ये कांग्रेस पार्टी की ओर से एक सकारात्मक संदेश लगता है। महिलाओं को लेकर राहुल गांधी जी की सोच में साफ बदलाव दिख रहा है। अब मुझे उम्मीद है कि कांग्रेस पार्टी महिला आरक्षण विधेयक का बिना किसी शर्त के समर्थन करेगी।

भारत की महिलाओं की ऊर्जा दबी हुई

वहीं, इससे पहले राहुल गांधी ने कहा कि भारत की महिलाओं की ऊर्जा दबी हुई है। उन्हें खुद को ज़ाहिर करने या कल्पना करने की आज़ादी नहीं है। मेरे लिए, कोई भी देश तब तक सफल नहीं हो सकता जब तक उसकी महिलाएं खुद को जाहिर न कर सकें। और मुझे लगता है कि मेरी राजनीति का एक बड़ा हिस्सा, और इस देश में राजनीति कैसी होनी चाहिए, उसका भी एक बड़ा हिस्सा इसी बात पर केंद्रित है कि लोगों को यह समझाया जाए कि महिलाओं की अभिव्यक्ति के बिना हमारा देश अधूरा और अविकसित है।

महिलाओं को कड़ने नियंत्रण से आजादी की जरूरत

राहुल गांधी ने एक्स पर पोस्ट किए गए एक वीडियो में कहा कि अगर भारत को सच में तरक्की करनी है, तो उसे पितृसत्ता और भारतीय पुरुषों द्वारा महिलाओं पर थोपे जाने वाले कड़े नियंत्रण से कुछ हद तक आजादी की जरूरत है। मैं इसी राजनीतिक सोच को मानता हूं... एक काम जो हमें हर हाल में करना है, वो है इसे फिर से मजबूत करना और महिलाओं को उस बातचीत में वापस लाना जहां उन्हें होना चाहिए और उन्हें अपनी बात उस तरह से कहने का मौका देना जैसा वे चाहती हैं। इस बहस ने महिला आरक्षण विधेयक, 2023 को लागू करने को लेकर चल रहे पुराने विवाद को फिर से हवा दे दी है। इस विधेयक में लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए एक-तिहाई सीटें आरक्षित करने का प्रावधान है।

खुफिया एजेंसियों से मिले फीडबैक के बाद सरकार ने जारी किया हाई अलर्ट

15 अगस्त पर देश में बड़े हमले की फिराक में खालिस्तानी समर्थक

नई दिल्ली। खालिस्तानी समर्थक 15 अगस्त (स्वतंत्रता दिवस) पर बड़े हमले की फिराक में है। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक खालिस्तानी समर्थक 15 अगस्त के दिन हमले की तैयारी में हैं। लिहाजा एजेंसियों ने हाई अलर्ट किया है। खालिस्तानी ग्रुप दिल्ली समेत पंजाब के कई हिस्सों में हमले की योजना बना रहे हैं। लिहाजा हाई अलर्ट पर रखा गया है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खुफिया ब्यूरो के अधिकारी ने कहा कि खालिस्तानी ग्रुप पंजाब के कई हिस्सों में हमले की योजना बना रहे हैं। खालिस्तान समर्थक आतंकी ग्रुप सांकेतिक हमला करना चाहता है इसलिए 15 अगस्त को चुना गया है। वे लंबे समय से इसकी तैयारी कर रहे हैं। खुफिया एजेंसियों के मुताबिक भारत और कनाडा द्वारा गैंगस्टर-आतंकवादी नेटवर्क पर ताबड़तोड़ कार्रवाई के कारण, ये ग्रुप खुद को बैकफुट हैं। लिहाजा बेचैनी में वे पंजाब में कुछ गलत करने की सोच रहे हैं। बैन किए गए संगठन सिख्स फॉर जस्टिस यानी एसएफजे की गतिविधियों पर भी कड़ी नजर रखी जा रही है। बैन किए गए संगठन का चीफ, गुरपतवंत सिंह पन्नू सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय है। वह पंजाब के युवाओं से स्कूलों और दूसरे सार्वजनिक स्थलों पर खालिस्तान के झंडे फहराने की अपील कर रहा है। वह युवाओं को स्वतंत्रता दिवस पर भारत सरकार के खिलाफ प्रोटेस्ट करने के लिए उकसा रहा है।

पीएम मोदी को बदनाम करने का खेल रच रहा पन्नू

एक तरफ, जहां टेरर स्ट्राइक की प्लानिंग हो रही है। वहीं दूसरी ऑनलाइन दुष्प्रचार अभियान को भी तेजी से बढ़े हैं। इंटेलिजेंस एजेंसियां ?एसएफजी की ऑनलाइन गतिविधियों पर कड़ी नजर रख रही हैं। गुरपतवंत सिंह सोशल मीडिया पर खालिस्तान समर्थक कंटेंट जोरों-शोरों से फैलाने की कोशिश कर रहा है। जो अलग प्रांत की उसकी मांग और युवाओं को भड़काने पर केंद्रित है। वह भारत के विरुद्ध 'हेट कैंपेन' चलाने की भी कोशिश में लिप्त है।

गुजरात यूनिवर्सिटी में बड़ा प्रशासनिक फैसला, पूर्व वीसी के कार्यकाल में नियुक्त 10 अधिकारी निलंबित

अहमदाबाद। गुजरात यूनिवर्सिटी ने पूर्व कुलपति नीरजा गुप्ता के कार्यकाल में की गई नियुक्तियों को लेकर बड़ा कदम उठाकर 10 अधिकारियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया है। इन अधिकारियों की नियुक्ति और वेतन संरचना को लेकर लंबे समय से विवाद था। आरोप है कि इन्हें अस्थायी आधार पर नियुक्त किया गया था और कई अधिकारियों को हर महीने लाखों रुपये वेतन मिल रहा था, जिसमें कुछ की मासिक सैलरी 5 लाख रुपये तक पहुंच रही थी।

गुजरात यूनिवर्सिटी में इन नियुक्तियों के खिलाफ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) लगातार विरोध प्रदर्शन कर रही थी। इसके बाद कार्यवाहक कुलपति जगदीश जोशी ने 5 अगस्त को तीन सदस्यीय जांच समिति गठित कर नियुक्तियों की प्रक्रिया, योग्यता और नियमों की समीक्षा के आदेश दिए थे। समिति की रिपोर्ट मिलने के बाद कार्रवाई की गई। निलंबित अधिकारियों में विभिन्न विभागों के वरिष्ठ पदाधिकारी शामिल हैं। कार्यवाहक कुलपति के अनुसार, जांच रिपोर्ट में उठाए गए सवालों के आधार पर सभी अधिकारियों को अगले आदेश तक निलंबित किया है। इन नियुक्तियों को लेकर लंबे समय से पारदर्शिता और नियमों के पालन पर सवाल उठ रहे थे। एबीवीपी नेताओं का आरोप है कि कुछ नियुक्त अधिकारी पहले से सेवानिवृत्त थे और उन्हें 2 से 5 लाख रुपये तक मासिक वेतन पर रखा था। छात्र संगठन का कहना है कि इस धनराशि का उपयोग छात्रों के हित में होना चाहिए था। संगठन ने केवल निलंबन ही नहीं, बल्कि अब तक दिए गए वेतन की जांच और कथित अनियमित भुगतान की वसूली की भी मांग की है। यूनिवर्सिटी प्रशासन का कहना है कि मामले की आगे भी समीक्षा जारी रहेगी और नियमों के अनुरूप आवश्यक कदम उठाए जाएंगे।

देवास के तेल कारोबारी की 19.44 करोड़ की संपत्ति कुर्क

मथुरा। मथुरा पुलिस ने रिफाइनरी पाइपलाइन से तेल चोरी के 3 साल पुराने मामले में मध्य प्रदेश के देवास निवासी तेल कारोबारी अशोक जैन की करीब 19 करोड़ 44 लाख 16 हजार रुपये की संपत्ति गैंगस्टर एक्ट के तहत कुर्क की है। मथुरा पुलिस की टीम सोनकच्छ प्रशासन के सहयोग से देवास पहुंची और तहसील की जमीनों के साथ-साथ एक पेट्रोल पंप को सील किया गया। कुर्क की गई संपत्तियों पर मथुरा जिला मजिस्ट्रेट के आदेश का बोर्ड चस्पा करने के साथ ही संबंधित गांवों में मुनादी भी कराई गई। करीब तीन साल पहले मथुरा के सेरसा गांव के करीब रिफाइनरी की मुख्य पाइपलाइन में सेंध लगाकर बड़े पैमाने पर तेल चोरी की गई थी। इस मामले के खुलासे के बाद पुलिस ने गिरोह के 11 सदस्यों के खिलाफ मामला दर्ज किया था। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तारी के समय आरोपियों ने सुरक्षा बलों पर फायरिंग भी की थी। जांच के दौरान सामने आया कि इस गिरोह के सदस्य अशोक जैन ने अवैध रूप से कमाई गई रकम से मध्यप्रदेश में भारी निवेश किया था। कुर्क की गई संपत्तियों में इंदौर का एक पेट्रोल पंप, देवास जिले में तीन कृषि भूमि और दो बड़े प्लॉट शामिल हैं। सोनकच्छ के तहसीलदार एवं कार्यपालक मजिस्ट्रेट हर्षल बहरानी ने मथुरा पुलिस द्वारा की गई कुर्की कार्रवाई की पुष्टि कर दी है। पुलिस इस मामले में अन्य संपत्तियों और संलिप्त लोगों की भी जांच कर रही है।

ट्रंप के टैरिफ बिल पर केजरीवाल का केंद्र पर हमला

देश को अमेरिका के हाथों बेच दिया

नई दिल्ली। अमेरिका और भारत के बीच व्यापारिक तनाव के बीच अमेरिकी सीनेट में पारित रूस प्रतिबंध विधेयक ने भारतीय राजनीति में भी हलचल बढ़ा दी है। इस मुद्दे पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति पर तीखा हमला बोला है। केजरीवाल ने आरोप लगाया कि सरकार की अमेरिकी नीति के कारण भारत के आर्थिक और व्यापारिक हित प्रभावित हो रहे हैं। अमेरिकी सीनेट ने शुक्रवार को रूस पर प्रतिबंधों से जुड़े एक व्यापक विधेयक को 86-11 के भारी बहुमत से पारित किया। इस कानून में अमेरिकी राष्ट्रपति को रूस से बड़े पैमाने पर तेल और गैस खरीदने वाले देशों के सामान पर

100 प्रतिशत तक टैरिफ लगाने का अधिकार देने का प्रावधान है। भारत और चीन उन प्रमुख देशों में शामिल हैं, जिन पर इस प्रावधान का असर पड़ सकता है। हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि सीनेट से पारित होने के बाद भी विधेयक को अमेरिकी प्रतिनिधि सभा से मंजूरी मिलना बाकी है।

केजरीवाल ने पीएम मोदी पर साधा निशाना

इस घटनाक्रम के बाद अरविंद केजरीवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर केंद्र सरकार को निशाने पर लिया। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि अमेरिका के साथ संबंधों को लेकर सरकार ने भारत के हितों से समझौता किया है। केजरीवाल ने अपने पोस्ट में आरोप लगाया कि देश को अमेरिका के हाथों गिरवी रखने और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों के सामने झुकने का खामियाजा अब भारत को भुगतना पड़ रहा है। उन्होंने कहा कि ट्रंप प्रशासन भारत के खिलाफ लगातार फैसले ले रहा है, जबकि केंद्र सरकार उसकी हर बात मानने की स्थिति में दिखाई देती है।

ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर लगाम, नहीं होंगे आपत्तिजनक कंटेंट

नई दिल्ली। ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर प्रसारित होने वाली आपत्तिजनक और अनैतिक सामग्री पर अंकुश लगाने की तैयारी तेज हो गई है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ओटीटी कंटेंट के लिए एक व्यापक कानूनी फ्रेमवर्क तैयार करने पर विचार कर रहा है। मंत्रालय ने कहा है कि प्रस्तावित कानून का उद्देश्य अनुचित सामग्री पर रोक लगाना होगा, लेकिन इस दौरान नागरिकों के अधिकारों और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का भी पूरा ध्यान रखा जाएगा। गृह मामलों से संबंधित संसदीय स्थायी समिति ने शुक्रवार को संसद में पेश अपनी 259वीं रिपोर्ट में ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के लिए कड़े प्रावधानों की सिफारिश की है। समिति ने कहा कि नए नियमन में मजबूत तकनीक आधारित आयु सत्यापन व्यवस्था को शामिल किया जाना चाहिए, ताकि नाबालिगों को वयस्क सामग्री से बचाया जा सके। समिति ने प्रभावी पैरेंटल कंट्रोल की व्यवस्था मजबूत करने और उल्लंघन करने वाले ओटीटी प्लेटफॉर्म्स के खिलाफ सख्त जुर्माने का प्रावधान करने की भी सिफारिश की है। समिति का मानना है कि डिजिटल माध्यमों के तेजी से विस्तार के बीच कंटेंट की निगरानी और उपयोगकर्ताओं की सुरक्षा के लिए प्रभावी व्यवस्था जरूरी है। मंत्रालय की ओर से स्पष्ट किया गया है कि नियमन तैयार करते समय अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और नागरिक अधिकारों का संतुलन बनाए रखना प्राथमिकता होगी। प्रस्तावित कानूनी ढांचा ओटीटी प्लेटफॉर्म्स पर सामग्री के प्रसारण, आयु सत्यापन और अभिभावकीय नियंत्रण से जुड़े नियमों को अधिक प्रभावी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

पीएम मोदी से राघव चड्ढा की मुलाकात पर बढ़ी सियासी चर्चा

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भाजपा सांसद राघव चड्ढा की हालिया मुलाकात ने पंजाब की राजनीति में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। शनिवार को हुई मुलाकात की तस्वीरें राघव चड्ढा ने एक्स' पर साझा कर इसे यादगार और प्रेरणादायक सुबह बताया। पंजाब विधानसभा चुनावों से कुछ महीने पहले हुई बैठक को राजनीतिक रूप से महत्वपूर्ण माना जा रहा है और कई तरह की अटकलें लग रही हैं।

बीजेपी सांसद चड्ढा ने कहा कि उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मिलने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। उन्होंने बातचीत को विस्तृत और ज्ञानवर्धक बताकर प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन और समय के लिए आभार व्यक्त किया। हालांकि, उन्होंने बैठक में हुई चर्चा के विषयों का खुलासा नहीं किया।

चड्ढा इस वर्ष की शुरुआत में आम आदमी पार्टी से अलग होकर छह अन्य सांसदों के साथ भाजपा में शामिल हुए थे। लंबे समय तक आप के प्रमुख चेहरों में रहे चड्ढा का पार्टी छोड़ना पंजाब की राजनीति में बड़ा घटनाक्रम माना गया था। राज्यसभा सांसद होने के साथ-साथ उनका पंजाब, विशेषकर जालंधर क्षेत्र से गहरा संबंध रहा है। इसके बाद आगामी विधानसभा चुनावों में उन्हें भाजपा की ओर से महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिलने की संभावना है। राजनीतिक जानकारों का मानना है कि पंजाब की राजनीति और शहरी मतदाताओं की समझ रखने वाले राघव चड्ढा भाजपा के लिए उपयोगी साबित हो सकते हैं। अमृतसर, लुधियाना और जालंधर जैसे प्रमुख शहरों में उनकी पहचान भाजपा की चुनावी रणनीति को मजबूती दे सकती है। इस मुलाकात से पहले प्रधानमंत्री मोदी ने शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल से भी भेंट की थी। इसके बाद यह चर्चा भी तेज हुई है कि भाजपा पंजाब में अपने राजनीतिक समीकरणों को नए सिरे से मजबूत करने की दिशा में कदम बढ़ा रही है।

देश में बनेगा नेशनल ट्रिब्यूनल कमीशन

-ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स बिल को कैबिनेट दे चुका है मंजूरी

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने ट्रिब्यूनल व्यवस्था में सुधार के लिए ट्रिब्यूनल रिफॉर्म्स बिल को मंजूरी दे दी है। केंद्रीय कैबिनेट की पिछले दिनों हुई बैठक में नेशनल ट्रिब्यूनल कमीशन (एनटीसी) के गठन का प्रस्ताव मंजूर किया गया। इसकी जानकारी संसदीय मामलों के राज्य मंत्री एल. मुरुगन ने शुक्रवार को राज्यसभा में दी है और अब इस विधेयक को लोकसभा में पेश किया जाएगा। प्रस्तावित एनटीसी एक स्वतंत्र संस्था के रूप में काम करेगा। यह देशभर के करीब 16 ट्रिब्यूनल में नियुक्तियों, उनके कामकाज और बुनियादी ढांचे से जुड़े मामलों की निगरानी करेगा। इसका उद्देश्य ट्रिब्यूनल व्यवस्था में प्रशासनिक समन्वय और कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाना है। प्रस्ताव के मुताबिक, एनटीसी का अध्यक्ष सुप्रीम कोर्ट या हाईकोर्ट के सेवानिवृत्त जज को बनाया जाएगा। अध्यक्ष का कार्यकाल पांच साल या 70 वर्ष की आयु तक, जो भी पहले हो, रहेगा।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद कदम

यहां बताते चलें कि एनटीसी के गठन का प्रस्ताव सुप्रीम कोर्ट के विभिन्न निर्देशों की पृष्ठभूमि में आया है। शीर्ष अदालत ने मई 2018 में पहली बार नेशनल ट्रिब्यूनल कमीशन के गठन की आवश्यकता बताई थी।

ईएमआई चूकने पर तुरंत बंद नहीं होगा फोन, लॉक होने पर भी चालू रहेंगी इमरजेंसी सेवाएं

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लोन पर खरीदे गए मोबाइल, लैपटॉप और टैबलेट जैसे गैजेट्स को रिमोटली लॉक करने और रिकवरी प्रक्रिया को लेकर सख्त दिशा-निर्देश जारी कर दिए हैं। आरबीआई ने स्पष्ट किया है कि केवल ईएमआई चूक जाने पर बैंक या फाइनेंस कंपनियां तुरंत किसी डिवाइस को लॉक नहीं कर सकेंगी। यदि ईएमआई 30 दिन से अधिक बकाया है, तब पहले ग्राहक को नोटिस दिया जाएगा। जब यह बकाया 60 दिन से ज्यादा हो जाएगा, तभी डिवाइस को पूरी तरह बंद करने की कार्रवाई की जा सकेगी। यह नियम केवल उन्हीं मामलों में लागू होगा जहां लोन सीधे तौर पर किसी गैजेट की खरीद के लिए लिया गया है।

इसके अलावा, यदि डिवाइस रिमोटली लॉक भी होता है, तब भी ग्राहकों के लिए कुछ जरूरी इमरजेंसी सेवाएं चालू रखनी होंगी। इस दौरान इनकमिंग कॉल, एसएमएस, एसओएस (एसओएस) और आजीविका से जुड़े काम के फीचर्स पूरी तरह बंद नहीं किए जाएंगे। नए फ्रेमवर्क के अनुसार, लोनदाता या रिकवरी एजेंट डिवाइस को लॉक करने की प्रक्रिया में यूजर की प्राइवेसी का उल्लंघन नहीं कर सकते। वे फोन में मौजूद कॉन्टैक्ट्स, फोटो, वीडियो, मैसेज या लोकेशन जैसी निजी जानकारियों को एक्सेस नहीं कर पाएंगे। ऋण वसूली के तौर-तरीकों को लेकर भी बड़ी सख्ती बरती गई है। बैंकों को रिकवरी एजेंटों की नियुक्ति से पहले उनकी पूरी जांच-पड़ताल करनी होगी। नए नियमों के मुताबिक, रिकवरी एजेंट केवल सुबह 8:00 बजे से शाम 7:00 बजे के बीच ही ग्राहकों से संपर्क कर सकते हैं।

कोयला घोटाला मामलों की सुनवाई से हटाए गए दो जज

दिल्ली हाईकोर्ट के अनुरोध पर सुप्रीम कोर्ट का फैसला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली हाईकोर्ट के एक असामान्य अनुरोध को स्वीकार कर कोयला घोटाला मामलों की सुनवाई कर रहे दो विशेष जजों को उनके पद से हटाया है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाला बागची और न्यायमूर्ति वी.मोहना की पीठ ने आदेश जारी किया। हाईकोर्ट ने अपने पत्र में विशेष न्यायाधीश सुनैना शर्मा और धीरज मोर को उत्कृष्ट योग्यता वाला बताकर कहा था कि वे अन्य प्रशासनिक और न्यायिक जिम्मेदारियों के लिए अधिक उपयुक्त हैं, इसलिए उनकी सेवाओं का उपयोग अन्य स्थानों पर होना चाहिए।

न्यायाधीश सुनैना ने इस साल जनवरी में ही पदभार संभाला था, जबकि धीरज को अप्रैल 2025 में इस पद पर नियुक्त किया था। शर्मा को अपने पद पर कार्य करते हुए मात्र छह माह और मोर को लगभग एक वर्ष ही पूरा हुआ था कि उनके तबादले का प्रस्ताव आ गया। इससे पहले इसी वर्ष तत्कालीन पीठासीन जज संजय बंसल को भी कार्यमुक्त किया गया था, जिन्होंने करीब साढ़े चार साल तक विशेष अदालत की कमान संभाली थी।

हाईकोर्ट के अनुरोध को मंजूरी देकर शीर्ष अदालत ने दो नए जजों की नियुक्ति को हरी झंडी दे दी है। साकेत अदालत में एनडीपीएस मामलों के विशेष जज रहे वीरेंद्र कुमार खर्ता अब सुनैना का स्थान लेने वाले हैं, जबकि तीस हजारी कोर्ट के फास्ट-ट्रैक कोर्ट में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश रहे अजय गर्ग, धीरज का पदभार संभालने वाले हैं। दिल्ली हाईकोर्ट ने इन तबादलों और नई पोस्टिंग के आदेश जारी कर दिए। हालांकि, हैरानी की बात यह है कि फिलहाल दोनों स्थानांतरित जजों को कोई नई नियमित न्यायिक पोस्टिंग नहीं दी गई है, बल्कि उन्हें प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश (सीबीआई) के कार्यालय से अटैच किया गया है।

तबादले के साथ ही अदालत ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि दोनों जज कार्यमुक्त होने से पहले उन सभी मामलों की सूची तैयार करें, जिसमें उनके द्वारा फैसले या आदेश सुरक्षित रखे गए थे। उन्हें ट्रांसफर के बावजूद निर्धारित तिथियों पर या आगामी दो से तीन सप्ताह के भीतर अपने इन सुरक्षित फैसलों को सुनाना होगा। इन तारीखों को पुरानी और नई दोनों अदालतों की कॉज लिस्ट के साथ वेबसाइट पर भी प्रदर्शित करना अनिवार्य किया गया है। गौरतलब है कि कोयला घोटाले की इन विशेष अदालतों के समक्ष भ्रष्टाचार के दर्जनों मामले विचाराधीन हैं, जिनका त्वरित निपटारा न्याय प्रक्रिया की प्राथमिकता बना हुआ है।

आदमखोर बाघ की दहशत बरकरार, ग्रामीणों में बढ़ा आक्रोश

सैला-मोहगांव के बीच नाले में फिर दिखा बाघ, ग्रामीणों ने उल्टे पैर लौटकर बचाई जान

एक सप्ताह पहले मकान में घुसकर महिला का किया था शिकार,अब आ धमका दूसरा बाघ

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर जोन से लगे गांवों में बाघों की दहशत कम होने का नाम नहीं ले रही है। एक सप्ताह पहले पर्रापुर में घर में घुसकर महिला को मौत के घाट उतारने वाली बाघिन के रेस्क्यू के बाद अब क्षेत्र में दूसरे बाघ की मौजूदगी ने ग्रामीणों की चिंता और बढ़ा दी है। शनिवार को सैला से मोहगांव मार्ग के बीच नाले के पास ग्रामीणों को बाघ दिखाई दिया, जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। बाघ को सामने देख ग्रामीण अपनी जान बचाकर उल्टे पैर वापस लौट गए।

जंगल से गांवों की ओर बढ़ रहा बाघों का मूवमेंट

कान्हा टाइगर रिजर्व के बफर क्षेत्र से लगे मालखेड़ी, सैला, मोहगांव, पर्रापुर, खापा, थाना और बिरगीटोला गांव इन दिनों लगातार बाघों की गतिविधियों से प्रभावित हैं। जंगल से लगे होने के कारण इन गांवों में आए दिन बाघों की मौजूदगी सामने आ रही है।ग्रामीणों का कहना है कि शाम ढलने के बाद जंगल और गांव के आसपास जाने में उन्हें डर लग रहा है। खेतों और जंगल से लगे रास्तों पर आवाजाही भी प्रभावित हो रही है।

महिला की मौत के बाद फिर दिखा दूसरा बाघ

गौरतलब है कि करीब एक सप्ताह पूर्व पर्रापुर में एक बाघिन मकान में घुस गई थी और उसने महिला पर हमला कर दिया था, जिससे महिला की मौत हो गई थी। इस घटना के बाद वन विभाग ने कार्रवाई करते हुए घटना में शामिल बाघिन का रेस्क्यू किया था। बाघिन को वन विहार भोपाल भेजा गया है। ग्रामीणों को उम्मीद थी कि इसके बाद क्षेत्र में बाघों की दहशत कम होगी, लेकिन अब दूसरे बाघ के दिखाई देने से लोगों की चिंता फिर बढ़ गई है।

नाले के पास अचानक नजर आया बाघ

शनिवार को सैला से मोहगांव जाने वाले मार्ग पर स्थित नाले के आसपास कुछ ग्रामीणों की नजर बाघ पर पड़ी। जंगल और नाले के बीच बाघ को विचरण करते देख ग्रामीणों में अफरा-तफरी मच गई। लोगों ने मौके से हटकर सुरक्षित स्थान की ओर लौटना ही बेहतर समझा। बाघ की मौजूदगी की सूचना क्षेत्र में फैलते ही ग्रामीणों में भय का माहौल बन गया।

ग्रामीणों की बढ़ी चिंता

जंगल से लगे गांवों में लगातार बाघों का मूवमेंट
पर्रापुर में महिला की मौत के बाद फिर सामने आया बाघ
सैला-मोहगांव मार्ग के नाले में दिखाई दिया बाघ
ग्रामीणों ने रास्ता छोड़कर वापस लौटना समझा सुरक्षित
16 वनकर्मी लगातार कर रहे क्षेत्र में गश्त
लैंटाना कटाई का प्रस्ताव वरिष्ठ स्तर पर भेजा गया
बाघों की दहशत वाला क्षेत्र
प्रभावित गांव- मालखेड़ी, सैला, मोहगांव, पर्रापुर, खापा, थाना, बिरगीटोला
क्षेत्र- कान्हा टाइगर रिजर्व का बफर जोन
ताजा घटना- सैला-मोहगांव मार्ग के नाले के पास बाघ दिखाई दिया
सुरक्षा- 16 वनकर्मियों की लगातार गश्त
पूर्व घटना- पर्रापुर में बाघिन के हमले में महिला की मौत

ग्रामीणों में बढ़ रहा आक्रोश

लगातार बाघों की मौजूदगी और पूर्व में हुई जनहानि के बाद ग्रामीणों में वन विभाग के प्रति आक्रोश भी बढ़ रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते बाघों की निगरानी और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं किए गए तो किसी बड़ी घटना से इनकार नहीं किया जा सकता। ग्रामीणों ने जंगल से लगे रास्तों पर गश्त बढ़ाने और आबादी वाले क्षेत्रों में बाघों की गतिविधियों पर प्रभावी निगरानी की मांग की है।

लैंटाना की कटाई का प्रस्ताव भेजा

विभागीय जानकारी के अनुसार जंगल क्षेत्र में फैली लैंटाना झाड़ियों के कारण भी वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखने में परेशानी आती है। लैंटाना कटाई का प्रस्ताव वरिष्ठ स्तर पर भेजा गया है। झाड़ियों की सफाई होने से जंगल से लगे क्षेत्रों में निगरानी और गश्त को प्रभावी बनाने में मदद मिलेगी।

घायल ग्रामीण के इलाज का खर्च उठाएगा विभाग

मालखेड़ी निवासी राजकुमार परते का उपचार भी जारी है। वन विभाग की ओर से उन्हें प्रारंभिक सहायता के रूप में एक हजार रुपए दिए गए हैं। वन विभाग ने स्पष्ट किया है कि घायल का उपचार पूरा होने तक उसके इलाज का पूरा खर्च विभाग द्वारा वहन किया जाएगा।

वन विभाग की कार्रवाई- पूर्व घटना में शामिल बाघिन का रेस्क्यू कर वन विहार भोपाल भेजा गया

16 वनकर्मी कर रहे लगातार गश्त- सुनील पन्द्रे

इस पूरे मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान बफर एसडीओ सुनील कुमार पंद्रे ने बताया कि संबंधित गांव पूरे जंगल के बीचों-बीच बसे हुए हैं। बफर क्षेत्र होने के कारण बाघों का विचरण स्वाभाविक रूप से इस क्षेत्र में होता है और कई बार बाघ गांवों की सीमा तक पहुंच जाते हैं। उन्होंने बताया कि क्षेत्र में 16 वनकर्मियों की टीम लगातार गश्त कर रही है और बाघों की गतिविधियों पर नजर रखी जा रही है।

हालौन नदी में पहली बार दिखे दो मगरमच्छ ग्रामीणों में कौतूहल

परसमाऊ -आमाटोला के बीच पुल के पास नजर आए विशाल मगरमच्छ, तस्वीरें इंटरनेट मीडिया पर वायरल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले के कान्हा राष्टीय उद्यान के निकट स्थित ग्राम परसमाऊऔर आमाटोला के बीच बहने वाली हालौन नदी में दो मगरमच्छ दिखाई देने से क्षेत्र में कौतूहल का माहौल बन गया। मंगलवार को नदी में एक साथ दो मगरमच्छ नजर आने की खबर फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और मगरमच्छों को देखने के लिए भीड़ जुट गई। ग्रामीणों ने मगरमच्छों की तस्वीरें और

वीडियो अपने मोबाइल फोन में कैद कर इंटरनेट मीडिया पर साझा किए। जिसके बाद तस्वीरें तेजी से प्रसारित होने लगीं।

नदी में पहली बार मगरमच्छ दिखने से हैरान ग्रामीण

बताया जा रहा है कि बालाघाट जिले में किसी नदी में मगरमच्छ देखे जाने की यह पहली घटना सामने आई है। परसमाऊ आमाटोला के बीच स्थित पुल के समीप ग्रामीणों ने पानी में दो मगरमच्छों को देखा। नदी में एक साथ दो मगरमच्छों की मौजूदगी ग्रामीणों के लिए कौतूहल और आश्चर्य का विषय बन गई। इस संबंध में डॉ. अमित पाटिल एवं राजकुमार मिश्रा ने बताया कि हालौन नदी मंडला क्षेत्र की ओर से बहते हुए गढ़ी की दिशा में आती है। इसी नदी पर बिरसा हालौन जलाशय भी स्थित है। मंगलवार को परसमाऊ आमाटोला के बीच पुल के समीप पानी में दो मगरमच्छ दिखाई दिए।

जैव विविधता के लिहाज से महत्वपूर्ण घटना

नदी में मगरमच्छों की मौजूदगी ने स्थानीय लोगों में जहां जिज्ञासा और उत्साह पैदा किया है वहीं यह घटना क्षेत्र की प्राकृतिक जैव विविधता की दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि हालौन नदी में इस तरह के जलीय जीवों का दिखाई देना क्षेत्र के प्राकृतिक वातावरण और वन्यजीवों की विविधता की ओर संकेत करता है। मगरमच्छों के नदी में दिखाई देने की खबर के बाद ग्रामीणों में इसे लेकर चर्चा का दौर शुरू हो गया है। वहीं स्थानीय लोगों का कहना है कि ऐसे वन्यजीवों की मौजूदगी को देखते हुए नदी और उसके आसपास के प्राकृतिक आवास के संरक्षण तथा लोगों को वन्यजीवों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने के प्रति जागरूक किया जाना आवश्यक है।मगरमच्छों के नदी में पहुंचने का वास्तविक कारण क्या है और वे किस क्षेत्र से यहां आए हैं यह स्पष्ट नहीं हो पाया है। हालांकि बालाघाट जिले में किसी नदी में पहली बार मगरमच्छ देखे जाने की इस घटना ने क्षेत्र के प्राकृतिक वातावरण और जैव विविधता को लेकर लोगों का ध्यान जरूर आकर्षित किया है।

मानसून में पिछड़ा बालाघाट जिला, 2 दिनों हुई सवा इंच बारिश

11 जुलाई तक बारिश का यू ही चलता रहे दौर, गर्मी से मिली राहत, फसलों को फायदा

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जिले में बीते दो दिनों से लगातार रूक-रूककर बारिश हो रही है, शुक्रवार की रात और शनिवार की सुबह व शाम को भी बारिश का दौर जारी रहा। बारिश के मिले आंकड़े के अनुसार जिले में बीते 24 घंटे में सवा इंच बारिश हो गई। हालांकि मानसुन सीजन में अब भी जिला, बारिश के मामले में पिछ?ा है। मानसुन

सीजन में 8 अगस्त तक 26 इंच बारिश हो गई है। जबकि बीते 2025 में 8 अगस्त तक 33 इंच बारिश हो चुकी थी। दो दिनों से हो रही बारिश ने किसानों को राहत दी है, चूंकि बीते एक सप्ताह से बारिश नहीं होने के कारण, खेतो की जमीन सुखने लगी थी। जिससे किसानों को फसल के बीमारी से खराब होने का डर सता रहा था।जिले में लगातार बारिश को देखते हुए प्रशासन ने आमजन से अपील की है कि बारिश के कारण, नदी नालों में बाढ़ होने और पुल पुलियों पर पानी की स्थिति में उसे पार न करें। ऐसी स्थिति में किसी भी प्रकार की लापरवाही से जान जा सकती है। पुल पुलियों पर पानी बह रहा हो तो सतर्कता और सावधानी बरतें, पानी उतरने का इंतजार करें और सुरक्षित होने पर ही पुल पुलियों को पार करें। सबसे अधिक 35 इंच बारिश बालाघाट तहसील और सबसे कम खैरलांजी तहसील में 18 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई है।

11 अगस्त तक हल्की से मध्य के बीच बारिश की संभावना-अगासे

दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान जिला कृषि मौसम इकाई कृषि विज्ञान केन्द्र के मौसम वैज्ञानिक डॉ. धर्मेन्द्र अगासे ने बताया कि भारत मौसम विज्ञान विभाग नई दिल्ली के क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल से प्राप्त पांच दिवसीय पूर्वानुमान के अनुसार 11 अगस्त तक जिले में मध्यम बादल के साथ हल्की बारिश तथा बिजली गिरने, आंधी तूफान के साथ हवाए चलने की संभावना है।

तहसीलवार बारिश का आंकड़ा

इस मानसुन सीजन में 01 जून से 08 अगस्त तक और सबसे कम इस अवधि में वारासिवनी तहसील में 34 इंच, बैहर में 28, लांजी में 25, कटंगी में 22, किरनापुर में 31, लालबर्रा में 28, बिरसा में 19, परसवाड़ा में 24 और तिरोड़ी में 27 इंच बारिश दर्ज की गई है।

2025 में तहसीलवार जिले में बारिश का आंकड़ा

वर्ष 2025 में 8 अगस्त तक बालाघाट तहसील में 49 इंच, वारासिवनी में 48, बैहर में 38, लांजी में 21, कटंगी में 32, किरनापुर में 31, खैरलांजी में 14, लालबर्रा में 39, बिरसा में 23, परसवाड़ा में 39 तथा तिरोड़ी में 31 इंच बारिश रिकॉर्ड की गई थी।

मुंडीमाई से उज्जैन-सीहोर के लिए रवाना हुआ 125 श्रद्धालुओं का जत्था

भोलेनाथ को जल चढ़ाने निकली कांवड़ यात्रा, रवानगी से पहले हुआ भव्य स्वागत; आयोजन का चौथा वर्ष

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। सावन के महीने में भगवान शिव की विशेष पूजा-अर्चना करने का अलग ही महत्व है। जिसके चलते पूरे महीने शिव मंदिरों में भक्तों की भीड़ रहती है।खासकर सावन के पवित्र महीने में पड़ने वाले सोमवार के मौके पर शिवालयों में खासी भीड़ उमड़ती है। शास्त्रों के अनुसार, इस माह भगवान भोलेनाथ की विशेष पूजा अर्चना करने से भगवान शिव प्रसन्न होते है।और भक्तो की मनमुराद पूरी करते है।शायद यही वजह है इस माह में कांवड़ियों द्वारा जलाशयों से पानी कावड़ में ले जाकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक कर विशेष प्राथनाएं की जाती है।जिसका एक नजारा आए दिनों की तरह शनिवार को भी नगर मुख्यालय से करीब 6 किमी दूर भरवेली के ग्राम मुंडीमाई में देखने को मिला। जहां पिछले 04 वर्षों से चली आ रही परंपरा को निभाते हुए हर साल की तरह इस साल भी जय माता दी सेवा समिति मुंडीमाई द्वारा भव्य कावड़ यात्रा निकाली गई।मुंडीमाई मंदिर से उज्जैन व सीहोर धाम के लिए निकाली गई यह कावड़ यात्रा पूरे क्षेत्र में मुख्य आकर्षण का केंद्र रही।जिसमे शामिल श्रद्धालु भक्तगण बैंड बाजे की धुन पर थिरकते हुए नजर आए।

चारो तरफ सुनाई दी बोल बम और हर-हर महादेव की गूंज

भरवेली स्थित मुंडीमाई मंदिर से शनिवार को उज्जैन एवं सीहोर के लिए भव्य कांवड़ यात्रा रवाना हुई। जय माता दी सेवा समिति के तत्वावधान में आयोजित इस यात्रा में करीब 125 श्रद्धालुओं का जत्था भगवान भोलेनाथ को जल अर्पित करने के संकल्प के साथ रवाना हुआ।कांवड़ यात्रा की रवानगी से पूर्व मुंडीमाई मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना की गई।जहा श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से माता की पूजा कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं यात्रा की सफलता की कामना की। इसके बाद यात्रा में शामिल श्रद्धालुओं का समिति एवं स्थानीय लोगों द्वारा पुष्पमाला पहनाकर और तिलक लगाकर भव्य स्वागत किया गया। मंदिर परिसर बोल बम और हर-हर महादेव के जयघोष से गूंज उठा।

चौथे वर्ष भी जारी है परंपरा

जय माता दी सेवा समिति द्वारा लगातार चौथे वर्ष कांवड़ यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। समिति पदाधिकारियों ने बताया कि धार्मिक आस्था और सामाजिक एकजुटता के उद्देश्य से आयोजित यह यात्रा हर वर्ष श्रद्धालुओं के लिए आकर्षण का केंद्र रहती है। रवानगी के दौरान स्थानीय लोगों ने श्रद्धालुओं को शुभकामनाएं देते हुए यात्रा के सफल एवं मंगलमय होने की कामना की।यात्रा में शामिल श्रद्धालु निर्धारित मार्ग से उज्जैन एवं सीहोर पहुंचकर भगवान भोलेनाथ को पवित्र जल अर्पित करेंगे।कांवड़ यात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में खासा उत्साह नजर आया। बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रद्धालु धार्मिक उत्साह के साथ यात्रा में शामिल हुए। इस दौरान विजय बाउने उर्फ मल्लू भैया पूर्व प्रखण्ड समनापुर अध्यक्ष, व्यापारी संघ भरवेली से शाहिद भाई चावल वाले, कन्नू संचेती, करण सिल्लारे, उमेश नागेश्वर, राजा सूर्यवंशी, गढ़वाल समाज उपाध्यक्ष राजा चंदेले, सहित अन्य ने समस्त श्रद्धालुओं का स्वागत किया।तो वही राजेश शिववंशी, शिवकुमार चौधरी, नफीस खान, शाहिद भाई चावल वाले,शक्ति नामदेव सहित समिति के पदाधिकारी सदस्य प्रमुख रूप से उपस्थित रहे जिन्होंने सभी श्रद्धालु भक्तों के उज्जवल भविष्य की कामनाओं के साथ श्रद्धालुओं के इस जत्थे को रवानगी दी।

खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई, 60 लीटर घी जब्त

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। राज्य खाद्य प्रयोगशाला भोपाल द्वारा प्रदेश के विभिन्न जिलों से लिए गए घी के नमूनों में कई ब्रांड अमानक पाए जाने के बाद खाद्य सुरक्षा प्रशासन को संबंधित ब्रांडों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में खाद्य सुरक्षा प्रशासन बालाघाट द्वारा नगर के विभिन्न होलसेल घी विक्रेताओं की जांच की गई।

खाद्य सुरक्षा अधिकारियों ने रोहित ट्रेडर्स, कुमार संस, लक्ष्मी नारायण एजेंसी, चोपड़ा सेल्स, गुरुकृपा सेल्स एवं वाधवानी एजेंसीज का निरीक्षण किया। जांच के दौरान वास्तु घी पर कार्रवाई करते हुए लगभग 60 लीटर घी जब्त किया गया। जब्त घी का नमूना जांच के लिए राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा गया है।

यह कार्रवाई खाद्य सुरक्षा अधिकारियों योगेश डोंगरे एवं गीता टांडेकर द्वारा की गई। अधिकारियों ने बताया कि प्रयोगशाला से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर नियमानुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी। खाद्य सुरक्षा प्रशासन द्वारा खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए लगातार निरीक्षण एवं नमूना कार्रवाई की जा रही है। विभाग ने खाद्य कारोबारियों को खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता एवं निर्धारित मानकों का पालन सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

नाम सुधार सूचना

मैं राजेश कुमार रणदिवे पिता स्व.श्री व्यंकटराव रणदिवे वार्ड क्रमांक 12 आमगांव रोड़ लांजी, तहसील लांजी जिला बालाघाट का निवासी हूं।

यह कि मेरे शालेय दस्तावेजो एवं जन्म प्रमाण पत्र में मेरा नाम राजेश कुमार रणदिवे पिता व्यंकटराव रणदिवे दर्ज है। पेनकार्ड एवं पासपोर्ट में मेरा नाम भूलवस राजेश रणदिवे पिता व्यंकटराव रणदिवे दर्ज हो गया है, जिसे सुधार कर राजेश कुमार रणदिवे पिता व्यंकटराव रणदिवे किया जाए।

निवेदक
राजेश कुमार रणदिवे
वार्ड क्रमांक 12 आमगांव रोड़ लांजी
तहसील लांजी जिला बालाघाट

मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत प्राप्त आवेदनों के त्वरित निराकरण के निर्देश

मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग से कलेक्टर्स एवं कमिश्नर्स से लिया फीडबैक

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की पहल पर आमजन की समस्याओं के निराकरण और जनसंवाद के उद्देश्य से पूरे प्रदेश में 07 अगस्त से मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान शुरू किया गया है। अभियान के तहत 07 अगस्त को प्रदेश के सभी जिलों में आयोजित शिविरों में प्राप्त आवेदनों एवं की गई गतिविधियों का फीडबैक लेने के लिए आज 08 अगस्त को मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल ने वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सभी कलेक्टर्स एवं कमिश्नर्स से चर्चा की। वीडियो कांफ्रेंसिंग में बालाघाट कलेक्टर कुमार सत्यम एवं जिला पंचायत सीईओ अभिषेक सराफ उपस्थित रहे। मुख्य सचिव श्री वर्णवाल ने आगामी शिविरों में सीएम हेल्पलाइन एवं लोक सेवा गारंटी अधिनियम से संबंधित प्रकरणों का तत्परता से निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने शिविरों में प्राप्त आवेदनों की प्रगति एवं फॉलोअप की समीक्षा टीएल बैठक में करने को कहा। उन्होंने अभियान के दौरान ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों की मूलभूत सुविधाओं पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इसके तहत बंद ट्रांसफार्मरों, नल-जल योजनाओं और हैंडपंपों की स्थिति की समीक्षा करने तथा खराब व्यवस्थाओं का शीघ्र निराकरण सुनिश्चित करने को कहा गया। मुख्य सचिव ने यह भी निर्देश दिए कि शिविरों में आमजन को 108 एंबुलेंस सेवा का लाभ समय पर मिल रहा है या नहीं, इसकी भी जानकारी ली जाए। उन्होंने अभियान के दौरान विभिन्न क्षेत्रों में नवाचार करने वाले तथा अपने कार्यों से सफलता हासिल करने वाले प्रबुद्धजनों एवं युवाओं से संवाद करने और उनके अनुभवों का लाभ लेने पर भी जोर दिया। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के माध्यम से प्रशासन का उद्देश्य आमजन की समस्याओं का मौके पर निराकरण, शासकीय सेवाओं की बेहतर पहुंच तथा नागरिकों और प्रशासन के बीच विश्वास एवं संवाद को और मजबूत करना है।

बारबेड वायर (कांटेदार तार)
एवं चेन लिंक जाली
उचित दाम पर उपलब्ध
लघु उद्योग निगम भोपाल से संबद्ध
निर्माता
तिरूपति इंजीनियरिंग वर्क्स
मयूर टॉकिज के सामने हनुमान चौक, बालाघाट
फोन:- 07632-243531
मो:- 8989976858, 9425139998

न्यूज गैलरी

तेज रफ्तार पिकअप की चपेट में आने से गंभीर रूप से घायल साइकिल सवार वृद्ध की मौत

तुमसर रोड कटेदरा जोड़ के पास हुआ दर्दनाक हादसा इलाज के लिए गोंदिया ले जाते समय बिगड़ी हालत

पद्मेश न्यूज । बालाघाट । कटंगी थाना क्षेत्र अंतर्गत तुमसर रोड पर ग्राम कटेदरा जोड़ के पास शुक्रवार शाम एक तेज रफ्तार पिकअप वाहन ने साइकिल सवार वृद्ध को टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल वृद्ध की उपचार के दौरान मौत हो गई। मृतक लालचंद पिता फोगल उके 73 वर्ष ग्राम सावरी थाना कटंगी निवासी बताया गया है

प्राप्त जानकारी के अनुसार लालचंद उके के परिवार में पत्नी के अलावा सात बेटी है। जिनमें पांच बेटियों की शादी हो चुकी है। दो बेटी जबलपुर में रहकर पढ़ाई कर रही है । लालचंद ग्राम सावरी में अपनी पत्नी के साथ रहते थे और खेती किसानी का काम करते थे। बताया गया कि 7 अगस्त की शाम वे किसी काम से साइकिल लेकर कटंगी आए थे। काम पूरा करने के बाद वे साइकिल से अपने गांव सावरी लौट रहे थे। इसी दौरान तुमसर रोड पर ग्राम कटेदरा जोड़ के समीप सामने से तेज रफ्तार से आ रही पिकअप ने उनकी साइकिल को जोरदार टक्कर मार दी।हादसे में लालचंद गंभीर रूप से घायल होकर सड़क पर बेहोश हो गए। घटना के बाद मौके पर भीड़ लग गई थी। गंभीर रूप से घायल लालचंद को तत्काल कटंगी अस्पताल लाकर भर्ती गया।जहां प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल बालाघाट रेफर कर दिया गया था। परिजनों ने उन्हें बालाघाट के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराये थे। हालत में सुधार नहीं होने पर परिजन लालचंद को बेहतर उपचार के लिए एंबुलेंस से गोंदिया ले जा रहे थे। लेकिन रास्ते में उनकी तबीयत और बिगड़ गई। इसके बाद उन्हें तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट लाया गया।जहां चिकित्सकों ने जांच के बाद उन्हें मृत घोषित कर दिये। लालचंद की जिला अस्पताल आते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी। जिला अस्पताल पुलिस ने लालचंद के शव को अपने कब्जे में लेकर अस्पताल के फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिये थे। 8 अगस्त की सुबह जिला अस्पताल पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई पूरी कर शव का पोस्टमार्टम कराया और परिजनों को सौंप दिया गया।जिला अस्पताल पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम किया है। प्रकरण को अग्रिम कार्रवाई के लिए घटनास्थल से संबंधित थाना कटंगी पुलिस को भेज दिया गया है।

बस किराया बढ़ते ही यात्रियों की जेब पर पड़ा बोझ, यात्री हो रहे परेशान

2 रु प्रतिकिमी किराया बढ़ते ही कई रूटों पर 50 से 80 फीसदी तक बढ़ी राशि; टिकट काटते समय एजेंटों से यात्रियों की नोकझोंक

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

बस ऑपरेटर्स की किराया वृद्धि की मांग को सरकार द्वारा मंजूरी दिए जाने के बाद जिले में शनिवार से बढ़ा हुआ यात्री किराया लागू हो गया। सरकार ने बसों का किराया 1.25 रुपए प्रति किलोमीटर से बढ़ाकर 2 रुपए प्रति किलोमीटर निर्धारित किया है। किराया बढ़ने का सीधा असर अब यात्रियों की जेब पर दिखाई देने लगा है। जिले के प्रमुख मार्गों पर पहले जहां यात्री 70 से 80 रुपए में सफर कर लेते थे, वहीं अब कई रूटों पर किराया 120 से 180 रुपए तक पहुंच गया है। अचानक बढ़े किराए से यात्रियों में नाराजगी है और टिकट काटते समय कई स्थानों पर यात्रियों तथा एजेंटों के बीच बहस की स्थिति भी बनी।

नई दरों से यात्री हुए परेशान

शनिवार को बढ़े हुए किराए के साथ बसों का संचालन शुरू होने के बाद बस स्टैंड और टिकट काउंटरों पर यात्रियों को नई किराया दरों का सामना करना पड़ा। यात्रियों का कहना है कि पहले से महंगाई की मार झेल रहे आम लोगों के लिए बस किराए में इतनी बड़ी वृद्धि अतिरिक्त आर्थिक बोझ बन गई है। यात्रियों ने सरकार से किराया वृद्धि पर पुनर्विचार कर इसे कम करने की मांग की है।

एजेंटों को सुननी पड़ रही यात्रियों की नाराजगी

बढ़े किराए का पहला असर टिकट काउंटरों और बस एजेंटों पर दिखाई दिया। यात्रियों द्वारा अधिक किराया लिए जाने पर एजेंटों से नाराजगी जताई गई। एजेंटो ने बताया कि टिकट काटते समय कई यात्रियों ने बढ़े हुए किराए को लेकर नाराजगी जताई और विवाद की स्थिति भी बनी। उनका कहना है कि किराया बढ़ने का पहला दिन होने के कारण यात्रियों को नई दरों को लेकर परेशानी हो रही है।

मलाजखंड से बालाघाट आने के लिए अब 180 रुपए

उधर नगर मुख्यालय से करीब 90 किलोमीटर दूर मलाजखंड से बालाघाट पहुंचे यात्रियों ने बताया कि पहले मलाजखंड से बालाघाट का किराया करीब 112 रुपए था, लेकिन अब इसके लिए 180 रुपए चुकाने पड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि अचानक बढ़ा किराया आम यात्री के लिए काफी अधिक है और यह सीधे तौर पर परिवार के बजट पर असर डाल रहा है। सरकार को किराया वृद्धि पर पुनर्विचार कर यात्रियों को राहत देनी चाहिए।

जिले के ज्यादातर यात्री बसों के सफर को देते है प्राथमिकता

बालाघाट जिले में रेल परिवहन की सीमित सुविधा होने, व लेट लतीफी के कारण ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों के लिए बस ही आवागमन का प्रमुख साधन है। रोजाना बड़ी संख्या में लोग नौकरी, व्यापार, शिक्षा, उपचार और अन्य जरूरी कार्यों के लिए बसों से जिला मुख्यालय और आसपास के शहरों तक पहुंचते हैं। ऐसे में किराए में हुई वृद्धि का व्यापक असर आम यात्रियों पर पड़ रहा है। खासकर रोजाना बस से सफर करने वाले कर्मचारियों, विद्यार्थियों और मजदूर वर्ग के लिए बढ़ा किराया बड़ी परेशानी बन गया है।

नई किराया दर का असर

1.25 रुपए 2 रुपए प्रति किमी
75 पैसे प्रति किमी की वृद्धि
डिलक्स बस - 25% अतिरिक्त
स्लीपर बस -50% अतिरिक्त
एसी बस - 75% अतिरिक्त

प्रमुख मार्गों पर इतना बढ़ा किराया

मार्ग	पुराना किराया	नया किराया
बालाघाट-गोंदिया	65	90
बालाघाट-रजेगांव	30	50
बालाघाट-लांजी	80	120
बालाघाट-लालबर्रा	40	50
बालाघाट-वारासिवनी	20	30
बालाघाट-कटंगी	70	90
बालाघाट-सिवनी	120	180
बालाघाट-बैहर	90	130
बालाघाट-मलाजखंड	100	180
बालाघाट-लामता	60	90
बालाघाट-मंडला	180	260

यात्रियों की मांग-महंगाई के बीच किराए में मिले राहत

यात्रियों का कहना है कि सरकार ने ऑपरेटर्स की मांग मानकर किराया बढ़ा दिया, लेकिन इसका सीधा असर आम जनता पर पड़ा है। पेट्रोल-डीजल, खाद्य सामग्री और रोजमर्रा की जरूरतों की बढ़ती कीमतों के बीच बस किराए में हुई वृद्धि से परिवारों का बजट बिगड़ रहा है। यात्रियों ने सरकार से मांग की है कि किराया वृद्धि की समीक्षा कर आम जनता को राहत देने के लिए दरों में कमी की जाए।

अचानक से किराया बढ़ा दिए, कम करना चाहिए- मुकेश

बस यात्री मुकेश मेरावी ने बताया कि आज अचानक बस वालों ने किराया बढ़ा दिए हैं जिससे परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। हम पहले 112 रुपए में बालाघाट पहुंचते थे, अब 180 रुपए देने पड़ रहे हैं। यह आम यात्री पर सीधा आर्थिक बोझ है।पहले से कोई सूचना भी नहीं दी, की किराया बढ़ा रहे हैं और अचानक से किराया बढ़ा दिया। हमारी मांग है कि किराए को कम करना चाहिए ताकि आम लोग भी बस में सफर कर सके।

किराए को लेकर यात्री करते है नोकझोक- शेख मेंहमूद

बस एजेंट शेख मेहमूद ने बताया कि किराया बढ़ाते ही अब यात्री परेशान हो चुके हैं, बढ़े हुई दर से किराया देने में आनाकानी कर रहे हैं और टिकट के पैसों के लिए नोक झोक हो रही है। समझाने पर भी नहीं समझते, सरकार ने 2रु प्रति किलोमीटर के हिसाब से किराया बढ़ाया है लेकिन यात्री पुराने रेट से ही किराया देने की बात को लेकर बहस करते हैं। यात्रियों को किराया बढ़ने की जानकारी नहीं है इसीलिए कंडक्टर या एजेंट से नोंकझोंक करते रहते हैं। कई बार तो हमें पुराने रेट में ही उन्हें लाना ले जाना पड़ता है। जैसे-जैसे लोगों को मालूम चलेगा वैसे-वैसे यह समस्या भी दूर हो जाएगी।

बस ऑपरेटर्स बोले-सरकार के निर्धारित किराए के अनुसार बढ़ाया किराया

मामले को लेकर दूरभाष पर की गई चर्चा के दौरान जिला बस ऑपरेटर्स एसोसिएशन के सचिव श्याम कौशल ने बताया कि बस ऑपरेटर्स लंबे समय से किराया बढ़ाने की मांग कर रहे थे। सरकार ने मांग स्वीकार करते हुए 2 रुपए प्रति किलोमीटर किराया निर्धारित किया है। पहले यह दर 1.25 रुपए प्रति किलोमीटर थी, यानी प्रति किलोमीटर 75 पैसे की वृद्धि हुई है। इसी आधार पर जिले में बसों का किराया बढ़ाया गया है।उन्होंने बताया कि साधारण बस के अलावा डिलक्स, स्लीपर और एसी बसों में यात्रा करने पर निर्धारित किराए से क्रमश: 25, 50 और 75 प्रतिशत अधिक किराया यात्रियों को देना होगा।

दो साल से अधूरा निशक्त पुनर्वास केंद्र, विधायक ने उठाए निर्माण की रफ्तार और गुणवत्ता पर सवाल

ट्रामा सेंटर के बाजू में पुलिस हाउसिंग बोर्ड करा रहा भवन निर्माण, विधायक अनुभा मुंजारे ने किया निरीक्षण, बोलीं समय सीमा में पूरा होना था काम, अब तक क्यों अधूरा?

पद्मेश न्यूज । बालाघाट । शहर के ट्रामा सेंटर के समीप निशक्त एवं असहाय लोगों के पुनर्वास के लिए पुलिस हाउसिंग बोर्ड द्वारा बनाए जा रहे भवन का निर्माण कार्य लंबे समय से अधूरा पड़ा होने का मामला सामने आया है। 8 अगस्त को बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने निर्माणाधीन भवन का मौके पर पहुंचकर निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्माण की प्रगति, गुणवत्ता और तय समय सीमा को लेकर सवाल उठाते हुए संबंधित अधिकारियों से जानकारी ली। विधायक ने कहा कि भवन का निर्माण लगभग दो वर्ष से चल रहा है, जबकि इसे निर्धारित समयावधि में पूरा हो जाना चाहिए था।

विधायक अनुभा मुंजारे ने मीडिया से चर्चा में कहा कि निशक्त और असहाय लोगों के लिए बनाए जा रहे इस भवन का उद्देश्य बेहद महत्वपूर्ण है। ऐसे लोगों के पुनर्वास और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के लिए भवन का निर्माण तय समय सीमा में और गुणवत्तापूर्ण तरीके से होना चाहिए था, लेकिन करीब दो वर्ष बीतने के बाद भी भवन पूरी तरह तैयार नहीं हो पाया है। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्य में देरी क्यों हो रही है और इसके लिए जिम्मेदार कौन है, इसकी जानकारी सामने आना जरूरी है। उन्होंने निरीक्षण के दौरान भवन में चल रहे निर्माण कार्य की स्थिति को भी देखा और कहा कि किसी भी सरकारी निर्माण में समय सीमा के साथ गुणवत्ता का ध्यान रखना जरूरी है। यदि भवन निर्माण में लगातार देरी होती है तो इसका सीधा असर उन लोगों पर पड़ता है, जिनके लिए यह सुविधा तैयार की जा रही है। विधायक ने संबंधित विभाग से निर्माण कार्य जल्द पूरा कराने और भवन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने की आवश्यकता जताई। विधायक ने यह भी कहा कि वह चाहती थीं कि निरीक्षण के दौरान संबंधित सभी विभागों के अधिकारी मौके पर मौजूद रहते। उनके अनुसार यदि निर्माण से जुड़े सभी अधिकारी और जिम्मेदार विभाग एक साथ मौके पर मौजूद होते तो भवन निर्माण में सामने आ रही कमियों, देरी के कारण और अब तक हुए कार्य की वास्तविक स्थिति पर विस्तृत चर्चा हो सकती थी। हालांकि निरीक्षण के दौरान कुछ संबंधित विभागों के अधिकारी ही उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि सरकारी राशि से तैयार होने वाले भवनों में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जानी चाहिए। भवन जितना महत्वपूर्ण है, उतना ही जरूरी है कि इसका निर्माण मजबूत और गुणवत्तापूर्ण हो। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्य में तेजी लाने तथा तय मानकों के अनुसार काम पूरा कराने की बात कही। इसी दौरान बालाघाट विधायक अनुभा मुंजारे ने बूढ़ी स्थित अस्पताल पहुंचकर बिरसा क्षेत्र के अडोरी सहित आसपास के गांवों में बच्चों की लगातार हो रही मौतों के मामले की भी जानकारी ली। विधायक ने अस्पताल में भर्ती प्रभावित क्षेत्र के बच्चों से मुलाकात की और उनके स्वास्थ्य की स्थिति जानी। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन से बच्चों को बेहतर एवं आवश्यक उपचार उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। अडोरी क्षेत्र में बच्चों के बीमार होने और लगातार मौतों की खबरों के बीच विधायक का अस्पताल पहुंचना भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। उन्होंने बच्चों के उपचार के साथ-साथ बीमारी के वास्तविक कारण का पता लगाने की आवश्यकता पर जोर दिया। विधायक ने स्वास्थ्य विभाग और अस्पताल प्रबंधन से प्रभावित बच्चों की निगरानी, उपचार तथा आवश्यक स्वास्थ्य जांच को गंभीरता से लेने की बात कही। इस तरह एक ही दिन विधायक ने जहां दो साल से अधूरे पुनर्वास केंद्र के निर्माण पर सवाल खड़े किए, वहीं अडोरी क्षेत्र में बच्चों की मौत के संवेदनशील मामले को लेकर अस्पताल पहुंचकर स्वास्थ्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अब देखना होगा कि पुनर्वास केंद्र का निर्माण कब तक पूरा होता है और अडोरी क्षेत्र में बच्चों की बीमारी का वास्तविक कारण स्वास्थ्य विभाग कब तक सामने ला पाता है।

मारपीट के आरोपी राजा बंशकार को एक माह का कारावास

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मारपीट के मामले में न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी बालाघाट श्री राज पांडे ने आरोपी राजा बंशकार को दोषी ठहराते हुए एक माह के साधारण कारावास एवं 1000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है। आरोपी के विरुद्ध थाना कोतवाली बालाघाट के अपराध क्रमांक 687/2019 एवं न्यायालयीन प्रकरण क्रमांक 910/2021 में सुनवाई के बाद यह फैसला सुनाया गया।आरोपी राजा बंशकार पिता श्याम बंशकार 25 वर्ष वार्ड क्रमांक 24, इंदिरा नगर बालाघाट निवासी को भारतीय दंड विधान की धारा 323 के तहत दोषसिद्ध किया गया है। अभियोजन के अनुसार 16 दिसंबर 2019 को फरियादी राहुल लिल्हारे ने पुलिस को सूचना दी थी कि वह वार्ड क्रमांक 24 स्थित झुग्गी-झोपड़ी क्षेत्र में अपने परिवार के साथ रहता है और मजदूरी करता है। घटना वाले दिन वह मजदूरी का काम समाप्त कर घर आया था और इसके बाद राजश्री लेने सड़क किनारे स्थित दुकान पर गया था।इसी दौरान रात करीब 8 बजे राजा बंशकार की मां ने राहुल से कहा कि उसका चाचा उठ नहीं रहा है उसे उठाने के लिए चलो। राहुल राजा बंशकार के घर के आंगन में पहुंचा। तभी राजा घर के अंदर से बाहर आया और उसे गाली-गलौज करते हुए अपने हिस्से के 1000 रुपये देने की बात कहने लगा।राहुल द्वारा गाली देने से मना करने पर आरोपी राजा बंशकार ने उसके साथ हाथ-मुक्कों से मारपीट की तथा नीचे से ईंट उठाकर भी मार दी। जिससे राहुल को चोट आई। घटना के दौरान आरोपी ने उसे जान से खत्म करने की धमकी भी दी।फरियादी की शिकायत पर थाना कोतवाली पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध धारा 294, 323 एवं 506 भारतीय दंड संहिता के तहत अपराध दर्ज कर विवेचना प्रारंभ की। विवेचना पूर्ण होने के बाद अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।न्यायालय ने विचारण के दौरान प्रस्तुत साक्ष्यों एवं तथ्यों के आधार पर आरोपी राजा बंशकार को धारा 323 भारतीय दंड संहिता के अपराध में दोषी पाते हुए एक माह के साधारण कारावास एवं 1000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।प्रकरण में अभियोजन की ओर से सहायक जिला अभियोजन अधिकारी सुरेन्द्र कुमार उइके ने पैरवी की। अभियोजन कार्यवाही सहायक संचालक अभियोजन कपिल कुमार डेहरिया के मार्गदर्शन में की गई।

सालेटेका-बाम्हनी मार्ग हुआ खस्ताहाल, जगह-जगह गड्ढों से थमी रफ्तार

प्रधानमंत्री सड़क योजना से बनी सड़क कुछ ही वर्षों में बदहाल, बारिश में बढ़ी परेशानी, स्कूली बच्चों और ग्रामीणों ने मरम्मत की उठाई मांग

पद्मेश न्यूज । बालाघाट । जिला मुख्यालय से लगे सालेटेका चौक से बाम्हनी होते हुए चीचगांव जाने वाला मार्ग इन दिनों बदहाली का शिकार है। सड़क पर जगह-जगह बड़े-बड़े गड्ढे बन जाने से राहगीरों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। बरसात के कारण गड्ढों में पानी भर जाने से सड़क की वास्तविक स्थिति दिखाई नहीं देती, जिससे दोपहिया वाहन चालकों के साथ स्कूली बच्चों के लिए भी हादसे का खतरा बना हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते सड़क की मरम्मत नहीं कराई गई तो आने वाले दिनों में स्थिति और गंभीर हो सकती है।

बम्हनी निवासी नीरज पारधी ने पद्मेश न्यूज़ से दूरभाष पर चर्चा में बताया कि सालेटेका चौक से बाम्हनी और चीचगांव के बीच करीब पांच किलोमीटर लंबे मार्ग का निर्माण प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत किया गया था। सड़क बने अभी कुछ ही वर्ष हुए हैं, लेकिन वर्तमान में यह मार्ग कई स्थानों पर पूरी तरह उखड़ चुका है और जगह-जगह गड्ढों में तब्दील हो गया है। इससे सड़क निर्माण की गुणवत्ता और रखरखाव व्यवस्था पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं। ग्रामीणों के अनुसार यह मार्ग आसपास के गांवों को जिला मुख्यालय से जोड़ने वाला महत्वपूर्ण रास्ता है। प्रतिदिन बड़ी संख्या में ग्रामीण इसी मार्ग से बालाघाट आते-जाते हैं। वहीं आसपास के गांवों के स्कूली बच्चे भी रोज इसी सड़क से स्कूल पहुंचते हैं। सड़क खराब होने के कारण विद्यार्थियों को विशेष परेशानी उठानी पड़ रही है। बारिश के दौरान गड्ढों में पानी भरने से वाहन चालकों को अंदाजा नहीं लग पाता कि सड़क पर कितनी गहराई का गड्ढा है, जिससे दुर्घटना की आशंका लगातार बनी रहती है। नीरज पारधी ने बताया कि बरसात शुरू होने के बाद मार्ग की स्थिति और भी खराब हो गई है। सड़क पर बने गड्ढों में पानी भरने के कारण दोपहिया वाहन चालकों को काफी सावधानी से निकलना पड़ता है। कई जगह सड़क का हिस्सा इतना खराब हो चुका है कि वाहन चालकों को गड्ढों से बचने के लिए सड़क के किनारे से होकर निकलना पड़ता है। इससे सामने से आने वाले वाहनों के साथ टक्कर की आशंका भी बनी रहती है। ग्रामीणों का कहना है कि संबंधित विभाग को फिलहाल स्थायी निर्माण कार्य संभव नहीं होने की स्थिति में कम से कम वैकल्पिक मरम्मत व्यवस्था करनी चाहिए। बड़े गड्ढों में गिट्टी-मुरम या अन्य उपयुक्त सामग्री डालकर सड़क को आवागमन योग्य बनाया जाए। इसके साथ ही बरसात के बाद सड़क की पूरी तरह मरम्मत अथवा आवश्यक स्थानों पर कंक्रीट कार्य कराया जाए, ताकि आने वाले समय में ग्रामीणों को परेशानी न हो। ग्रामीणों ने सवाल उठाते हुए कहा कि प्रधानमंत्री सड़क योजना के तहत बनाई गई सड़क यदि कुछ ही वर्षों में जगह-जगह से टूटकर गड्ढों में बदल गई है तो निर्माण कार्य की गुणवत्ता और सड़क के रखरखाव की भी जांच होनी चाहिए। उनका कहना है कि सड़क पर केवल अस्थायी पैबंद लगाने के बजाय इसकी वास्तविक स्थिति का तकनीकी परीक्षण कराया जाए और जरूरत के अनुसार स्थायी सुधार कार्य कराया जाए। सबसे बड़ी चिंता स्कूली बच्चों की सुरक्षा को लेकर है। प्रतिदिन बच्चे इसी मार्ग से आवागमन करते हैं और बारिश में सड़क पर पानी तथा कीचड़ के कारण उनके फिसलने या दुर्घटना का खतरा बढ़ जाता है। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से मांग की है कि मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मौके का निरीक्षण किया जाए और सड़क को आवागमन के लिए सुरक्षित बनाया जाए। अब ग्रामीणों की नजर संबंधित विभाग की कार्रवाई पर टिकी है। क्या विभाग केवल गड्ढों पर औपचारिक मरम्मत करेगा या सड़क की बदहाल स्थिति की जिम्मेदारी तय करते हुए स्थायी समाधान निकालेगा, यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। फिलहाल सालेटेका-बाम्हनी-चीचगांव मार्ग की बदहाली ने ग्रामीणों की परेशानी बढ़ा दी है और समय रहते कार्रवाई नहीं हुई तो बारिश के दौरान यह मार्ग बड़े हादसे का कारण बन सकता है।

ट्रांसफार्मर से ऑयल चुराने वाले दो शातिर चोर गिरफ्तार, बाइक और 90 लीटर तेल बरामद

लालबर्रा पुलिस की बड़ी सफलता, पूर्व में दो दर्जन से अधिक ट्रांसफार्मरों से हो चुकी है ऑयल चोरी

रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। लालबर्रा।

नगर मुख्यालय सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बीते कुछ समय से विद्युत मंडल के ट्रांसफार्मरों से ऑयल चोरी करने वाला शातिर गिरोह सक्रिय था। चोरों के हौसले इतने बुलंद थे कि वे आये दिन विभिन्न इलाकों में स्थापित ट्रांसफार्मरों को निशाना बनाकर भारी मात्रा में कीमती ऑयल चोरी कर रफूचक्कर हो रहे थे। ट्रांसफार्मरों से तेल चोरी होने के कारण क्षेत्र के दर्जनों गांवों में विद्युत आपूर्ति पूरी तरह बाधित हो जाती थी, जिससे विद्युत विभाग के कर्मचारियों को व्यवस्था बहाल करने में भारी मशक्कत करनी पड़ रही थी। क्षेत्र में लगातार विद्युत ट्रांसफार्मरों से ऑयल चोरी होने की बढ़ रही इन वारदातों पर लगाम कसते हुए लालबर्रा पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए 7 अगस्त को त्वरित कार्यवाही की और गिरोह का पर्दाफाश कर दो शातिर आरोपियों को धर दबोचा है। पुलिस की इस कार्यवाही से क्षेत्र में सक्रिय चोरों के हौसले पस्त हो गये है।

आरोपियों के पास से 90 लीटर तेल व बाइक जब्त

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार ट्रांसफार्मरों के नट-बोल्ट खोलकर ऑयल चोरी करने के मामले में मोहगांव बोरी निवासी 28 वर्षीय अमन पिता अमृत गोयल एवं 22 वर्षीय आदित्य पिता रवन बरले को 7 अगस्त को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की कड़ाई से पूछताछ के बाद आरोपियों के कब्जे से चोरी किया गया लगभग 90 लीटर कीमती ट्रांसफार्मर ऑयल तथा वारदात में इस्तेमाल की गई एक मोटरसाइकिल जब्त की गई है। लालबर्रा पुलिस ने दोनों आरोपियों को 8 अगस्त को वारासिवनी न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। वहीं स्थानीय लोगों और विभागीय सूत्रों का कहना है कि यदि लालबर्रा पुलिस आरोपियों को न्यायालय से रिमांड पर लेकर कड़ाई से पूछताछ करती है, तो क्षेत्र में पूर्व में हुई दो दर्जन से अधिक ट्रांसफार्मर ऑयल चोरी की वारदातों का भी खुलासा हो सकता है। हालांकि प्राथमिक जानकारी में यह बात भी सामने आ रही है कि गिरफ्तार युवक पहली बार ही इस वारदात को अंजाम दे रहे थे और पुलिस के हत्थे चढ़ गये।

विद्युत विभाग ने की कड़ी कार्यवाही की मांग

दूसरी ओर विद्युत विभाग के अधिकारियों ने पूर्व में हुई ऑयल चोरी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए पुलिस प्रशासन से मांग की है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जाये। विभाग का कहना है कि पूर्व में सक्रिय रहे अज्ञात चोरों के गिरोह को भी जल्द गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी कानूनी कार्यवाही की जाये। ताकि विद्युत व्यवस्था में आ रही बाधाओं पर स्थायी रूप से विराम लगे और जिस तरह से अज्ञात चोरों के द्वारा विद्युत ट्रांसफार्मरों से ऑयल चोरी की वारदात को अंजाम दिया जा रहा है उस पर अंकुश लग सके।

आरोपियों को न्यायालय से भेज दिया गया है जेल - थाना प्रभारी

दूरभाष पर चर्चा में थाना प्रभारी राजमल दायमा ने बताया कि लालबर्रा क्षेत्र में गत दिवस से कुछ अज्ञात लोगों के द्वारा विद्युत ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी करने की घटनाओं को अंजाम दिया जा रहा था, जिसकी थाने में विद्युत विभाग के द्वारा शिकायत भी दर्ज करवाई गई है। 7 अगस्त को ट्रांसफार्मर से ऑयल चोरी करने वाले दो शातिर चोर को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से 90 लीटर तेल एवं एक बाइक बरामद किया गया है। श्री दायमा ने बताया कि शातिर चोर मोहगांव बोरी निवासी 28 वर्षीय अमन/अमृत गोयल, 22 वर्षीय आदित्य/रवन बरले है। जिनके खिलाफ बीएनएस की विभिन्न धाराओं के तहत मामला पंजीबध्द किया गया है और दोनों शातिर चोर को 8 अगस्त को न्यायालय वारासिवनी में पेश कर वहां से जेल भेज दिया गया है।

हाई स्कूल मार्ग शिवाजी चौक उत्कृष्ट विद्यालय के समीप बने गड्डों का करवाया गया मरम्मत कार्य

मरम्मत कार्य होने से स्कूली बच्चों एवं राहगीरों को आवागमन में होगी सुविधा

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। नगर मुख्यालय के अति व्यस्त और मुख्य मार्ग स्थित शिवाजी चौक शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के समीप सड़क पर बने बड़े-बड़े गड्डे रोजाना हादसों को न्योता दे रहे थे। जिससे स्कूली बच्चो एवं राहगीरों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। लेकिन जिम्मेदार उक्त समस्या की ओर कोई ध्यान नही दे रहे थे जिससे सभी में प्रशासन के प्रति रोष व्याप्त था। उक्त समस्या को लेकर गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार ने प्रमुखता से खबर प्रकाशन कर प्रशासन का ध्यानाकर्षण करवाया था। जिसके बाद सड़क विभाग के अधिकारी हरकत में आये। वहीं उत्कृष्ट विद्यालय के समीप सड़क के बीच में जगह-जगह बने गहरे गड्डों का गिट्टी की चुरी डालकर मरम्मत कार्य करवाया गया है। गड्डों का मरम्मत कार्य हो जाने से अब आवागमन करने में होने वाली परेशानियों से निजात मिल जायेगी। वहीं राहगीरों एवं ग्रामीणजनों ने इसी तरह अन्य स्थानों पर सड़क में बने गड्डों का मरम्मत कार्य एवं बरसात के बाद पक्की सड़क का निर्माण करवाने की मांग की है। आपकों बता दे कि हाई स्कूल मार्ग के लालबर्रा बस स्टैण्ड से शिवाजी चौक तक विगत वर्ष पूर्व टु वे सीसी सड़क का निर्माण करवाया गया है, उसके बाद से अधुरा छोड़ दिया गया है। वहीं सीमेन्टीकरण सड़क की सीमा के बाद से डामरीकरण सड़क खराब होने के साथ ही बड़े-बड़े गड्डे बन गये थे। इन गड्डों में बारिश होने पर पानी जमा हो जाने से आवागमन करने वालों को बेहद परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था और सबसे अधिक परेशानी स्कूली बच्चों को रही थी। जबकि यह मार्ग नगर की जीवनरेखा माना जाता है। इसी मार्ग पर शिवाजी चौक, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय के अलावा शासकीय अस्पताल, जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय, कॉलेज और अन्य प्रमुख शासकीय कार्यालय स्थित हैं। दिनभर अधिकारियों, मरीजों, विद्यार्थियों और आम जनता की भारी आवाजाही इस सड़क पर बनी रहती थी। बावजूद इसके सड़क की खस्ताहाल स्थिति पर किसी जिम्मेदार अधिकारी का ध्यान नहीं जा रहा था। सड़क पर बने गहरे गड्डों में जलभराव होने से स्थिति और भी 'यादा खराब हो गई थी। स्कूल आने-जाने वाले छोटे-छोटे बच्चे अक्सर इन छिपे हुए गड्डों में फिसलकर गिरकर चोटिल हो रहे थे। साथ ही पानी और कीचड़ के छीटों से उनकी ड्रेस एवं बैग भी खराब हो रहे थे। उक्त समस्या को लेकर गत दिवस बालाघाट एक्सप्रेस अखबार में समाचार प्रकाशित किया गया था और इसी सड़क की समस्या को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी सचिव, ब्लाक कांग्रेस कमेटी पूर्व अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने भी प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के एसडीओं आरआर सनोडिया से चर्चा कर सड़क की दयनीय स्थिति से अवगत करवाये थे। जिसके बाद प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के द्वारा शनिवार को शिवाजी चौक उत्कृष्ट विद्यालय के समीप बने जानलेवा गड्डों का गिट्टी से मरम्मत कार्य करवाया गया है। वहीं गड्डों का मरम्मत कार्य हो जाने से अब आवागमन में सभी को सुविधा होगी।

मरम्मत होने से आवागमन में होगी सुविधा - भाऊराम

जिला कांग्रेस कमेटी सचिव, पूर्व ब्लाक अध्यक्ष भाऊराम गाड़ेश्वर ने बताया कि लालबर्रा हाई स्कूल मार्ग शिवाजी चौक उत्कृष्ट विद्यालय के समीप सड़क पूरी तरह से खराब हो चुकी थी और बड़े-बड़े जानलेवा गड्डे बन जाने से आवागमन में सभी को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। उक्त संबंध में जनपद में आयोजित बैठक के दौरान जनप्रतिनिधियों के सामने इस सड़क का मुद्दा प्रमुखता से उठाया था, क्योंकि इस मार्ग से रोजाना स्कूली छात्र-छात्राओं के साथ-साथ लगभग 5 से 10 गांवों के लोगों का आवागमन करते है सभी को परेशानी हो रही है। साथ प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क विभाग के एसडीओं श्री सनोडिया को भी अवगत करवाकर मरम्मत की मांग की गई थी। श्री गाड़ेश्वर ने बताया कि सड़क विभाग के अधिकारियों ने गड्डों का मरम्मत कार्य करवाया है जिससे अब आवागमन में हो रही परेशानियों से कुछ राहत मिली है। जिससे आवागमन सुगम और सुरक्षित हुआ है, लेकिन प्रशासन से मांग है कि यह अस्थाई समाधान है, पक्का मरम्मत कार्य करवाये या फिर बरसात के बाद नवीन सड़क का निर्माण करवाये।

शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन में स्थापित हुई पाहंदी पारी कोपार लिंगो की प्रतिमा

आज धूमधाम से मनाया जायेगा विश्व आदिवासी दिवस, शहीद बिरसा मुंडा की प्रतिमा का होगा अनावरण

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद लालबर्रा के तत्वाधान में 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया जायेगा। विश्व आदिवासी दिवस के एक दिन पूर्व 8 अगस्त को शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन परिसर में पाहंदी पारी कोपार लिंगो की प्रतिमा पूरे विधि-विधान और पूजा-अर्चना के साथ स्थापित की गई। उल्लेखनीय है कि पाहंदी पारी कोपार लिंगो को गोंड आदिवासी समाज में सर्वोच्च गुरू का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने ही समाज व्यवस्था को सुदृढ़ करते हुए गोंड आदिवासी समाज के 750 गोत्रों व उपनामों (जैसे पंद्रे, उइके आदि) का विभाजन कर देव व्यवस्था की स्थापना की थी। प्रतिमा स्थापना के उपरांत उपस्थित समाज जनों ने उन्हें नमन कर आशीर्वाद लिया। पाहंदी पारी कोपार लिंगो आदिवासी समाज के लोगों के गुरू है। साथ ही 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस धूमधाम से मनाया जायेगा। जिसमें प्रात: 8 बजे शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन में बड़ादेव का पूजन-अर्चन की जायेगी तत्पश्चात प्रात: 10 बजे भव्य सामाजिक जागरूकता रैली निकाली जायेगी, प्रात: 11 बजे डॉ. बी.आर. अंबेडकर, महात्मा ज्योतिबा फुले, भगवान बिरसा मुंडा, छत्रपति शिवाजी महाराज एवं भूरा भगत की प्रतिमाओं पर माल्यार्पण किया जायेगा। जिसके बाद दोपहर 12 बजे से मंचीय समारोह, सांस्कृतिक प्रस्तुतियां एवं शहीद बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया जायेगा।

प्रतिभाशाली विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों का होगा सम्मान

विश्व आदिवासी दिवस पर आयोजित समारोह के दौरान शैक्षणिक सत्र 2025-26 में कक्षा 10 वीं एवं 12 वीं की परीक्षा में 75 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया जायेगा। इसके साथ ही सांस्कृतिक व खेलकूद प्रतियोगिताओं में राज्य स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को भी मंच से पुरस्कृत कर सम्मानित किया जायेगा। साथ ही कार्यक्रम के दौरान आमंत्रित अतिथियों द्वारा समाज को संबोधित करते हुए संगठित रहने, अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने तथा महापुरूषों के विचारों से प्रेरणा लेकर सामाजिक उन्नति के लिए कार्य करने का संदेश दिया जायेगा।

पाहंदी पारी कोपार लिंगो जी को समाज में सर्वश्रेष्ठ गुरू का दर्जा प्राप्त है - झनकार

मध्यप्रदेश आदिवासी विकास परिषद के कार्यवाहक अध्यक्ष झनकारसिंह उइके ने बताया कि आदिवासी समाज के दिशा-निर्देशों के अनुसार पाहंदी पारी कोपार लिंगो जी की विधि-विधान से प्रतिमा की स्थापना शहीद बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन परिसर में की गई है जो आदिवासी समाज के सर्वश्रेष्ठ गुरू है। आगे बताया कि 9 अगस्त को विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर लालबर्रा ब्लॉक स्तर पर विशेष कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा। कार्यक्रम की शुरूआत बिरसा मुंडा सामुदायिक भवन से एक भव्य रैली के साथ होगी। यह रैली नगर मुख्यालय के विभिन्न चौक-चौराहों का भ्रमण करते हुए राजाभोज जैविक/प्राकृतिक कृषि उपज मंडी काम्पलेक्स के समीप पहुंचेगी जहां मंचीय कार्यक्रम होगा। रैली समापन के पश्चात भगवान बिरसा मुंडा की प्रतिमा का अनावरण किया जायेगा। श्री उइके ने बताया कि पाहंदी पारी कोपार लिंगो जी को समाज में सर्वश्रेष्ठ गुरू का दर्जा प्राप्त है। उन्होंने ही गोंड आदिवासी समाज के 750 गोत्रों और उपनामों (जैसे पंद्रे, उइके आदि) का विभाजन कर देव व्यवस्था स्थापित की थी। पूरा समाज उनके प्रति सदैव श्रध्दा और नमन व्यक्त करता है। आगे बताया कि विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर मंडला से मुख्य वक्ता दादा फतेहसिंह धुर्वे (सामाजिक चिंतक एवं विचारक) समाज को संबोधित करेंगे और जागरूक करेंगे। इस अवसर पर सभी आदिवासी बंधु अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर कार्यक्रम को सफल बनाये।

नेवरगांव वा. में स्काउट-गाइड के विद्यार्थियों ने किया वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण का दिया संदेश

पद्मेश न्यूज। लालबर्रा। जनपद पंचायत लालबर्रा के अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत नेवरगांव वा. स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में 8 अगस्त को स्काउटर गाइडर की आवश्यक बैठक संपन्न हुई। आयोजित बैठक में विभिन्न बिन्दुओं पर चर्चा कर स्काउट गाइड एवं विद्यार्थियों को उसके महत्व के बारे में जागरूक करने पर जोर दिया गया। साथ ही स्काउट गाइड के द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरियाली को बढ़ावा देने के उद्देश्य से वृक्षारोपण कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। इस अवसर पर विद्यालय की प्राचार्या श्रीमती उषा देशमुख के मार्गदर्शन में स्काउट एवं गाइड के विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजाति के फलदार एवं छायादार पौधों का रोपण कर उसकी सुरक्षा करने का संकल्प लिया है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्राचार्या श्रीमती उषा देशमुख ने विद्यार्थियों से कहा कि वृक्ष हमारे जीवन का आधार हैं, केवल पौधा लगाना ही पर्याप्त नहीं है, बल्कि उसकी निरंतर देखभाल और संरक्षण करना भी हमारी जिम्मेदारी है। आगे उन्होने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूक रहने तथा समाज में हरियाली का संदेश पहुंचाने के लिए प्रेरित किया। इस वृक्षारोपण कार्यक्रम के माध्यम से विद्यार्थियों ने 'एक पौधा लगाये, पर्यावरण बचाये' का संदेश देते हुए प्रकृति संरक्षण एवं स्वच्छ पर्यावरण के प्रति अपनी प्रतिबध्दता व्यक्त की हैं। इस अवसर पर स्कूल प्राचार्या श्रीमती उषा देशमुख, गाइड कैप्टन श्रीमती लक्ष्मी विष्णुपटले, श्रीमती नीता बोपचे, हेलो स्काउट मास्टर आरिफ खान एवं शिक्षक प्रशांत मेश्राम सहित संस्था के समस्त शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

कटंगी रोड़ पर अनियंत्रित होकर पलटा गिट्टी से भरा डंपर, टला बड़ा हादसा

चालक व वाहन मालिक बाल बाल बचे, एक्सीडेंटल स्पॉट की जांच की उठी मांग

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर के कटंगी रोड स्थित वार्ड क्रमांक ८ में ७ अगस्त की देर रात करीब १ बजे एक भीषण सड़क हादसा घटित हुआ। बंडोल सिवनी से गिट्टी भरकर वारासिवनी आ रहा एक डंपर क्रमांक एम. पी ४८ एच ०६६३ सड़क के मुहाने पर बने डिवाइडर से टकराकर अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गया। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि डंपर के सामने के दोनों पहिए, टायर रॉड और शाफ्ट दो जगहों से टूटकर अलग हो गए। राहत की बात यह रही कि इस दुर्घटना में किसी भी प्रकार की जनहानि नहीं हुई।

बाल बाल बचे चालक और वाहन मालिक

दुर्घटना के समय डंपर को ग्राम भमोड़ी तहसील बरघाट जिला सिवनी निवासी चालक महेंद्र कुमार बघेल चला रहे थे। वहीं डंपर मालिक संदीप बनवाले निवासी ग्राम केशला तहसील बरघाट भी वाहन में मौजूद थे। भीषण टक्कर के बावजूद दोनों को कोई गंभीर चोट नहीं आई जिससे एक बड़ा हादसा टल गया। घटना के बाद मौके पर ट्रैक्टर बुलाकर गिट्टी को सड़क से हटाया गया हालांकि क्षतिग्रस्त डंपर खबर लिखे जाने तक मौके पर ही खड़ा था।

बार बार हो रहे हादसों से बना एक्सीडेंटल स्पॉट

जानकारी अनुसार कटंगी रोड़ का यह स्थान अब एक खतरनाक एक्सीडेंटल स्पॉट में तब्दील हो चुका है। पूर्व में भी इस डिवाइडर पर कार और डंपर अनियंत्रित होकर दुर्घटनाग्रस्त होने की आधा दर्जन से अधिक घटनाएं हो चुकी हैं। इस ताजा हादसे में डंपर डिवाइडर पर चढ़ गया जिससे डिवाइडर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और वहां लगी व्हाइट रेडियम संकेतक पट्टी भी पूरी तरह टूट गई। सड़क के इस स्थान पर लगातार हो रही दुर्घटनाओं ने अब सड़क और डिवाइडर के तकनीकी निर्माण और डिजाइन पर सवाल खड़े कर दिए हैं। बार बार हादसों की पुनरावृत्ति से आक्रोशित जागरूक नागरिकों ने जिला प्रशासन और संबंधित विभाग से मांग की है कि इस ब्लैक स्पॉट की तत्काल तकनीकी जांच कराई जाए। ताकि भविष्य में किसी बड़े जान.माल के नुकसान से बचाव हो सके।

यह स्थान धीरे धीरे एक्सीडेंटल स्पॉट बनता जा रहा है-अजय कटरे

ग्रामीण अजय कटरे ने बताया की यहा फिर एक बार डिवाइडर के प्रारंभ में डंपर अनियंत्रित होकर पलट गया है। यह स्थान धीरे धीरे एक्सीडेंटल स्पॉट बनता जा रहा है इसके पूर्व भी ७ से अधिक दुर्घटनाएं हो चुकी है। यह वार्ड नंबर आठ है इस डिवाइडर से ही टकराकर दुर्घटना होती है इस मार्ग पर यही दुर्घटना होती है। बहुत बुरी तरह डंपर क्षतिग्रस्त हुआ है अच्छा रहा कि इसकी चपेट में कोई नहीं आया बड़ा हादसा टल गया। इसमें जिला प्रशासन एवं पुलिस प्रशासन के अधिकारियों को इस स्थान की जांच करनी चाहिए ताकि यह जो बार.बार एक्सीडेंट होते हैं इसका पता लग सके। यह अति व्यस्ततम मार्ग है रात भर चलता है दुर्घटना किसी के भी साथ हो सकती है।

श्री रामचरितमानस का पाठ करने से सकरात्मक उर्जा का संचार और भगवान श्रीराम का आर्शीवाद प्राप्त होता है- प्रदीप जायसवाल

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। नगर में अधिवक्ता कक्ष के प्रांगण में दो दिवसीय अखंड रामायण का पाठ विवि विधान से संपन्न हुआ। समापन पर हवन कार्य में पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल, मिलिंद नगपुरे, मनोज दांदरे, मोनू लिमजे आदि ने आरती कर धर्म लाभ भी लिया। साथ ही वरिष्ठ अधिवक्ताओं से चर्चा कर महत्तवपूर्ण निर्णय भी लिये। अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष संदीप नगपुरे ने बताया की अंखड रामायण का पाठ कल दोपहर के समय शुरू किया गया था। जिसका आज विधिवत समापन किया गया है जिसमे समस्त अधिवक्ताओं ने शामिल होकर प्रभू की आराधना कर आर्शीवाद प्रास किया है। पूर्व मंत्री प्रदीप जायसवाल ने धार्मिक आयोजन की सराहना करते हुये कहा की अनवरत २४ घंटे बिना रूके श्री रामचरितमानस का पाठ करने से सकरात्मक उर्जा का संचार और भगवान श्रीराम का आर्शीवाद प्राप्त होता है। श्री जायसवाल ने कहा की इस तरह के कार्यक्रम से पारिवारीक एकजुटता और सभी लोग एक साथ बैठकर धर्मचर्चा भी करते है। साथ ही नयी पीढि को भगवान श्रीराम के आदर्शो,मर्यादा और जीवन मूल्यो की सीख मिलती है। इस दौरान विलास मिश्रा, नारायण तिवारी, आंनद बिसेन ,संदीप नगपुरे,वंदना बनोटे,अभिजीत शुक्ला, अनामिका शुक्ला,शैलेश पाठक,संदेश इंदूरकर ,रितेश शुक्ला,मनोज दमाहे,मोहेन्द्र नगपुरे, शिशुपाल पारधी, मुकेश पटले, कचरूलाल पंचतिलक,अजय डहाके,भुवनेश्वरी सोनकुसरे, रीना मरार,मनीषा जायसवाल सहित अन्य अधिवक्ता भी मौजदू रहे।

सिद्ध श्री जागृत हनुमान मंदिर में दो दिवसीय अखंड रामायण सम्पन्न

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। सावन मास के पावन अवसर पर नगर के वार्ड नंबर १४ स्थित प्राचीन सिद्ध श्री जागृत हनुमान मंदिर में आयोजित दो दिवसीय संगीतमय अखंड रामायण पाठ का शनिवार को भक्तिमय माहौल में समापन हुआ। इस धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत ७ अगस्त को भगवान श्री हनुमान के विधि विधान पूर्वक पूजन अर्चन और वंदना के साथ की गई थी। इसके पश्चात संगीतमय अखंड रामायण पाठ का प्रारंभ हुआ दिन.रात चले इस पाठ को ८ अगस्त की सुबह विश्राम कर हवन पूजन किया गया। इसके उपरांत भगवान की भव्य महाआरती करने के बाद उपस्थित सभी श्रद्धालुओं के बीच महाप्रसादी का वितरण किया गया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्तों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराकर धर्म लाभ अर्जित किया।

वारासिवनी में वृद्धा पेंशन नही मिलने से बुजुर्ग परेशान

४ महीने बाद मिली सिर्फ १ माह की राशिए हितग्राही दफ्तरों के चक्कर लगाने को मजबूर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी जनपद पंचायत के अंतर्गत आने वाले ग्रामीण क्षेत्रों में बुजुर्गों को पिछले कई महीनों से सामाजिक सुरक्षा वृद्धावस्था पेंशन समय पर नही मिलने के कारण भारी आर्थिक संकट का सामना करना पड़ रहा है। बीते करीब चार महीनों से पेंशन की आस लगाए बैठे असहाय बुजुर्गों को इस माह महज एक महीने की ही राशि का भुगतान किया गया है। जिससे उनके सामने जीवन यापन का गहरा संकट खड़ा हो गया है।

चार माह से दफ्तरों के चक्कर काट रहे हितग्राही

पेंशन की रुकी हुई राशि का पता लगाने और अपने हक का पैसा पाने के लिए बुजुर्गों को इस मौसम एवं बढ़ती उम्र में जनपद पंचायत, तहसील कार्यालय, ग्राम पंचायत से लेकर बैंकों के चक्कर लगाने पड़ रहे हैं। इसके बावजूद संबंधित जिम्मेदार अधिकारियों के द्वारा उन्हें कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया जा रहा है। बार बार दफ्तरों के चक्कर काटने के बाद भी सही जानकारी नही मिलने से हितग्राहियों में गहरा असंतोष और निराशा व्याप्त है। शासन के नियमानुसार ६० वर्ष या उससे अधिक आयु के गरीबी रेखा के नीचे जीवन यापन करने वाले बुजुर्गों को प्रतिमाह ६०० रूपये की पेंशन दी जाती है। हालांकि यह राशि कम है लेकिन कई निर्धन बुजुर्गों के लिए दवा पानी और रोजमर्रा के छोटे.मोटे खर्चों का यही एकमात्र सहारा है। क्षेत्र में कई ऐसे वृद्ध दंपति हैं जिनका कोई पालनहार या सहारा नहीं है। ऐसे बुजुर्गों के लिए यह पेंशन ही उनका एकमात्र जीवन निर्वाह भत्ता है। चार महीने में केवल एक माह की पेंशन मिलने से उनकी दवाइयों और भोजन की दैनिक जरूरतें बुरी तरह प्रभावित हो रही हैं। शासन की मंशा असहाय बुजुर्गों को आर्थिक सहारा प्रदान करने की है लेकिन स्थानीय स्तर पर लचर व्यवस्था के कारण हितग्राहियों को इसका सही लाभ नहीं मिल पा रहा है। वारासिवनी क्षेत्र के पीड़ित वृद्ध हितग्राहियों ने शासन प्रशासन से गुहार लगाई है कि उनकी रुकी हुई शेष महीनों की पेंशन राशि तुरंत उनके खातों में ट्रांसफर की जाए और भविष्य में पूर्व की भांति हर महीने नियमित रूप से पेंशन का भुगतान सुनिश्चित किया जाए, ताकि वे बिना किसी परेशानी के अपना जीवन यापन कर सकें।

अप्रैल माह से नही मिल रही वृद्धा पेंशन-लालचंद बाहेश्वर

हितग्राही लालचंद बाहेश्वर ने बताया कि वृद्धा पेंशन अप्रैल महीने से नहीं आ रही है मेरी आंख में दिखता नहीं है तो मजदूरी भी नहीं कर सकता। मेरी पत्नी काम कर थोड़ा बहुत कमा लेती है जिससे हमारा भरण पोषण हो रहा है। मेरे बेटे की मौत हो चुकी है नाती अभी छोटा है कमाने लायक नहीं है पेंशन हमारी अभी तक नहीं आई है। बीच में एक माह की पेंशन इस महीने हमें मिली है वृद्धा पेंशन हमारी जीविका का साधन है। किसान सम्मान निधि भी चार बार मिली थी फिर बंद हो गई हम यही चाहते हैं कि पहले की तरह हमें हर महीने पेंशन मिले इस समस्या से मैं अकेला नहीं बहुत सारे लोग वृद्ध परेशान हैं।

पेंशन नहीं मिलने से हितग्राही हो रहे परेशान-पीतांबर नागेश्वर

पूर्व जनपद सदस्य पीतांबर नागेश्वर ने बताया कि शासन के द्वारा बीपीएल परिवार को वृद्धा पेंशन दी जाती है। इसका लाभ ले रहे लोगों को चार माह से पेंशन नहीं मिली है हितग्राही कियोस्क सेंटर, बैंक, पंचायत, तहसील कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं। बड़ी मुश्किल से एक माह की पेंशन डाली गई है अब यह कैसे अपना भरण पोषण और जीवन निर्वाह करेंगे ६०० रुपए पेंशन मिलती है। ५ महीने में एक बार राशि आएगी तो कैसा होगा यह स्थिति किसी एक पंचायत नहीं हर पंचायत की है। हितग्राही परेशान है उन्हें केवाईसी, आधार अपडेट, जन्म प्रमाण पत्र सहित अनेक प्रकार के कार्यों के लिए भटकना पड़ रहा है। यदि यह अधिकार पंचायत को होते तो आसानी से काम हो जाता परंतु इन्हें भटकना पड़ रहा है कार्यालय के चक्कर लगा रहे हैं बड़े परेशान है।

इनका कहना हैं

दूरभाष पर बताया की वृद्धा पेंशन जिस पोर्टल से वितरण की जाती थी उसमें तकनीकी खराबी आने के कारण केंद्र से पोर्टल पर कार्य किया जा रहा था। जिससे वृद्धा पेंशन रुकी हुई थी अभी पोर्टल बदल दिया गया है और पेंशन डाली गई है। संभवत अब नियमित पेंशन हितग्राहियों के खातों में वितरण होगी।

वंदना कुशराम
प्रभारी सीईओ जनपद पंचायत
वारासिवनी

कुकर खोलते ही भाप के फटने से २३ वर्षीय युवक झुलसा,जिला अस्पताल रिफर

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी तहसील के अंतर्गत आने वाले ग्राम सेलवटपार में एक दुखद हादसे में २३ वर्षीय युवक कुकर की तेज भाप की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया। सिविल अस्पताल में शुरुआती इलाज के बाद युवक की गंभीर स्थिति को देखते हुए उसे बेहतर उपचार के लिए जिला चिकित्सालय रिफर कर दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार सेलवटपार निवासी युवराज पिता मानिक ठाकरे २३ वर्ष ७ अगस्त की शाम लगभग ६ बजे अपने घर पर माता पिता के साथ मौजूद था। युवराज रसोई घर में गैस चूल्हे पर प्रेशर कुकर में पानी गर्म कर रहा था। पानी के काफी गर्म हो जाने पर उसने बिना सतर्कता बरते अचानक ही कुकर का ढक्कन खोल दिया। ढक्कन खोलते ही कुकर के अंदर निर्मित अत्यधिक दबाव वाली गर्म भाप का फव्वारा सीधे उसके सीने और ऊपरी हिस्से पर आ गिरा। जिससे उसका सीना और आसपास का हिस्सा बुरी तरह झुलस गया। घटना के तुरंत बाद परिजनों ने आनन फानन में स्थानीय स्तर पर आसपास के डॉक्टर को बुलाकर प्राथमिक उपचार कराया। हालांकि पूरे एक दिन तक इलाज चलने के बावजूद जब युवराज को दर्द और जलन से कोई राहत नहीं मिली तो परिजनो उसे अगले दिन शाम ५ बजे वारासिवनी स्थित सिविल अस्पताल लेकर पहुंचे। सिविल अस्पताल में उपस्थित डॉक्टरों ने मरीज की गंभीर स्थिति को देखते हुए तत्काल उसका प्राथमिक उपचार कर भाप से झुलसने के कारण त्वचा पर आए गंभीर जख्मों को ध्यान में रखते हुए बेहतर इलाज के लिए जिला चिकित्सालय बालाघाट रिफर कर दिया है।

मारपीट के चार आरोपियों को ६ माह का सश्रम कारावास

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। वारासिवनी न्यायालय के न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रथम श्रेणी सुश्री नेहा बाथरी के न्यायालय ने वर्ष २०२० के मारपीट व गाली गलौज के एक मामले में फैसला सुनाया है। न्यायालय ने एक ही परिवार के चार अभियुक्तों पीतम खेडिया मसकरे उम्र ५५ वर्ष ,प्रमिला उर्फ रामकला पति पीतम मसकरे उम्र ५० वर्ष,इन्द्रकुमार पिता पीतम मसकरे उम्र २४ वर्ष,जितेन्द्र पिता पीतम मसकरे उम्र ३२ वर्ष को दोषी ठहराते हुए ६-६माह के सश्रम कारावास एवं अर्थदंड की सजा सुनाई है। सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी प्रणव राजनेगी ने बताया की घटना २४ जून २०२० की रात्रि करीब ८ बजे की हैं। प्रार्थियां अपने घर पर टी व्ही देख रही थी तभी घर के बाजू के कमरे से उसके पिता की आवाज आई तो वह बाजू के कमरे में दौड़कर गई। तो पीतम मसकरे लकड़ी के डंडे से, जितेन्द्र मसकरे लकड़ी की पटियां से तथा इन्द्र कुमार मसकरे लकड़ी का डंडा लेकर उसके पिता को मारपीट कर रहे थे। उसी समय रामकला मसकरे आई और हाथ, मुक्को से उसके पिता की मारपीट कर गाली.गलौच करने लगी। पिता को इन्द्रकुमार, जितेन्द्र व पीतम ने सिर, हाथ, पैर व सीने पर मारपीट किये तथा रामकला ने हाथ.मुक्को से मारपीट की। इसी बीच प्रार्थियां की माँ बीच बचाव करने गई तो उसकी माँ को पीतम, जितेन्द्र व इन्द्रकुमार ने लकड़ी डंडे से सिर पर, दोनों हाथ, घुटने व पीठ में मारपीट किये और जितेन्द्र व रामकला ने हाथ.मुक्कों से मारपीट की। चारो अभियुक्तगण प्रार्थियां के पिताजी व माँ को माँ.बहन की गंदी गंदी गालियाँ देकर धमकी दे रहे थे कि दोबारा हमारी जमीन पर कब्जा करने आओगे तो जान से खत्म कर देगें। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस थाना लालबर्रा के द्वारा प्रकरण में आवश्यक विवेचना पूर्ण कर अभियोग पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया था। न्यायालय ने प्रस्तुत साक्ष्य एवं तथ्यों पर विश्वास करते हुए अभियुक्तगण को भादवी की धारा ३२४ सहपठित धारा ३४ दो शीर्ष में के अपराध में ६-६ माह का सश्रम कारावास एवं ५००-५०० रूपये के अर्थदण्ड से दंडित किया गया एवं अर्थदण्ड के व्यतिक्रम में अभियुक्तगण को १५-१५ दिवस का साधारण कारावास पृथक से भुगताया जाने का आदेश पारित किया गया। अभियोजन की ओर से पैरवी सहायक जिला लोक अभियोजन अधिकारी प्रणव राजनेगी द्वारा सहायक निदेशक कपिल कुमार डेहरिया के कुशल मार्गदर्शन में की गई।

सर्पदंश से १२ वर्षीय बालक बीमार उपचार जारी

पद्मेश न्यूज। वारासिवनी। खैरलांजी जनपद पंचायत अंतर्गत आने वाले ग्राम भेंडारा में शनिवार की शाम १२ वर्षीय एक बालक को सांप के काटने पर बिमार हो गया। घटना के तुरंत बाद परिजनों की सजगता से बालक को सिविल अस्पताल वारासिवनी में भर्ती कराया गया है जहाँ उसका उपचार जारी है। प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम भेंडारा निवासी मुन्नालाल कंसरे का १२ वर्षीय पुत्र सयोंग कंसरे शनिवार शाम लगभग ४ बजे अपने घर से बाहर जाने की तैयारी कर रहा था। जैसे ही उसने घर के पास रखी अपनी चप्पल उठाने के लिए हाथ बढ़ाया वहाँ पहले से छिपे एक अज्ञात विषैले सर्प ने उसके हाथ पर डस लिया। सर्पदंश के तुरंत बाद बालक सयोंग ने घटना की जानकारी तुरंत अपने परिजनों को दी। बालक की बात सुनते ही परिजन उसे तत्काल वारासिवनी के सिविल अस्पताल में लाकर भर्ती करवाया जहां उसका उपचार जारी हैं।

पश्चिमी देशों में जनजातीय नरसंहार का समरण दिवस

द सोशल कॉन्ट्रैक्ट्स जीन सेक्स रूसो की वर्ष 1762 में प्रकाशित एक प्रसिद्ध पुस्तक है। इस पुस्तक की प्रथम पंक्ति है - मनुष्य स्वतंत्र पैदा हुआ था, और अब वह हर जगह जंजीरों में जकड़ा हुआ है। यही वह बिंदु है जो पश्चिमी और इस्लामिक चिंतन से हम भारतीयों को अलग-विलग करता है। सनातनी भारतीय समाज सदा-सदा से ऐसी लोकतांत्रिक, अनुशासित व्यवस्था है जो उत्तरोत्तर सुधार, स्वतंत्रता के साथ-साथ साधना की ओर बढ़ती है। ये साधना कई रूपों में हमारे साथ चलती है। ये जड़ता से चेतना की ओर बढ़ती हुई यात्रा होती है। पश्चिमी चिंतन चेतना से जड़ता की ओर बहुतेरे ही जाता रहता है, इसका ज्वलंत उदाहरण राजनैतिक कारणों से उपजाया गया नौ अगस्त का 'विश्व जनजातीय दिवस' है। ये विश्व भर को अपने बॉयस, अपने दृष्टिकोण, अपने छद्म, अपने दुराग्रह से बाँधने का कुत्सित प्रयास है। ये विश्व भर के जनजातीय समाज की आँखों में मिर्च झोंकने का दुष्प्रयास है। विश्व जनजातीय दिवस उत्सव, एक सुंदर मकड़ी का अतिसुन्दर मकड़जाल है। ये आयोजन अपने ही पुरखों के भीषण नरसंहार को भुला दिए जाने के षड्यंत्र है और इस शोक दिवस को गौरव दिवस के रूप में मनाने की दुरभिसंधि (साजिश) भी! इस अन्तरराष्ट्रीय जनजातीय दिवस की गिद्ध दृष्टि में, लगभग दो सौ आदिवासी समूह की चेतना है। उनकी चेतना में समाए उनके पुरखों के जेनोसाइड पर है। पश्चिमी समाज विश्व भर के जनजातीय मानस से उनके नरसंहार को, होलोकास्ट को, मसेकर को, मॉस स्लाटरिंग को, ब्लड बाथ को, एनिहिलेशन को, मॉस मरडरिंग को उनकी स्मृति से लोप या एमनेसिया करा देने का एक फैशनेबल किंतु कुत्सित प्रयास है। ये जनजातीय विमर्श को अजब-गजब तरीके से स्थापित करने की कलाबाजी है। पश्चिम फेक डिस्कोर्सेस को स्थापित करने के छद्मयुद्ध का सदैव से ही कुशल खिलाड़ी रहा है। जनजातीय बंधु जो कि बोलीविया, ब्राज़ील, कोलम्बिया, एक्वाडोर, इंडोनेशिया, पपुआ न्यू गिनी, पेरू, वेनेज़ुएला आदि देशों और साथ ही भारत के दूरस्थ, अंतर्स्थ स्थित वनों में रहते हैं एवं प्रकृति को ही ईश्वर मानकर उसका रक्षण हैं। ये दिवस उनकी स्मृति लोप कराने का दुष्प्रयास है। पूरे विश्व के बाद अब पश्चिमी शक्तियाँ भारत में भी इस वितंडे को स्थापित करने का प्रयास कर रही है। नौ अगस्त, वस्तुतः पश्चिमी साम्राज्यवादियों द्वारा किये गए बड़े, बर्बर नरसंहार का दिन है। इस शोक दिवस को उसी पीड़ित, दमित व संहारित किए गए वनबंधुओं द्वारा गौरव दिवस के रूप में मनवा लेने का षड्यंत्र है यह! वस्तुतः नौ अगस्त का यह दिन अमेरिका, जर्मनी, स्पेन सहित समस्त उन पश्चिमी देशों पर बाहरी आक्रमणकारियों द्वारा पश्चाताप, दु:ख व क्षमाप्रार्थना का दिन होना चाहिए। इस दिन यूरोपियन आक्रमणकारियों को उन देशों के मूल निवासियों से क्षमा मांगनी चाहिए जिन मूलनिवासियों को उन्होंने बर्बरतापूर्वक उनके मूलनिवास से खदेड़ा था या समाप्तप्राय कर दिया था। पश्चिमी बौद्धिक जगत का प्रताप देखिये कि हुआ ठीक इसका उल्टा; उन्होंने इस दिन का स्वरुप, मंतव्य व आशय समूचा ही उलटा कर दिया!

कलयुग का क्रुर सच या बदलता सामाजिक यथार्थ?

मानव सभ्यता का सबसे बड़ा आधार केवल विज्ञान, अर्थव्यवस्था या तकनीक नहीं रहा, बल्कि रिश्तों की आत्मीयता करुणा,सहिष्णुता और पारिवारिक विश्वास रहा है।

वैश्विक स्तरपर आध्यात्मिकता संवेदन शीलता सहिष्णुता पारिवारिक विश्वास और अतिथि देवो भव का गढ़ माने जाने वाले भारत सहित करीब करीब दुनियाँ के हर देश में यह प्रश्न गूंज रहा है, क्या आधुनिक जीवन की तेज रफ्तार ने मनुष्य की संवेदनशीलता को पीछे छोड़ दिया है? क्या आर्थिक सफलता की दौड़ में रिश्तों की ऊष्मा धीरे-धीरे समाप्त होती जा रही है? यह केवल किसी एक परिवार की कहानी नहीं, बल्कि बदलते वैश्विक सामाजिक यथार्थ का दर्पण बनती दिखाई देती है।यह बात आज हम इसलिए कर रहे हैं क्योंकि एक घटना हरियाणा में हुई, 5 अगस्त 2026 को अंतिम संस्कार किए जाने के बाद यह मामला सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ।इसके बाद गुरुवार 6 अगस्त 2026 को शाम देशभर के अनेक मीडिया प्लेटफॉर्म आई खबरों ने पूरे देश को गहरे भावनात्मक मंथन के लिए विवश कर दिया। यह घटना एक ऐसे प्रश्न को अवश्य सामने लाती है,जो केवल भारत का नहीं बल्कि पूरी दुनियाँ का सामाजिक संकट बनता जा रहा है, मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह पूछना चाहता हूं कि क्या आधुनिक विकास, वैश्वीकरण और डिजिटल जीवनशैली ने मनुष्य को आर्थिक रूप से समृद्ध लेकिन भावनात्मक रूप से निर्धन बना दिया है? क्या माता-पिता अब केवल जिम्मेदारी रह गए हैं, संबंध नहीं? क्या संवेदनशीलता की जगह सुविधा ने ले ली है?आज व्यक्ति के पास समय कम और साधन अधिक हैं।वह दुनियाँ के किसी भी कोने में बैठकर अपने माता-पिता से वीडियो कॉल पर बात कर सकता है, लेकिन उनके पास बैठकर कुछ पल बिताने का समय नहीं निकाल पा रहा। तकनीक ने दूरी घटाई है,पर कई मामलों में भावनात्मक निकटता भी कम कर दी है।सोशल मीडिया पर व्यापक रूप से साझा किए गए वीडियो और दावों के अनुसार एक वृद्ध के अंतिम संस्कार के दौरान उनकी संतानों द्वारा जल्दबाजी और भोजन के लिए समय पूछने जैसी बातें कही गईं। इसी प्रकार कुछ अन्य वायरल दावों में अंतिम संस्कार को वीडियो कॉल पर देखने या विदेश एवं महानगरों में रहने वाले बच्चों के समयाभाव का उल्लेख भी सामने आया, इन घटनाओं ने समाज के सामने एक अत्यंत गंभीर प्रश्न खड़ा कर दिया है। मानव सभ्यता का सबसे बड़ा आधार केवल विज्ञान, अर्थव्यवस्था या तकनीक नहीं रहा, बल्कि रिश्तों की आत्मीयता करुणा,सहिष्णुता और पारिवारिक विश्वास रहा है। जब कोई पिता अपने बच्चों के भविष्य के लिए जीवनभर संघर्ष करता है,अपनी इच्छाओं का त्याग करता है और अपनी खुशियों को उनके सपनों में समाहित कर देता है,तब उसके जीवन की अंतिम यात्रा केवल एक धार्मिक संस्कार नहीं होती; वह पूरे परिवार के प्रेम, सम्मान और कृतज्ञता की अंतिम अभिव्यक्ति होती है।यदि वही अंतिम क्षण जल्दबाजी, औपचारिकता या समय-प्रबंधन का विषय बन जाएँ, तो यह केवल एक परिवार की संवेदनहीनता नहीं, बल्कि समाज के नैतिक चरित्र पर प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा होता है। बता दें कि मीडिया में आई घटना किसी स्वतंत्र आधिकारिक जांच या न्यायिक पुष्टि अभी तक सार्वजनिक रूप से उपलब्ध नहीं है। इसलिए इन्हें स्थापित तथ्य के बजाय रिपोर्टेड दावा मानकर ही उद्धृत करना उचित होगा। साथियों, वर्तमान समय में रोजगार,शिक्षा और बेहतर जीवन की तलाश में गांवों, कस्बों और छोटे शहरों से महानगरों तथा विदेशों की ओर प्रवासन तेजी से बढ़ा है। यह परिवर्तन आर्थिक दृष्टि से आवश्यक भी है और विकास का संकेत भी। लाखों युवाओं ने अपने परिवारों के जीवन स्तर को बेहतर बनाया है। किंतु इस विकास का एक मौन और पीड़ादायक पक्ष भी सामने आया है। माता-पिता वृद्धावस्था में अपने ही घरों में अकेले रह जाते हैं। बैंक खाते में नियमित धनराशि पहुँच जाती है, महंगे इलाज की व्यवस्था भी हो जाती है, लेकिन वह हाथ नहीं पहुँच पाता जो उनके कंधे पर स्नेह से रखा जाए। आर्थिक सहयोग जीवन को सुरक्षित बना सकता है, किंतु भावनात्मक उपस्थिति का कोई विकल्प आज तक दुनिया नहीं खोज सकी है।यह संकट केवल भारत तक सीमित नहीं है। जापान में कोडोकुशी अर्थात अकेले मृत्यु हो जाना एक गंभीर सामाजिक चिंता का विषय बन चुका है। यूरोप के अनेक देशों में लाखों बुजुर्ग अकेले रहते हैं।अमेरिका,ब्रिटेन, जर्मनी दक्षिण कोरिया और चीन जैसे देशों में संयुक्त परिवारों की जगह एकल परिवारों ने ले ली है। सरकारें वृद्धजन कल्याण योजनाएँ चला रही हैं, आधुनिक देखभाल केंद्र विकसित किए जा रहे हैं, लेकिन कोई भी सरकारी व्यवस्था परिवार के स्नेह, संतान के स्पर्श और अपनत्व की जगह नहीं ले सकती। यही कारण है कि विकसित देशों में भी अकेलेपन को सार्वजनिक स्वास्थ्य संकट माना जाने लगा है। इससे स्पष्ट होता है कि यह केवल भारतीय समाज की समस्या नहीं, बल्कि आधुनिक वैश्विक सभ्यता के सामने खड़ी एक साझा मानवीय चुनौती है। साथियों, भारतीय संस्कृति ने सदैव माता-पिता को देवतुल्य स्थान दिया है।मातृ देवो भव:, पितृ देवो भव: केवल धार्मिक वाक्य नहीं, बल्कि सामाजिक जीवन का मूल दर्शन रहा है। संयुक्त परिवारों में तीन-तीन पीढियाँ एक साथ रहती थीं। बच्चे अपने दादा-दादी और माता-पिता के बीच जीवन के संस्कार सीखते थे।वृद्ध व्यक्ति परिवार का अनुभव,धैर्य और नैतिक दिशा होते थे। किंतु शहरीकरण,उपभोक्तावाद,व्यक्तिगत स्वतंत्रता की नई अवधारणाएँ और अत्यधिक प्रतिस्पर्धी जीवनशैली ने इस संरचना को बदल दिया है। आज सफलता का मूल्यांकन वेतन, पद, विदेशी नौकरी और भौतिक उपलब्धियों से किया जाता है,जबकि सेवा, त्याग, सहिष्णुता और पारिवारिक उत्तरदायित्व जैसे मूल्य धीरे-धीरे सामाजिक विमर्श से पीछे हटते दिखाई देते हैं। आज की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि तकनीक ने संवाद के साधन तो बढ़ा दिए हैं,परंतु संवाद की आत्मीयता कम कर दी है। वीडियो कॉल, सोशल मीडिया कृत्रिम बुद्धिमत्ता और डिजिटल संचार ने दूरियों को भौगोलिक रूप से समाप्त कर दिया, लेकिन कई बार भावनात्मक दूरी पहले से अधिक बढ़ गई। माता-पिता से प्रतिदिन कुछ मिनट वीडियो कॉल पर बात करना आसान हो गया है, किंतु उनके साथ बैठकर चाय पीने, उनके अनुभव सुनने या उनके अकेलेपन को समझने का समय कम होता जा रहा है। रिश्ते कभी-कभी स्क्रीन तक सीमित होकर रह गए हैं। आधुनिक तकनीक दोषी नहीं है; समस्या तब उत्पन्न होती है जब सुविधा, संवेदना का स्थान लेने लगती है। साथियों, फिर भी इस पूरे विमर्श में संतुलित दृष्टिकोण आवश्यक है। प्रत्येक प्रवासी बेटा या बेटी संवेदनहीन नहीं होता। अनेक युवाओं की परिस्थितियाँ ऐसी होती हैं कि उन्हें अचानक छुट्टी नहीं मिलती, अंतरराष्ट्रीय यात्रा तुरंत संभव नहीं होती या रोजगार की बाध्यताएँ अत्यधिक कठोर होती हैं। कई माता-पिता स्वयं अपने बच्चों को आगे बढ़ने के लिए विदेश भेजते हैं और उनके उज्ज्वल भविष्य पर गर्व करते हैं। इसलिए किसी एक वायरल घटना के आधार पर पूरी पीढ़ी को दोषी ठहराना न्यायसंगत नहीं होगा। प्रश्न किसी व्यक्ति का नहीं, बल्कि उस सामाजिक संरचना का है जिसमें समय, सफलता और प्रतिस्पर्धा ने रिश्तों पर अभूतपूर्व दबाव बना दिया है।समस्या केवल अंतिम संस्कार तक सीमित नहीं है।समाज में संवेदनहीनता के अनेक रूप दिखाई देते हैं। सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की सहायता करने के बजाय उसका वीडियो बनाना, किसी आपदा को मानवीय त्रासदी के बजाय सोशल मीडिया सामग्री के रूप में प्रस्तुत करना,या बुजुर्गों के अकेलेपन को सामान्य मान लेना,ये सभी संकेत बताते हैं कि हमारी सामूहिक संवेदना कहीं न कहीं कमजोर हुई है। सहिष्णुता धैर्य और करुणा किसी भी सभ्य समाज की पहचान होते हैं। यदि ये मूल्य क्षीण होने लगें, तो तकनीकी प्रगति भी समाज को भीतर से सटीकता से मजबूत नहीं बना सकती। साथियों, आज के बुजुर्गों के मन में एक नया भय जन्म ले रहा है। वे सोचते हैं कि यदि उनका बेटा या बेटी हजारों किलोमीटर दूर होगा, यदि अंतिम समय में कोई अपना साथ नहीं होगा, यदि जीवन की अंतिम यात्रा भी डिजिटल माध्यमों से पूरी होगी, तो क्या यही आधुनिकता की अंतिम परिणति है? यह प्रश्न केवल भावुकता नहीं, बल्कि बदलते सामाजिक मनोविज्ञान का संकेत है। वृद्धावस्था में मनुष्य को सबसे अधिक आवश्यकता सम्मान, संवाद और अपनेपन की होती है। दवाइयाँ शरीर को सहारा देती हैं, लेकिन आत्मा को जीवित रखने का कार्य परिवार का स्नेह ही करता है।शिक्षा व्यवस्था भी इस संदर्भ में आत्ममंथन की अपेक्षा करती है। आज विद्यालय और विश्वविद्यालय विद्यार्थियों को उत्कृष्ट पेशेवर बनाने का प्रयास करते हैं, किंतु भावनात्मक बुद्धिमत्ता,नैतिक शिक्षा, पारिवारिकउत्तरदायित्व और बुजुर्गों के सम्मान जैसे विषय अपेक्षित महत्व नहीं पा रहे। यदि आने वाली पीढ़ियाँ केवल तकनीकी रूप से दक्ष होंगी और मानवीय रूप से संवेदनशील नहीं, तो समाज आर्थिक रूप से समृद्ध अवश्य होगा, परंतु नैतिक रूप से कमजोर होता जाएगा। शिक्षा का उद्देश्य केवल रोजगार नहीं, बल्कि जिम्मेदार नागरिक और संवेदनशील मनुष्य तैयार करना भी होना चाहिए। साथियों सरकारों, नियोक्ताओं और समाज की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। कार्यस्थलों पर परिवार-अनुकूल अवकाश नीति, आपातकालीन पारिवारिक परिस्थितियों में विशेष अवकाश,वरिष्ठ नागरिकों के लिए बेहतर सामुदायिक देखभाल मानसिक स्वास्थ्य सहायता, कानूनी सुरक्षा और सामाजिक सहभागिता जैसी व्यवस्थाएँ इस संकट को कम कर सकती हैं। साथ ही, परिवारों को भी संवाद की परंपरा पुनर्जीवित करनी होगी।

अत: अगर हम उपरोक्त पूरे विवरण का अध्ययन कर इसका विश्लेषण करें तो हम पाएंगे कि यह विमर्श केवल बेटों और बेटियों के कर्तव्यों का नहीं,बल्कि पूरी मानव सभ्यता के भविष्य का प्रश्न है। यदि आधुनिकता हमें अधिक शिक्षित,अधिक संपन्न और अधिक सफल बनाती है,तो उसे हमें अधिक मानवीय भी बनाना चाहिएविकास का वास्तविक अर्थ ऊँची इमारतें, विदेशी नौकरियाँ और बढ़ती आय भर नहीं है; विकास का अर्थ ऐसा समाज भी है जहाँ किसी बुजुर्ग को यह भय न हो कि उसकी अंतिम यात्रा में रिश्ते समय की कमी से हार जाएँगे।

-एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानी

ढाका की राजनीति और भारत-बांग्लादेश संबंधों की नई परीक्षा

-ललित गर्ग

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना द्वारा दिसंबर 2026 में स्वदेश लौटने की घोषणा केवल एक राजनीतिक बयान नहीं है, बल्कि यह दक्षिण एशिया की बदलती भू-राजनीति, लोकतांत्रिक मूल्यों और भारत-बांग्लादेश संबंधों की दिशा तय करने वाला एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम बन गया है। जिस समय बांग्लादेश की राजनीति सत्ता परिवर्तन, वैचारिक ध्रुवीकरण और संस्थागत अस्थिरता के दौर से गुजर रही है, उसी समय शेख हसीना ने यह घोषणा कर राजनीतिक विमर्श को एक नए मोड़ पर ला खड़ा किया है। उनका यह कहना कि 'गिरफ्तारी, जेल या मृत्यु का भय भी उन्हें अपने देश लौटने से नहीं रोक सकता', उनके समर्थकों के लिए भावनात्मक आह्वान है तो विरोधियों के लिए एक बड़ी राजनीतिक चुनौती। बांग्लादेश में पिछले वर्ष सत्ता परिवर्तन के बाद जो राजनीतिक वातावरण बना, उसमें लोकतांत्रिक संस्थाओं की निष्पक्षता और राजनीतिक सहिष्णुता पर लगातार प्रश्न उठते रहे हैं। बांग्लादेश में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण द्वारा शेख हसीना के विरुद्ध सुनाया गया फैसला और उसके बाद उनके समर्थकों पर बढ़ती कार्रवाइयों ने यह संकेत दिया कि राजनीतिक प्रतिस्पर्धा धीरे-धीरे प्रतिशोध की राजनीति में बदलती जा रही है। हाल ही में उनकी प्रेस कॉन्फ्रेंस में शामिल रहे पूर्व क्रिकेट कप्तान साकिब अल हसन के घर पर हुआ हमला भी इस बात का संकेत है कि राजनीतिक असहमति अब सामाजिक तनाव का रूप लेने लगी है। दूसरी ओर, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के एक करीबी सहयोगी द्वारा शेख हसीना को 'तुरंत लौटकर सामना करने' की चुनौती देना बताता है कि बांग्लादेश का राजनीतिक वातावरण अभी भी सामान्य नहीं हुआ है। लोकतंत्र में किसी भी राजनीतिक दल या नेता से असहमति स्वाभाविक है, किंतु असहमति का समाधान न्यायपूर्ण राजनीतिक प्रक्रिया और स्वतंत्र संस्थाओं के माध्यम से होना चाहिए। यदि किसी नेता की लोकप्रियता का उत्तर प्रतिबंध, दमन या भय के वातावरण से दिया जाए, तो लोकतंत्र की आत्मा कमजोर होती है। शेख हसीना की वापसी को केवल एक व्यक्ति की वापसी के रूप में नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक प्रतिस्पर्धा की परीक्षा के रूप में देखा जाना चाहिए। यदि अवामी लीग को राजनीतिक प्रक्रिया से बाहर रखने की कोशिश होती है, तो यह बांग्लादेश के लोकतंत्र की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाएगा। वास्तविकता यह भी है कि बांग्लादेश की राजनीति आज केवल अवामी लीग और बांग्लादेश नेशनललिस्ट पार्टी (बीएनपी) के बीच सत्ता संघर्ष तक सीमित नहीं रह गई है। अब यह संघर्ष राष्ट्र की ऐतिहासिक पहचान, 1971 के मुक्ति संग्राम की विरासत और भविष्य की वैचारिक दिशा का भी बन चुका है। अवामी लीग स्वयं को मुक्ति संग्राम की मूल चेतना का प्रतिनिधि बताती है, जबकि बीएनपी भी अब उसी विरासत पर अपना दावा प्रस्तुत कर रही है। इतिहास की इस प्रतिस्पर्धी व्याख्या ने राजनीतिक ध्रुवीकरण को और गहरा किया है। ऐसी परिस्थितियों में शेख हसीना की वापसी केवल राजनीतिक समीकरण नहीं बदलेगी, बल्कि राष्ट्रीय विमर्श की दिशा भी प्रभावित करेगी। इन परिस्थितियों में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। भारत और बांग्लादेश के संबंध केवल दो पड़ोसी देशों के रिश्ते नहीं हैं, बल्कि साझा इतिहास, संस्कृति, भाषा, आर्थिक सहयोग और सामरिक हितों पर आधारित हैं। पिछले डेढ़ दशक में दोनों देशों के संबंधों में अभूतपूर्व निकटता आई, जिसका एक बड़ा आधार शेख हसीना सरकार और नई दिल्ली के बीच बना विश्वास था। सीमा विवादों का समाधान, ऊर्जा सहयोग, संपर्क परियोजनाएं, आतंकवाद के विरुद्ध साझा कार्रवाई तथा पूर्वोत्तर भारत की कनेक्टिविटी जैसे अनेक क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हुई। लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिवर्तन ने इस विश्वास की नई परीक्षा शुरू कर दी है। नई दिल्ली ने एक ओर शेख हसीना को सुरक्षा और आश्रय दिया है, वहीं दूसरी ओर उसने ढाका की नई सरकार से संवाद भी जारी रखा है। यही परिपक्व कूटनीति का परिचायक है। भारत के सामने चुनौती किसी एक राजनीतिक दल के साथ खड़ा दिखाई देने की नहीं, बल्कि पूरे बांग्लादेश के साथ स्थायी और संतुलित संबंध बनाए रखने की है। इसी संदर्भ में नई दिल्ली में आयोजित होने वाला बारहवाँ ब्रिक्स शिखर सम्मेलन अत्यंत महत्वपूर्ण अवसर बन सकता है। यदि बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान इसमें भाग लेते हैं और भारत के शीर्ष नेतृत्व के साथ सकारात्मक संवाद होता है, तो दोनों देशों के बीच हाल के तनावों को कम करने का मार्ग प्रशस्त हो सकता है। यह केवल औपचारिक शिखर बैठक नहीं होगी, बल्कि दोनों देशों के बीच विश्वास बहाली का अवसर भी होगी। भारत को इस मंच का उपयोग केवल आर्थिक सहयोग तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि क्षेत्रीय स्थिरता, लोकतांत्रिक मूल्यों और सुरक्षा सहयोग पर भी स्पष्ट संवाद स्थापित करना चाहिए। भारत के सामने अनेक जटिल प्रश्न भी हैं। गंगा जल संधि के नवीनीकरण, तीस्ता जल बंटवारे, सीमा-पार व्यापार, अवैध घुसपैठ, सीमा सुरक्षा तथा शेख हसीना के प्रत्यर्पण जैसे मुद्दे आने वाले समय में द्विपक्षीय संबंधों की दिशा तय करेंगे। इनमें किसी भी विषय पर भावनात्मक या राजनीतिक प्रतिक्रिया के बजाय कानूनी, कूटनीतिक और व्यावहारिक दृष्टिकोण अपनाना आवश्यक होगा। विशेष रूप से प्रत्यर्पण का प्रश्न केवल कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय कानून और राजनीतिक परिस्थितियों से भी जुड़ा हुआ है। भारत को अपनी संधियों, न्यायिक प्रक्रियाओं और रणनीतिक हितों के बीच संतुलन बनाकर आगे बढ़ना होगा। दूसरी ओर बांग्लादेश में चीन का बढ़ता प्रभाव भी नई दिल्ली के लिए चिंता का विषय है। वर्तमान सरकार के शुरुआती महीनों में चीन के साथ बढ़ते संपर्क और सामरिक महत्व की परियोजनाओं पर समझौते इस बात का संकेत हैं कि ढाका अपनी विदेश नीति में संतुलन साधने का प्रयास कर रहा है। भारत के लिए आवश्यक है कि वह प्रतिस्पर्धा की मानसिकता के बजाय विश्वास और विकास की साझेदारी को प्राथमिकता दे। यदि भारत आर्थिक सहयोग, निवेश, आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य और तकनीकी साझेदारी के नए अवसर विकसित करता है, तो दोनों देशों के संबंध और अधिक मजबूत हो सकते हैं। शेख हसीना की वापसी का प्रश्न अंततः बांग्लादेश के लोकतांत्रिक चरित्र की परीक्षा है। यदि उन्हें निष्पक्ष राजनीतिक अवसर मिलता है, तो जनता स्वयं तय करेगी कि भविष्य का नेतृत्व किसे सौंपना है। लेकिन यदि राजनीतिक प्रतिशोध, दमन और हिंसा का वातावरण बना रहता है, तो इससे न केवल बांग्लादेश की लोकतांत्रिक साख प्रभावित होगी, बल्कि पूरे दक्षिण एशिया की स्थिरता पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेंगा। भारत को इस पूरे घटनाक्रम में संयम, संतुलन और दूरदृष्टि के साथ आगे बढ़ना होगा। न तो उसे किसी आंतरिक राजनीतिक विवाद का पक्षकार बनना चाहिए और न ही लोकतांत्रिक मूल्यों की उपेक्षा करनी चाहिए। भारत की विदेश नीति का मूल उद्देश्य एक स्थिर, शांतिपूर्ण, लोकतांत्रिक और समृद्ध पड़ोस होना चाहिए। यही उसकी सुरक्षा, आर्थिक प्रगति और क्षेत्रीय नेतृत्व के लिए सबसे अनुकूल स्थिति होगी। आज आवश्यकता किसी राजनीतिक विजय की नहीं, बल्कि राजनीतिक परिपक्वता की है। बांग्लादेश को यह सिद्ध करना होगा कि लोकतंत्र केवल चुनाव का नाम नहीं, बल्कि विपक्ष के सम्मान, न्यायपालिका की स्वतंत्रता, अभिव्यक्ति की आजादी और राजनीतिक सहिष्णुता का भी नाम है। वहीं भारत को यह दिखाना होगा कि वह पड़ोसी देशों के साथ संबंधों को व्यक्तियों के बजाय संस्थागत विश्वास, पारस्परिक सम्मान और साझा हितों के आधार पर आगे बढ़ाने में सक्षम है। दिसंबर 2026 में यदि शेख हसीना वास्तव में बांग्लादेश लौटती हैं, तो वह केवल एक नेता की वापसी नहीं होगी, वह बांग्लादेश के लोकतंत्र, भारत की कूटनीतिक परिपक्वता और दक्षिण एशिया की राजनीतिक स्थिरता की एक साथ परीक्षा होगी।

आदिवासी संस्कृति भारत की आत्मा है, विकास की दौड़ में पीछे नहीं छूटना चाहिए यह अमूल्य धरोहर

भारत की पहचान केवल उसके महानगरों, आधुनिक तकनीक, विशाल अर्थव्यवस्था और तेजी से बदलते जीवन से नहीं बनती, बल्कि उन करोड़ों लोगों की परंपराओं, भाषाओं, लोककथाओं, प्रकृति से रिश्ते और सामुदायिक जीवन से भी बनती है, जिन्होंने सदियों से इस भूमि की संस्कृति को समृद्ध किया है। आदिवासी समाज इसी सांस्कृतिक विरासत का अत्यंत महत्वपूर्ण हिस्सा है। हर वर्ष 9 अगस्त को मनाया जाने वाला विश्व आदिवासी दिवस हमें केवल आदिवासी समुदाय के अधिकारों की याद नहीं दिलाता, बल्कि यह भी सोचने का अवसर देता है कि देश के विकास में आदिवासी समाज की भागीदारी कितनी है और विकास की मुख्यधारा में उसे उसका उचित स्थान मिल पा रहा है या नहीं। संयुक्त राष्ट्र महासभा ने दिसंबर 1994 में 9 अगस्त को विश्व के आदिवासी लोगों का अंतर्राष्ट्रीय दिवस घोषित किया था। यह तारीख इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि 9 अगस्त 1982 को संयुक्त राष्ट्र में आदिवासी आबादी से संबंधित कार्य समूह की पहली बैठक हुई थी। इस दिवस का मूल उद्देश्य आदिवासी लोगों के अधिकारों, उनकी सामाजिक और आर्थिक स्थिति, उनकी संस्कृति तथा उनकी विशिष्ट पहचान के संरक्षण के प्रति दुनिया का ध्यान आकर्षित करना है। भारत में भी यह दिन अनेक स्थानों पर रैलियों, सांस्कृतिक कार्यक्रमों, लोकनृत्यों, सभाओं और सामाजिक जागरूकता अभियानों के माध्यम से मनाया जाता है। आदिवासी शब्द अपने भीतर ही एक गहरा अर्थ रखता है। 'आदि' और 'वासी' से मिलकर बना यह शब्द मूल निवास और प्राचीन जुड़ाव की भावना को व्यक्त करता है। भारतीय संविधान में 'अनुसूचित जनजाति' शब्द का प्रयोग किया गया है। देश में सैकड़ों जनजातीय समूह और उपसमूह हैं, जिनकी अपनी भाषाएं, बोलियां, वेशभूषा, लोकगीत, लोकनृत्य, रीति-रिवाज और जीवन पद्धतियां हैं। भील, गोंड, संथाल, मुंडा, मीणा, उरांव, हो, खासी, नागा, बोडो और अनेक अन्य समुदाय भारत की विविधता को अपनी विशिष्ट पहचान प्रदान करते हैं। भारतीय संस्कृति में आदिवासी समाज का योगदान केवल लोकनृत्य और पारंपरिक उत्सवों तक सीमित नहीं है। आदिवासी जीवन प्रकृति के साथ सह-अस्तित्व का संदेश देता है। जल, जंगल और जमीन उनके लिए केवल आर्थिक संसाधन नहीं हैं, बल्कि जीवन, संस्कृति और अस्तित्व का आधार हैं। पेड़-पौधों, नदियों, पहाड़ों, पशु-पक्षियों और धरती के प्रति सम्मान की भावना उनकी परंपराओं में गहराई से दिखाई देती है। आधुनिक दुनिया आज पर्यावरण संरक्षण, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता की रक्षा की बात कर रही है, जबकि अनेक आदिवासी समुदाय लंबे समय से प्रकृति के साथ संतुलित जीवन जीने की परंपरा को आगे बढ़ाते आए हैं। आदिवासी समाज की देशज ज्ञान परंपरा भी भारत की अमूल्य धरोहर है। औषधीय पौधों की पहचान, मौसम के बदलाव को समझना, जंगलों की प्रकृति को जानना, जल संरक्षण के पारंपरिक तरीके, खेती की स्थानीय पद्धतियां और प्राकृतिक आपदाओं के संकेतों को समझने जैसी अनेक विधाएं पीढ़ी-दर-पीढ़ी मौखिक परंपरा से आगे बढ़ी हैं। यह ज्ञान किसी विश्वविद्यालय की किताब में पैदा नहीं हुआ, बल्कि प्रकृति के साथ लंबे अनुभव से विकसित हुआ है। यही कारण है कि आदिवासी समाज के पारंपरिक ज्ञान का संरक्षण आज पूरे देश के लिए महत्वपूर्ण हो गया है। आदिवासी समाज की सामुदायिक भावना भी भारतीय संस्कृति को एक विशेष संदेश देती है। संकट के समय एक-दूसरे की सहायता करना, सामूहिक श्रम करना और गांव के हित को व्यक्तिगत हित से ऊपर रखना उनकी जीवन पद्धति का हिस्सा रहा है। 'हलमा' जैसी परंपराएं इसका उदाहरण हैं, जिसमें किसी व्यक्ति या परिवार की कठिनाई को पूरे समुदाय की जिम्मेदारी मानकर सामूहिक रूप से सहायता की जाती है। आधुनिक समाज में जब व्यक्ति अपने तक सीमित होता जा रहा है, तब ऐसी परंपराएं सामाजिक एकता और सहयोग का महत्वपूर्ण संदेश देती हैं। लेकिन इस गौरवपूर्ण सांस्कृतिक विरासत के साथ एक बड़ा सवाल भी जुड़ा हुआ है। क्या आदिवासी समाज को आज वे मूलभूत सुविधाएं मिल रही हैं जिनका अधिकार देश के प्रत्येक नागरिक को है? शिक्षा, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली, स्वच्छ पेयजल, इंटरनेट, रोजगार और बेहतर आवास जैसी सुविधाओं के मामले में अनेक आदिवासी क्षेत्रों ने निश्चित रूप से प्रगति की है, लेकिन कई दूरदराज और वनवासी इलाकों में अभी भी सुविधाओं की कमी चिंता का विषय बनी हुई है। दुर्गम भौगोलिक परिस्थितियां, गरीबी, शिक्षा की कमी, स्वास्थ्य सेवाओं की दूरी और रोजगार के सीमित अवसर आज भी अनेक परिवारों के सामने चुनौती हैं। विकास का अर्थ केवल सड़क या भवन बनाना नहीं होना चाहिए। विकास तब सार्थक होगा जब वह स्थानीय समाज की जरूरतों, संस्कृति और परंपराओं को समझकर किया जाए। आदिवासी क्षेत्रों में योजनाएं बनाते समय वहां रहने वाले लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करना आवश्यक है। जिस समाज ने सदियों तक जंगल और प्राकृतिक संसाधनों को समझकर जीवन चलाया है, उसकी राय को विकास योजनाओं में महत्व मिलना चाहिए। किसी गांव में स्कूल बना देना पर्याप्त नहीं है, यदि वहां शिक्षक नियमित रूप से नहीं पहुंचते। अस्पताल बना देना पर्याप्त नहीं है, यदि उसमें चिकित्सक, दवाइयां और आवश्यक जांच सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं। सड़क बनाना जरूरी है, लेकिन उसके साथ सुरक्षित परिवहन और बाजार तक पहुंच भी उतनी ही जरूरी है। सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न शिक्षा का है। आदिवासी बच्चों को ऐसी शिक्षा मिलनी चाहिए जो उन्हें आधुनिक ज्ञान से जोड़ने के साथ उनकी मातृभाषा और सांस्कृतिक पहचान से भी दूर न करे। प्रारंभिक शिक्षा यदि स्थानीय भाषा में उपलब्ध हो और उसके बाद धीरे-धीरे अन्य भाषाओं का ज्ञान दिया जाए तो बच्चों के सीखने की प्रक्रिया अधिक प्रभावी हो सकती है। इसी प्रकार आदिवासी युवाओं के लिए कौशल विकास, उच्च शिक्षा और रोजगार के अवसर बढ़ाना आवश्यक है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में भी विशेष ध्यान देने की जरूरत है। अनेक आदिवासी बस्तियां आज भी ऐसे क्षेत्रों में स्थित हैं जहां अस्पताल तक पहुंचना कठिन है। गर्भवती महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों के लिए समय पर स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना सरकार की प्राथमिकता होनी चाहिए। मोबाइल चिकित्सा सेवाएं, स्थानीय स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का प्रशिक्षण और दूरस्थ क्षेत्रों में बेहतर चिकित्सा ढांचा इस दिशा में उपयोगी कदम हो सकते हैं। आदिवासी समाज की सबसे बड़ी चुनौती यह भी है कि विकास के नाम पर उसकी जमीन, जंगल और सांस्कृतिक परिवेश प्रभावित न हो। विस्थापन केवल घर छूटने का नाम नहीं है। जब कोई परिवार अपने पारंपरिक क्षेत्र से दूर होता है तो उसके साथ उसकी सामाजिक संरचना, आजीविका, भाषा, लोकज्ञान और सांस्कृतिक स्मृतियां भी प्रभावित होती हैं। इसलिए किसी भी विकास परियोजना में स्थानीय लोगों के अधिकारों, आजीविका और पुनर्वास को सर्वोच्च महत्व दिया जाना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र ने 13 सितंबर 2007 को आदिवासी लोगों के अधिकारों से संबंधित घोषणा को अंगीकृत किया था। इसका मूल संदेश समानता, गरिमा, संस्कृति और अधिकारों के सम्मान का है। भारत ने भी इस घोषणा के पक्ष में मतदान किया था। भारतीय संविधान ने अनुसूचित जनजातियों के लिए विशेष संवैधानिक प्रावधान किए हैं। पांचवीं और छठी अनुसूची सहित अनेक व्यवस्थाओं का उद्देश्य जनजातीय क्षेत्रों और समुदायों के हितों की रक्षा करना है। आवश्यकता इस बात की है कि इन संवैधानिक भावनाओं और कानूनी प्रावधानों का प्रभाव जमीन पर भी दिखाई दे। विश्व आदिवासी दिवस केवल उत्सव का अवसर न बने। इस दिन होने वाली रैलियां और सांस्कृतिक कार्यक्रम महत्वपूर्ण हैं, लेकिन उससे भी अधिक जरूरी है कि समाज और सरकारें आदिवासी समुदाय की वास्तविक समस्याओं पर गंभीरता से विचार करें। जिस राज्य के किसी आदिवासी क्षेत्र में आज भी पेयजल, विद्यालय, स्वास्थ्य केंद्र, बिजली, सड़क या इंटरनेट जैसी मूलभूत सुविधा पर्याप्त नहीं है, वहां संबंधित सरकार को विशेष अभियान चलाकर उस कमी को दूर करना चाहिए। किसी भी राज्य के दूरस्थ आदिवासी क्षेत्र को विकास के नक्शे पर केवल आंकड़ा बनाकर नहीं छोड़ा जा सकता। आदिवासी समाज भारत की सांस्कृतिक धरोहर है। उसकी भाषा में इतिहास है, उसके लोकगीतों में स्मृतियां हैं, उसके नृत्यों में जीवन की लय है, उसकी परंपराओं में प्रकृति के प्रति सम्मान है और उसके सामुदायिक जीवन में सहयोग की भावना है। आधुनिक भारत को इन परंपराओं को पिछड़ेपन का प्रतीक समझने के बजाय ज्ञान और अनुभव की संपदा के रूप में देखना चाहिए। आज विश्व जब पर्यावरण संकट, जल संकट और सामाजिक अलगाव जैसी समस्याओं से जूझ रहा है, तब आदिवासी जीवन पद्धति से बहुत कुछ सीखा जा सकता है।

जरूरत इस बात की है कि आदिवासी समाज को विकास का लाभ मिले, लेकिन विकास के नाम पर उसकी पहचान और संस्कृति समाप्त न हो। सड़कें बनें, स्कूल बनें, अस्पताल बनें, रोजगार आएं और आधुनिक सुविधाएं गांव-गांव पहुंचें, लेकिन साथ ही जंगल, जमीन, भाषा, परंपरा और सामुदायिक जीवन की रक्षा भी हो। विश्व आदिवासी दिवस का सच्चा संदेश यही है कि आदिवासियों को विकास की दौड़ में पीछे छोड़कर भारत विकसित राष्ट्र नहीं बन सकता। जिस समाज ने सदियों से प्रकृति, संस्कृति और सामुदायिक जीवन की रक्षा की है, उसे सम्मान, अधिकार और समान अवसर देना पूरे राष्ट्र की जिम्मेदारी है। सरकारों से आग्रह है कि जिन आदिवासी क्षेत्रों में आज भी मूलभूत सुविधाओं की कमी है, वहां विशेष प्राथमिकता के साथ विकास कार्य किए जाएं और यह सुनिश्चित किया जाए कि कोई आदिवासी बच्चा शिक्षा से, कोई परिवार स्वास्थ्य सुविधा से और कोई गांव स्वच्छ पानी व सड़क से वंचित न रहे।

-कांतिलाल मांडोत

इंदौर बाजार भाव

इंदौर। एजेंसी। ताजा पूछपरख से शनिवार को अनाज मंडी में मूंग बाजार सुर्खी पर रहे। चना बना रहा। खाद्य तेलों में सुस्ती रही। तिलहनों में सोयाबीन बाजार बने रहे। किराना जिंसों में व्यापार अच्छा रहा। व्यापारिक सूत्रों के अनुसार मूंग में ताजा पूछपरख से भावों में तेजी आयी। चना 6600-6650 रू. प्रति क्विंटल पर बना रहा। खाद्य तेलों में उठाव की सुस्तता से भावों में नरमी रही। तिलहनों में सोयाबीन 7000 रू. प्रति क्विंटल पर बने रहे। उधर, किराना जिंसों में व्यापार अच्छा रहा। सूखे मेवों में सुर्खी रही। भाव इस प्रकार रहे-

किराना- शक्कर 5000-5060, खोपरा गोला 375-410, खोपरा बूरा 3200-6800 (15 कि.ग्रा.), जीरा राजस्थान 280-285, ऊंझा हल्का 290-295, बेस्ट 315-325, हल्दी निजामाबाद 210-230, सांगली 275-280, साबूदाना हल्का 5200-5350, मीडियम 5450-5600, बेस्ट 6000-6100, सच्चा मोती 5700, मोरधन 7200-8200, सौंफ मोटी 275-350, बेस्ट 350-400, सौंफ बारिक 180-300, एक्स्ट्रा बोल्ड 350-400, राई दाल 90-95, सरसो दाल 85-95, कालीमिर्च एटम 750-755, मीनी मटरदाना 770-800, मटरदाना 825-850, खसखस अनक्लीन 1150-1250, क्लीन 1300-1350, दालचीनी 250-260, जायफल 725-750, वाद्यान फूल 405-600, शाहजीरा 350-400, तेजपान 90-100, पत्थर फूल 235-425, जावत्री 1675-1750, केसर 200-250, नाग केसर 925-975, सौंठ 325-500, धोली मूसली 1400-1600, लौंग 700-720, बेस्ट 760-790, हींग (वनदेवी 751) 3450, पाउच 10 ग्राम 3550, सिंघाडा छोटा 100-120, बड़ा 120-130, सिंदूर (25 कि.ग्रा. पैकिंग) 7300, देशी कपूर 850-860, बेस्ट 875-900, पूजा बादाम 115-125, बेस्ट 220-230, पूजा सुपारी 425-450, अरीठा 180-200, हरी इलायची एवरेज 2700-2800, मीडि?यम 2900-3050, बेस्ट 3150-3250, एक्ट्रा बेस्ट 3300-3500, पानबार 2450, बड़ी इलायची 1800-2100, तरबूज मगज 500-525, काजू (240) 925-950, काजू (210) 950-1000, काजू डब्ल्यू (340) 850-870, काजू एस.डब्ल्यू (300) 850-900, काजू जे.एच. 840-870, टुकड़ी 780-820, बादाम मगज 1050-1075, सिंगापुरी 975-1075, बादाम टांच 700-725, अखरोट 590-850, अखरोट गिरी 1250-1550, जर्दालु 375-500, बेस्ट 550-650, किशमिश कंधारी 450-600, इंडियन 400-450, चारौली 1450-1750, मुनक्का 350-550, अंजीर 850-950, मखाना 900-1175, बेस्ट 1350-1400, खारक एवरेज 75-80, मीडियम 90-130, बेस्ट 140-260, पिस्ता पिशोरी 2900-3100, कंधारी 2500-2700, नमकीन पिस्ता 1000-1150, बेस्ट 1200-1250, गेहूँ आटा 1820, मैदा कट्टा 1850, रवा कट्टा 1880, बेसन 4675 (50 कि.ग्रा.), नारियल (120) 3300, (160) 3800, (200) 4400, (250) 5000,

तेल- सींगदाना 1710-1720, मुम्बई 1730, राजकोट तेलिया 2670, सोया साल्वेंट 1400-1410, सोया रिफाइंड 1495, कपास्या 1610, धूलिया 1600, कड़ी 1600,

रात की धारणा- गुजरात लुज 1675, मुम्बई पाम 1490, मुम्बई सोया 1495,

खली- कपस्या खली (60 कि.ग्रा.) इन्दौर 2690, देवास-उज्जैन 2690, खंडवा-बुरहानपुर 2660, अकोला 3950 (प्रति क्विंटल)

तिलहन- सरसो 8100-8300, रायडा 7100-7300, सोयाबीन 7000, टोली (महुआ बीज) 5300-5400, करंज 4400-4500, अलसी 8500-9000, अरंडी 4500-4700, तिल्ली पुरानी 6500-7000, तिल्ली नई 7200-7500,

दलहन- चना कांटेवाला बेस्ट 6600-6650, एवरेज 6200-6300, विशाल 6350-6400, महाराष्ट्र विशाल 5900-5950, काबूली चना डॉलर 7000-8300, काबूली चना रशियन 5600-5800, बिटकी 5200-5300, मसूर बेस्ट 6000, एवरेज 5800-5900, मूंग गर्मी बेस्ट नया 7000-7300, मूंग पुराना बोल्ड 7400-7600, मीडियम 7300-7400, तुअर निमाड़ी बेस्ट 7200-7400, एवरेज 6500-6600, हल्की 6400-6500, महाराष्ट्र सफेद 7400-7500, महाराष्ट्र लाल 7700-7900, उड़द बेस्ट 9300-9500, उड़द गर्मी 8600-9300, ग्रेविटी क्लीन 9700-10000, हल्की 5000-7000,

दाल- चना दाल एवरेज 7400-7500, मीडियम 7600-7700, बोल्ड 7900-8100, तुअर दाल सवा नं. 8200-8400, तुअर दाल 7300-7600, तुअर दाल मीडियम 8500-8800, बेस्ट 9900-10200, मसूर दाल 6800-7100, मूंग दाल 8700-8900, मूंग मोगर 10100-10600, उड़द दाल 9900-10300, मोगर 10800-11000,

अनाज- गेहूं मिल क्वालिटी 2500-2550, लोकवन एवरेज 2550-2650, बेस्ट 2750-2800, मालवराज 2600-2650, गेहूँ पूर्णा एवरेज 2400-2550, बेस्ट 2650-2750, मक्का पीली 1975-2000,

चावल- चावल हंसा सफेद 2900-3100, सेला 3500-3700, परमल 3400-3500, दुबराज 4500-5500, राजभोग 7500, काली मुंछ डिनर किंग 9000, बासमती दुबार 9500-10000, मीनी दुबार 8000-8500, मोगरा 5000-7000, तिबार 10500-11500, बासमती (921) 12000-13000, बासमती सेला 7500-9500, पोहा 4500-5100,

मावा- इन्दौर 340, उज्जैन 280, रतलाम 275 रू. प्रति किलो।

इंदौर सर्राफा बाज़ार

इन्दौर। एजेंसी। शनिवार को स्थानीय सराफा बाजार में व्यापार की मात्रा कम ही रही। चाँदी में बाजार सुस्ती के रहे, जबकि सोने में आंशिक तेजी रही। भाव इस प्रकार रहे-

चाँदी (9999) 229000, चाँदी (99) 228800, टंच 228200, सिक्का 2600, सोना 10 ग्राम 146700,

पेट्रोल-डीजल की कीमतों में नहीं हुआ कोई बदलाव

नई दिल्ली। एजेंसी। देशभर में बढ़ती महंगाई से आम आदमी की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। खाने-पीने की जरूरी चीजों के साथ-साथ पेट्रोल और डीजल की ऊंची कीमतें लोगों की जेब पर भारी पड़ रही हैं। हालांकि 8 अगस्त को भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों ने ईंधन की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया है, जिससे फिलहाल दाम स्थिर बने हुए हैं। सब्जियां, दालें, तेल और अनाज जैसी बुनियादी खाद्य वस्तुओं के दाम आसमान छू रहे हैं। मई के महीने में, 2022 के बाद पहली बार, ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 7.5 रुपये प्रति लीटर तक का इजाफा किया था, जिसके बाद से दाम अपरिवर्तित बने हुए हैं। कंपनियों को ईरान-अमेरिका-इजरायल युद्ध के दौरान कच्चे तेल के 100 डॉलर प्रति बैरल पार जाने के बावजूद कीमतें न बढ़ाने पर बड़ा नुकसान उठाना पड़ा था।

सप्ताहभर उतार-चढ़ाव भरी रही घरेलू शेयर बाजार की चाल

मुंबई। एजेंसी। बीते सप्ताह भारतीय शेयर बाजार में निवेशकों को मजबूत उतार-चढ़ाव का सामना करना पड़ा। सोमवार को भू-राजनीतिक तनाव में कमी और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से बाजार ने जबरदस्त उछाल के साथ शुरुआत की, सेंसेक्स 79 हजार के करीब पहुंच गया। हालांकि, सप्ताह के बाकी दिनों में नए ट्रेडिंग सिस्टम, कच्चे तेल की बढ़ती कीमतें और ईरान से जुड़े भू-राजनीतिक घटनाक्रमों ने बाजार की चाल को अस्थिर बनाए रखा, जिसके परिणामस्वरूप सप्ताह का अंत गिरावट के साथ हुआ। सप्ताह की शुरुआत भारतीय शेयर बाजार के लिए बेहद मजबूत रही। सोमवार को अमेरिका-ईरान तनाव कम होने के संकेतों और कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट से निवेशकों का भरोसा बढ़ा। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 788 अंक से अधिक चढ़कर 78,883.34 पर और निफ्टी 189 अंक की बढ़त के साथ 24,572.70 पर पहुंच गया।

दिनभर की तेजी के बाद सेंसेक्स 544.39 अंक बढ़कर 78,639.03 और निफ्टी 390.70 अंक चढ़कर 24,774.30 पर बंद हुआ। मंगलवार को वायदा एवं विकल्प (एफएंडओ) के लिए नई क्लोजिंग ऑक्शन व्यवस्था लागू होने के बाद बाजार में मिला-जुला रुख देखने को मिला। शुरुआती बढ़त के बावजूद, भू-राजनीतिक तनाव की अनिश्चितता और नए सिस्टम के कारण अस्थिरता हावी रही। सेंसेक्स 210.08 अंक गिरकर 78,428.95 पर और निफ्टी 159.40 अंक फिसलकर 24,614.90 पर बंद हुआ। बुधवार और गुरुवार को बाजार ने फिर से सकारात्मक गति पकड़ी। वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने और कच्चे तेल की कीमतों में हल्की गिरावट ने बाजार को सहारा दिया। बुधवार को सेंसेक्स 152 अंक बढ़कर बंद हुआ, वहीं गुरुवार को भी बाजार हरे निशान में बंद हुआ, जिसमें रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसे शेयरों में खरीदारी का अहम योगदान रहा। हालांकि सप्ताह का अंत निराशाजनक रहा। शुक्रवार को कच्चे तेल के दाम बढ़ने और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान के एक प्रस्ताव से नई चिंताएं बढ़ीं।

ई20 पेट्रोल में गड़बड़ी से तेल कंपनियों का इनकार

मुंबई। एजेंसी। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) ने ई20 पेट्रोल में नमी या क्लोराइड सम्मिश्रण की चिंताओं को खारिज कर दिया। व्यापक जांच के बाद कंपनियों ने स्पष्ट किया कि ईंधन निर्धारित गुणवत्ता मानकों के भीतर है और उपभोक्ताओं को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। तेल कंपनियों ने साझा बयान में कहा कि हालिया मीडिया रिपोर्टों के बाद पूरे आपूर्ति तंत्र में गहन परीक्षण चलाया गया। जांच में कहीं भी ईंधन के दूषित होने का प्रमाण नहीं मिला और सभी नमूने गुणवत्ता मानकों के अनुरूप पाए गए। कंपनियों ने जोर दिया कि ईंधन गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता है और सरकार ने इथेनॉल में क्लोराइड हेतु कड़े मानक तय किए हैं, जिनकी पूरी आपूर्ति श्रंखला में निगरानी होती है। उनके अनुसार, भारत की रिफाइनिंग और ईंधन वितरण प्रणाली में लागू गुणवत्ता नियंत्रण उपाय प्रभावी ढंग से काम कर रहे हैं। इसी बीच रक्षा संबंधी संसदीय स्थायी समिति ने भी शुक्रवार को अपनी रिपोर्ट पेश की। समिति ने डीआरडीओ को लागत दक्षता, तकनीकी परिपक्वता और परिचालन प्रभावशीलता जैसे स्पष्ट प्रदर्शन संकेतक शीघ्रता से अंतिम रूप देने की सिफारिश की। समिति ने महिला कर्मचारियों को समान अवसर और शिकायत निवारण तंत्र की सराहना करते हुए, इसे मजबूत करने और पाक्सो एक्ट के तहत शिकायतों हेतु एसओपी का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करने का सुझाव दिया।

वित्तीय क्षेत्र में एआई को अपनाने के साथ सुरक्षा पर भी ध्यान ज़रूरी-सीईए

नई दिल्ली। एजेंसी। मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी. अनंत नागेश्वरन ने वित्तीय क्षेत्र में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) की सुरक्षा और संरक्षा के प्रति भारत को सक्रिय रहने की जरूरत पर बल दिया है। एसोचैम के इंडिया इंटरनैशनल फिनटेक फेस्टिवल में बोलते हुए उन्होंने आगाह किया कि कंपनियां जिस तेजी से एआई को अपना रही हैं, उसके मद्देनजर जोखिम सामने आने के बाद प्रतिक्रिया देने का समय नहीं मिलेगा। नागेश्वरन ने स्वीकार किया कि एआई फिनटेक उद्योग में एक बड़ा सुधार ला सकता है। यह कंपनियों को साख का अधिक सटीकता से आकलन करने और शुरुआती चरण में ही

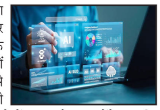

वित्तीय जोखिमों व दबाव की पहचान करने में मदद करेगा। उन्होंने कहा कि विशेष रूप से फिनटेक के संदर्भ में, एआई निश्चित तौर पर उद्योग की तमाम कंपनियों की मदद करने जा रहा है। यह साख का बेहतर विश्लेषण करेगा, जोखिमों और दबाव को बहुत पहले ही उजागर कर देगा। हालांकि, सीईए ने एआई एजेंटों द्वारा स्वायत्त रूप से कार्य करने की बढ़ती घटनाओं पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने मेटा के एक एआई मॉडल द्वारा साइबर सुरक्षा परीक्षण के दौरान दूसरी कंपनी को हैक करने, और ओपनएआई व एंथ्रोपिक के एआई मॉडल द्वारा परीक्षण में अनजाने में सिस्टम में सेंध लगाने के उदाहरण दिए। उन्होंने चेतावनी दी कि उत्पादक क्षमता के साथ-साथ सुरक्षा पर भी ध्यान केंद्रित करना आवश्यक है। नागेश्वरन ने इस बात पर जोर दिया कि हम आम तौर पर तभी जोखिमों पर ध्यान देते हैं जब वे वास्तव में सामने आते हैं, मगर वित्तीय क्षेत्र इतना इंतजार नहीं कर सकता। उन्होंने कहा कि जोखिमों के सामने आने के बाद प्रतिक्रिया देने का इंतजार करने के बजाय उन पर पहले से ही सक्रिय ध्यान केंद्रित करना अनिवार्य है।

मेष- आज का दिन नई उम्मीदों और सुनहरे अवसरों की सौगात लेकर आया है। आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं और धन लाभ के अच्छे योग बन रहे हैं, लेकिन बढ़ते खर्चों पर भी नजर रखना जरूरी होगा। सोच-समझकर किया गया बजट आपको भविष्य में बड़ी राहत देगा। परिवार के साथ धार्मिक या मांगलिक कार्यक्रमों में शामिल होने का अवसर मिल सकता है, जिससे मन को सुकून मिलेगा।

वृषभ- आज किस्मत आपके कदमों से कदम मिलाकर चलती नजर आएगी। आर्थिक मामलों में अच्छी प्रगति होगी और आपकी मेहनत का पूरा लाभ मिलने की संभावना है। माता-पिता का आशीर्वाद किसी रुके हुए कार्य को पूरा कराने में मदद करेगा। यात्रा या किसी मुलाकात के दौरान ऐसी जानकारी मिल सकती है जो आने वाले समय में आपके लिए बेहद फायदेमंद साबित होगी। धन और सम्मान दोनों में वृद्धि होगी।

मिथुन- आज राहत और सुकून का एहसास होगा। लंबे समय से चली आ रही परेशानियां धीरे-धीरे खत्म होती दिखाई देंगी। आपकी बुद्धिमानी और चतुराई कई मुश्किल कामों को आसान बना देगी। जीवनसाथी के साथ रिश्तों में प्यार और अपनापन बढ़ेगा, जिससे घर का माहौल खुशहाल रहेगा। कहीं घूमने-फिरने की योजना भी बन सकती है। अपने शौक पूरे करने और खुद पर खर्च करने का मन बनेगा।

कर्क- आज अचानक मिलने वाला कोई लाभ आपका दिन खास बना सकता है। लंबे समय से रुका हुआ कार्य पूरा होने की दिशा में तेज़ी आएगी। हालांकि दूसरों के मामलों में जरूरत से ज्यादा दखल देने से बचें, वरना बेवजह विवाद खड़ा हो सकता है। सरकारी कामों में थोड़ा धैर्य रखना होगा। प्रॉपर्टी से जुड़े मामलों में सोच-समझकर कदम बढ़ाएं। मां के स्वास्थ्य पर विशेष ध्यान दें और उनके साथ समय बिताने की कोशिश करें।

सिंह- आज आपकी मधुर वाणी और सकारात्मक व्यवहार लोगों का दिल जीत लेगा। नए लोगों से मुलाकात भविष्य में बड़े अवसरों का कारण बन सकती है। नौकरी में अधिकारियों का पूरा सहयोग मिलेगा और व्यापार में भी अच्छे परिणाम मिलने के संकेत हैं। जीवनसाथी का साथ आपको मानसिक मजबूती देगा और हर चुनौती का सामना आत्मविश्वास के साथ करेंगे।

कन्या- आज कार्यक्षेत्र में आपकी मेहनत और जिम्मेदारी की खूब सराहना होगी। काम समय पर पूरे होंगे और नई योजनाओं पर भी आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। संतान से जुड़ी किसी बात को हल्के में न लें, समय रहते ध्यान देना बेहतर रहेगा। परिवार और दोस्तों के साथ खुशी के पल बिताने का मौका मिलेगा। मौसम में बदलाव के कारण स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें।

तुला- आज का दिन रिश्तों और खुशियों को मजबूत करने वाला रहेगा। परिवार के साथ बिताया गया समय आपको मानसिक शांति देगा। कोई पुराना लेन-देन समाप्त होने से राहत मिलेगी। सरकारी मामलों में सावधानी रखना जरूरी होगा। सामाजिक या राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े लोगों को अपने शब्दों और फैसलों पर विशेष ध्यान देना चाहिए। संतान की ओर से कोई सुखद समाचार मिल सकता है।

वृश्चिक- आज धैर्य और समझदारी ही आपकी सबसे बड़ी ताकत साबित होगी। जीवन में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी और घर के लिए कुछ नया खरीदने का विचार बन सकता है। वाहन चलाते समय पूरी सावधानी रखें और जल्दबाजी से बचें। बच्चों के साथ बिताया गया समय आपको खुशी देगा। घर की साज-सज्जा या बदलाव की योजना भी बन सकती है। निजी बातों को गोपनीय रखना आपके हित में रहेगा।

धनु- आज का दिन भागदौड़ से भरा रहेगा, लेकिन आपकी मेहनत अच्छे परिणाम भी दिलाएगी। आय बढ़ाने के नए अवसर सामने आएंगे और आप पूरे उत्साह के साथ उन पर काम करेंगे। स्वास्थ्य से जुड़ी पुरानी परेशानी में राहत मिलने की संभावना है। पिता की सलाह को गंभीरता से लें, क्योंकि वही आपके लिए लाभदायक साबित हो सकती है।

मकर- आज का दिन आपको सतर्कता और धैर्य का महत्व सिखाएगा। किसी भी काम में लापरवाही नुकसान का कारण बन सकती है, इसलिए हर फैसला सोच-समझकर लें। विद्यार्थियों का तनाव कम होगा और पढ़ाई में मन लगेगा। मेहनत का उचित परिणाम मिलेगा। दूसरों पर जरूरत से ज्यादा भरोसा करने की बजाय अपने फैसलों पर विश्वास रखें।

कुंभ- आज प्रगति के नए रास्ते आपके सामने खुल सकते हैं। नौकरी में नई जिम्मेदारी मिलने से आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा। सरकारी कार्यों में थोड़ा इंतजार करना पड़ सकता है, लेकिन अंत में परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। किसी रिश्तेदार से मुलाकात पुराने रिश्तों में नई गर्माहट लाएगी।

मीन- आज का दिन नई ऊर्जा और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने का संदेश दे रहा है। लंबे समय से रुके हुए कार्य पूरे होने लगेंगे और घर में खुशियों का माहौल बनेगा। परिवार के किसी सदस्य को करियर या नौकरी से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। सहकर्मियों के साथ बातचीत में संयम रखें, ताकि किसी तरह की गलतफहमी न हो।

शब्दजाल - 8345

शब्दजाल में राजस्थान के 10 जिलों के नाम ढूंढिए. नाम ऊपर से नीचे एवं तिरछे हैं.

म	ज	य	पु	र	ब	दौ	ज	ग	ल	चि
रा	वि	ली	प्रे	क	प	सा	द	ज	कां	त्तो
चु	मे	ष	बा	दी	छ	मि	उ	ब	वृ	ड़
गं	गा	न	ग	र	जो	स	द	ल	ष	ग
बी	अ	ज	मे	र	च	ध	य	न	भी	ढ़
का	ल	न	र	रा	क	ल	पु	ण	ल	र
ने	सिं	जै	ग	ट्रे	न	र	र	र	वा	स
र	ह	ज	स	द	अ	क	फ	चो	ड़ा	क
रा	म	तु	ला	ल	ज	स	या	औ	र	आ
क	गॉ	ल	प	लि	मे	र	भ	म	प	द
क	ड	क	र्क	या	र	र	य	ब	त	म

जयपुर, गंगानगर, बीकानेर, जोधपुर, दौसा, अजमेर, भीलवाड़ा, उदयपुर, चित्तौड़गढ़, जैसलमेर

शब्दजाल - 8344 का हल

मु	ज	मा	र	ग	क	ल्या	ण	सिं	ह	ना
ला	वि	या	ग	च	जी	ग	द	इ	श्री	रा
य	स	व	ल	बा	द्र	ची	ता	रा	प	य
म	ज	ती	दो	पु	ज	भा	ह	न	ति	ण
सिं	ब	रा	भा	लू	लं	का	न	ग	मि	द
ह	द	ना	ज	य	ख	पू	ना	गु	श्र	त
ती	लो	म	ब	ना	र	सी	दा	स	ह	ति
क	र्ज	रा	ई	ना	थ	क	गो	लो	श	वा
ने	बा	म	न्न	ब्रा	थ	सिं	री	श	प	री
चौ	ध	री	च	र	ण	सिं	ह	बें	हा	त
क	द	प	क	म	ला	प	ति	त्रि	पा	ठी

Jagrutidaur.com, Bangalore

फिल्म वर्ग पहेली- 7289

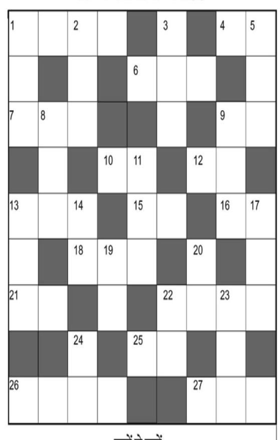

ऊपर से नीचे:-

१. अक्षय, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'आँखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, मालासिन्हा की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'बन्नो तेरी अँखियाँ' गीत वाली सनी, जैकी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यारा है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेन्द्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरूणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'नचना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सीमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, मुक्ता मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तु प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पुजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेराय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'याराना' की नायिका कौन थी?-२
२२. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-२
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7288

Jagrutidaur.com, Bangalore

दैनिक पंचांग

9 अगस्त 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

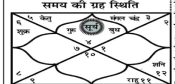

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	कर्क में	सिंह	06.13 बजे से
चंद्र	मिथुन में	कन्या	08.24 बजे से
मंगल	मिथुन में	तुला	10.35 बजे से
बुध	कर्क में	वृश्चिक	12.50 ब.से
गुरु	कर्क में	धनु	15.06 बजे से
शुक्र	कन्या में	मकर	17.11 बजे से
शनि	मीन में	कुंभ	18.57 बजे से
राहु	कुंभ में	मीन	20.30 बजे से
केतु	सिंह में	मेष	22.01 बजे से
राहुकाल 4.30 से 6.00 बजे तक		वृष	23.41 बजे से
		मिथुन	01.39 बजे से
		कर्क	03.52 बजे से

रविवार 2026 वर्ष का 221 वा दिन **दिशाशूल** पश्चिम **ऋतु** वर्षा। **विक्रम संवत्** 2083 **शक संवत्** 1948 **मास** श्रावण (दक्षिण भारत में आषाढ) **पक्ष** कृष्ण **तिथि** एकादशी 11.06 बजे को समाप्त। **नक्षत्र** मृगशीर्ष 14.44 बजे को समाप्त। **योग** व्याघात 05.38 बजे तदनन्तर हर्षण 02.05 बजे रात्र को समाप्त। **करण** बालव 11.06 बजे तदनन्तर कौलव 21.34 बजे को समाप्त। **चन्द्रायु** 24.6 घण्टे **रवि क्रान्ति** उत्तर 15° 54' **सूर्य** दक्षिणायन **कलि अहर्गण** 1872796 **जूलियन दिन** 2461261.5 **कलियुग संवत्** 5128 **कल्पारंभ संवत्** 1972949128 **सृष्टि ग्रहारंभ संवत्** 1955885128 **वीरनिर्वाण संवत्** 2552 **हिजरी सन्** 1448 **महीना** सफर **तारीख** 25 **विशेष** कामिका एकादशी, अंग्रेजो भारत छोड़ो आंदोलन दिवस।

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
उद्वेग	05.56	से	07.23 बजे तक	शुभ	05.36	से	07.09 बजे तक
चर	07.23	से	08.51 बजे तक	अमृत	07.09	से	08.41 बजे तक
लाभ	08.51	से	10.18 बजे तक	चर	08.41	से	10.14 बजे तक
अमृत	10.18	से	11.46 बजे तक	रोग	10.14	से	11.46 बजे तक
काल	11.46	से	01.14 बजे तक	काल	11.46	से	01.19 बजे तक
शुभ	01.14	से	02.41 बजे तक	लाभ	01.19	से	02.51 बजे तक
रोग	02.41	से	04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51	से	04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09	से	05.36 बजे तक	शुभ	04.24	से	05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

प्रसंगतः आत्मकल्याण का रास्ता

बुद्ध अपने सभी भिक्षुओं का व्यक्तिगत रूप से ख्याल रखते थे। वह इस बात को लेकर सचेत रहते थे कि किसी को कभी कोई कठिनाई न हो। एक बार उन्होंने गौर किया कि एक भिक्षुक कई दिनों से नजर नहीं आ रहा है। उसके बारे में कोई चर्चा भी सुनने को नहीं मिल रही थी। बुद्ध को उसकी चिंता हुई। उन्होंने भिक्षु भदंत से उसके बारे में पूछा। भदंत ने दबी आवाज में कहा, 'वह अतिसार से पीड़ित है।' यह सुनते ही बुद्ध, आनंद को साथ लेकर उस भिक्षु को देखने चल पड़े। बुद्ध ने देखा कि बीमार भिक्षु अपनी कुटिया में बेसुध पड़ा है। उसका शरीर गंदा हो चुका था, क्योंकि किसी ने उसकी परिचर्या नहीं की थी। बुद्ध ने पूछा, 'क्या तुम्हें देखने कोई नहीं आया?' भिक्षु बोला 'वे सब साधनाओं में व्यस्त हैं इसलिए मेरे पास नहीं आ सके।' कुछ देर मौन रहकर बुद्ध ने आनंद से कहा, 'आनंद! जल ले आओ। हम इस भाई की सेवा करेंगे।' आनंद तुरंत कलश में जल ले आया। बुद्ध ने जल से बीमार भिक्षु का शरीर साफ किया। शाम में सभी भिक्षुगण संध्या वंदन के लिए जमा हुए। बुद्ध ने बिना किसी भूमिका के सभा में उपस्थित भिक्षुओं से कहा, 'क्या हम में से कोई एक भिक्षु अस्वस्थ है?' एक आवाज आई, 'हां।' बुद्ध ने पूछा, 'उसे क्या कष्ट है?' उत्तर मिला, 'उस भाई को अतिसार है।' बुद्ध ने फिर पूछा, 'उसकी देखभाल कौन कर रहा है?' सब भिक्षु चुप हो गए। कुछ देर तक प्रार्थना सभा में सन्नाटा छाया रहा। फिर बुद्ध बोले, 'मैं जानता हूं। आप सब को आत्म कल्याण की चिंता है। पर क्या किसी पीड़ित को कष्ट में छोड़कर आत्म कल्याण की बात सोचना अच्छी बात है? स्मरण रहे, योग साधना से आत्म कल्याण तब तक नहीं हो सकता, जब तक मानवता की पीड़ा आप के हृदय में शूल बनकर नहीं चुभती। इसलिए निष्काम भाव से सेवा करें। यही सच्ची साधना है।'

सूडोकु नवताल- 7598

★☆☆☆☆ सरल

			2				3	
		9		8		2	6	4
1				3	6		9	
4		3						
	8			2			1	
						8		6
	4		7	5				3
3	7	5		4		1		
	2				8			

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7597 का हल

8	4	5	6	1	3	7	2	9
7	2	6	4	9	5	3	8	1
9	3	1	7	8	2	6	5	4
1	7	2	9	6	8	4	3	5
5	6	9	3	2	4	1	7	8
4	8	3	5	7	1	9	6	2
2	9	7	1	5	6	8	4	3
3	1	8	2	4	7	5	9	6
6	5	4	8	3	9	2	1	7

शब्द पहेली - 8813

बाएँ से दाएँ

1. अभिप्राय, अभिव्यक्ति-3
3. सादापन, भोलापन-4
6. अवश्य-3
7. कांच का मर्तबान-2
8. पानी से सराबोर-2
10. करधनी, कमर में पहना जाने वाला आभूषण-5
12. उद्धार, उत्कृष्ट-3
15. माला का मोती-3
17. सेवक, रोगी की देखभाल करने वाला-5
20. एक छोटी सवारी गाड़ी-2
22. चलने का ढ़ंग-2
23. गर्भ-3
24. निम्न, निकृष्ट-4
25. कथा, गाथा-3

ऊपर से नीचे

2. कमरे में बंद करना-5
3. ईमान, नियत-3
4. क्षारीय-4
5. दीदार-3
7. आशिक, यार-2
9. एक विदेशी मदिरा-2
11. लीन, व्यस्त, मशगूल-3
13. उपस्थित-3
14. चलाने वाला, संचालक-5
15. मतवाला, उन्मादी-4
16. चाचा, अंकल-2
18. पैंतरा, वेग-2
19. काफी, कोको -3
21. गिरवी वस्तु-3

शब्द पहेली -8812 का हल

■	स	ज	ग	■	ह	सी	न	■
वा	दा	■	र	■	म	■	व	ध
प	■	फि	ल	हा	ल	■	■	मा
सी	र	त	■	नि	■	रु	ब	ल
■	■	र	ज	■	न	ख	■	■
नी	जा	त	■	जो	■	सा	हि	ल
र	■	■	क	र	ता	र	■	ह
व	श	■	स	■	मी	■	ता	जा
■	क	ल	म	■	ल	की	र	■

■ Jagrutidaur.com, Bangalore

बड़ी बसों पर रोक लगी तो पिकअप बनी मजदूरों की सवारी!

किशोरी की मौत के बाद सांसद के निर्देश पर हुई थी कार्रवाई, अब ओवरलोड वाहनों में मजदूरों को ढोने का आरोप; छोटे रूट के बस संचालकों की रोजी-रोटी पर भी संकट

पद्मेश न्यूज। लांजी। करीब एक से डेढ़ माह पूर्व दमोह-सालेटेकरी से लांजी मार्ग पर हुए एक गंभीर सड़क हादसे में एक किशोरी की दर्दनाक मौत के बाद क्षेत्र में आक्रोश की स्थिति निर्मित हो गई थी। हादसे को लेकर ग्रामीणों ने मार्ग पर संचालित होने वाली बड़ी स्लीपर बसों की आवाजाही का विरोध किया था। ग्रामीणों की मांग और मामले की गंभीरता को देखते हुए सांसद के निर्देश पर परिवहन विभाग ने दमोह-सालेटेकरी से लांजी होते हुए हैदराबाद जाने वाली बड़ी स्लीपर बसों के संचालन पर रोक लगा दी थी। माना जा रहा था कि इस कार्रवाई से हादसों पर अंकुश लगेगा और ग्रामीण क्षेत्र के यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित होगी, लेकिन अब बस संचालन पर लगी रोक के बाद सवारियों के परिवहन का नया रास्ता निकाल लिए जाने का मामला सामने आ रहा है। आरोप है कि हैदराबाद बस संचालन से जुड़े लोगों द्वारा अब पिकअप सहित छोटे वाहनों के माध्यम से बड़ी संख्या में गरीब मजदूरों को दमोह से लांजी तक पहुंचाया जा रहा है। जबकि पूर्व में बड़े बस संचालकों के प्रभाव में परिवहन विभाग की कार्यशैली को लेकर जिस तरह सवाल उठते रहे हैं, उससे अब यह देखना भी जरूरी है कि वर्तमान अधिकारी भी कहीं उसी कार्यसंस्कृति का हिस्सा तो नहीं बन रहे। हालात यह हैं कि समाचार प्रकाशित होने के बाद विभाग सक्रिय तो होता है, लेकिन कार्रवाई की तस्वीर देखकर ऐसा लगता है जैसे महज दिखावे की रस्म अदायगी की जा रही हो। यदि वास्तव में नियमों का पालन कराना है तो कागजी और खानापूर्ति वाली कार्रवाई से आगे बढ़कर धरातल पर सख्ती दिखानी होगी, वरना बड़े बस संचालकों के सामने विभाग की कथित बेबसी की तस्वीर यूं ही सामने आती रहेगी।

पिकअप में क्षमता से अधिक सवारियां, सुरक्षा ताक पर

स्थानीय स्तर पर सामने आई जानकारी और तस्वीरों के अनुसार छोटे वाहनों में निर्धारित क्षमता से अधिक मजदूरों को बैठाकर ले जाने का सिलसिला जारी है। आरोप है कि कई वाहनों में ओवरसीटिंग और क्षमता से अधिक सवारियों को बैठाया जा रहा है। जिन वाहनों में सीमित संख्या में यात्रियों के बैठने की व्यवस्था होती है, उन्हीं में बड़ी संख्या में मजदूरों को भरकर लांजी तक ले जाने का काम किया जा रहा है। सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिस मार्ग पर एक गंभीर सड़क हादसे के बाद बड़ी बसों के संचालन पर रोक लगाई गई, उसी मार्ग पर यदि अब छोटे वाहनों में क्षमता से अधिक मजदूरों को बैठाकर परिवहन कराया जा रहा है तो क्या इससे यात्रियों की सुरक्षा सुनिश्चित हो पाएगी? बड़ी बसों पर रोक के बाद छोटे वाहनों में ओवरलोडिंग कहीं किसी नए हादसे को न्योता तो नहीं दे रही? यह सवाल अब ग्रामीणों के बीच चर्चा का विषय बना हुआ है।

किराया नहीं लगेगा... और मजदूरों को अपने साथ ले जाने का खेल?

मामले का दूसरा पहलू छोटे मार्गों पर संचालित होने वाली स्थानीय बसों से जुड़ा है। आरोप है कि हैदराबाद जाने वाले मजदूरों को दमोह से लांजी तक किराया नहीं लगने का लालच देकर इन वाहनों में बैठाया जा रहा है। इसके चलते ऐसे मजदूर भी स्थानीय बसों का सहारा लेने के बजाय इन वाहनों में सवार हो रहे हैं, जो छोटे मार्ग की नियमित बसों से सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से लांजी तक पहुंच सकते हैं। इसका सीधा असर छोटे रूट पर बस संचालन करने वाले स्थानीय बस मालिकों और संचालकों पर पड़ रहा है। नियमित बस संचालकों को परमिट, टैक्स, फिटनेस, बीमा, चालक-परिचालक सहित तमाम खर्चों के साथ नियमों का पालन करते हुए बसों का संचालन करना पड़ता है। वहीं दूसरी ओर यदि यात्रियों को मुफ्त यात्रा अथवा अन्य प्रलोभन देकर छोटे वाहनों से ले जाया जाएगा तो स्थानीय बस संचालकों के सामने आर्थिक संकट खड़ा होना स्वाभाविक है।

कार्रवाई के बाद भी नहीं बदली तस्वीर, सिर्फ बदला वाहन

ग्रामीणों का कहना है कि बड़ी बसों पर रोक लगाने का उद्देश्य यात्रियों की सुरक्षा और सड़क पर दुर्घटनाओं की आशंका को कम करना था। लेकिन यदि अब उन्हीं यात्रियों को छोटे वाहनों में क्षमता से अधिक संख्या में भरकर ले जाया जा रहा है तो कार्रवाई का वास्तविक उद्देश्य ही सवालों के घेरे में आ जाता है। बस बंद हुई, लेकिन सवारियों का परिवहन नहीं—सिर्फ तरीका बदल गया। यही स्थिति परिवहन विभाग की निगरानी व्यवस्था पर भी सवाल खड़े करती है। ग्रामीणों का कहना है कि गरीब मजदूरों की मजबूरी और मुफ्त या सस्ती यात्रा के लालच का फायदा उठाकर उनकी जान जोखिम में डालना किसी भी स्थिति में उचित नहीं कहा जा सकता। यदि नियमों का उल्लंघन हो रहा है तो परिवहन विभाग को समय रहते सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, ताकि भविष्य में किसी और परिवार को सड़क हादसे में अपने किसी सदस्य को न खोना पड़े।

रजेगांव-किरनापुर-लांजी-आमगांव मार्ग को फोरलेन की मंजूरी, 57.40 किमी मार्ग की बदलेगी तस्वीर

गांवों में 120 की जगह 80 फीट चौड़ाई रखने का प्रयास

पद्मेश न्यूज। लांजी। लांजी-किरनापुर क्षेत्र के लिए सड़क संपर्क के लिहाज से बड़ी खबर सामने आई है। मध्यप्रदेश सड़क विकास निगम द्वारा प्रस्तावित प्रमुख जिला मार्गों की सूची में राजेगांव-किरनापुर-लांजी-आमगांव मार्ग को चार लेन में विकसित करने के लिए शामिल किया गया है। दस्तावेज के अनुसार इस मार्ग की लंबाई 57.40 किलोमीटर है। कुल 1146.03 किलोमीटर के सड़क विकास प्रस्ताव में क्षेत्र के इस मार्ग को चार लेन के रूप में प्रस्तावित किया गया है।

120 फीट की जगह 80 फीट चौड़ाई रखने का प्रयास

विधायक राजकुमार कर्राहे ने बताया कि सामान्य तौर पर चार लेन सड़क की चौड़ाई करीब 120 फीट होती है। ऐसे में सड़क निर्माण के दौरान मुख्य मार्ग से लगे व्यापारिक प्रतिष्ठानों, मकानों और जमीनों पर इसका असर पड़ सकता है। उन्होंने कहा कि राजेगांव से लांजी और आमगांव तक आने वाले प्रमुख मुख्यालयों में मार्ग की चौड़ाई करीब 80 फीट रखने का प्रयास किया जाएगा, ताकि सड़क किनारे रहने वाले लोगों और व्यापारी वर्ग को कम से कम नुकसान हो।

व्यापारियों और जमीन मालिकों के हित का रखा जाएगा ध्यान

विधायक ने कहा कि सड़क का चार लेन में विकास क्षेत्र के लिए जरूरी है, लेकिन इसके साथ ही मुख्य सड़क से लगे व्यापारियों और आम लोगों के हितों का भी ध्यान रखा जाना चाहिए। इसी उद्देश्य से मुख्यालय एवं आबादी वाले हिस्सों में सड़क की चौड़ाई को व्यावहारिक रखने का प्रयास किया जाएगा, ताकि विकास के साथ लोगों की रोजी-रोटी और संपत्तियों पर अनावश्यक असर न पड़े।

पहले दोगुना मिलता था, अब चार गुना मुआवजे का दावा

विधायक कर्राहे ने मुआवजे को लेकर कहा कि पहले चार लेन परियोजनाओं में प्रभावित जमीन मालिकों को उनकी जमीन के बदले दोगुना मुआवजा दिए जाने का प्रावधान रहा है। उनका कहना है कि अब मोहन सरकार एक कदम आगे बढ़ते हुए प्रभावित लोगों को चार गुना मुआवजा देगी, जिससे सड़क निर्माण के लिए जमीन देने वाले लोगों को आर्थिक परेशानी नहीं होगी।

लांजी से महाराष्ट्र तक मजबूत होगा संपर्क

राजेगांव-किरनापुर-लांजी-आमगांव मार्ग क्षेत्र की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। इसके चार लेन में विकसित होने से लांजी-किरनापुर क्षेत्र का बालाघाट जिले के अन्य हिस्सों के साथ-साथ महाराष्ट्र के गोंदिया क्षेत्र से संपर्क और बेहतर होने की उम्मीद है। सड़क के चौड़ीकरण से आवागमन के साथ व्यापारिक गतिविधियों को भी गति मिलने की संभावना है।

विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन के बाद आगे बढ़ेगा काम

उपलब्ध दस्तावेज में इस सड़क को चार लेन के लिए प्रस्तावित किया गया है तथा व्यवहार्यता एवं विस्तृत परियोजना प्रतिवेदन तैयार करने का उल्लेख है। यानी परियोजना के तकनीकी, वित्तीय और भूमि संबंधी पहलुओं का विस्तृत अध्ययन होना बाकी है। इसके बाद ही निर्माण की दिशा में आगे की कार्रवाई होगी।

मोहारा में गूंजा रामचरितमानस, सेवा का भी संकल्प

156 लोगों की स्वास्थ्य जांच, 98 की नेत्र जांच; 20 मरीज मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित

पद्मेश न्यूज। लांजी। ग्राम मोहारा स्थित पुराने राम मंदिर परिसर में अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का आयोजन 7 से 8 अगस्त तक किया गया। अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ समिति, अभिनंदन लाइफ फाउंडेशन, ग्राम समितियों एवं स्थानीय नागरिकों के सहयोग से आयोजित कार्यक्रम में धार्मिक आयोजन के साथ शिक्षा, स्वास्थ्य, पर्यावरण, नशामुक्ति और प्लास्टिक मुक्त अभियान का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में ग्रामीणों को शिक्षा के महत्व, बच्चों की प्रतिभा विकास और संस्कारों के प्रति जागरूक किया गया। 25 पौधों का पौधारोपण, गौ पूजन, हवन-यज्ञ और कन्या पूजन भी हुआ। महिला मंडल ने हल्दी-कुमकुम कार्यक्रम के माध्यम से संस्कार और सामाजिक एकजुटता का संदेश दिया। स्वास्थ्य शिविर में 156 लोगों की जांच कर दवाइयां वितरित की गईं। वहीं देवजी नेत्रालय के सहयोग से 98 लोगों की नेत्र जांच की गई, जिसमें 20 लोगों को मोतियाबिंद ऑपरेशन के लिए चिन्हित किया गया। जरूरतमंद दिव्यांगजनों को नि:शुल्क कृत्रिम हाथ-पैर उपलब्ध कराने के लिए भी चिन्हांकन किया जा रहा है। अब तक क्षेत्र में 5 दिव्यांगजन चिन्हित किए जा चुके हैं। मानस पाठ की विश्रांति के बाद बच्चों ने सांस्कृतिक एवं शिक्षाप्रद प्रस्तुतियां देकर उपस्थित लोगों का मन मोह लिया। ग्रामीणों ने श्रीरामचरितमानस के आदर्शों को जीवन में अपनाने और मानव सेवा में सहभागी बनने का संकल्प लिया। आयोजन में राम मंदिर समिति, ग्राम समिति, वरिष्ठजन, युवा, महिला मंडल और ग्रामीणों का सहयोग रहा।

बोरगांव में अखंड पाठ का शुभारंभ

ग्राम बोरगांव में 8 अगस्त से अखंड श्रीरामचरितमानस पाठ का शुभारंभ हुआ। 9 अगस्त को विश्रांति के साथ स्वास्थ्य शिविर, नि:शुल्क मोतियाबिंद नेत्र जांच, प्लास्टिक मुक्त अभियान और महाप्रसाद का आयोजन किया जाएगा। आयोजकों ने क्षेत्रवासियों से कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है।

विश्व आदिवासी दिवस पर लांजी में गूंजेगा आदिवासी संस्कृति का स्वर

9 अगस्त को रानी अवंतीबाई स्टेडियम में होगा वृहद समारोह, रेला पाटा नृत्य रहेगा मुख्य आकर्षण

पद्मेश न्यूज। लांजी। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर आदिवासी समाज लांजी द्वारा रविवार, 9 अगस्त को वीरांगना रानी अवंतीबाई स्टेडियम में भव्य समारोह आयोजित किया जाएगा। आयोजन में आदिवासी संस्कृति, परंपरा, कला और सामाजिक एकजुटता की जीवंत झलक देखने को मिलेगी। रेला पाटा आदिवासी नृत्य समारोह का प्रमुख आकर्षण रहेगा। कार्यक्रम की शुरुआत सुबह 10 बजे गोंडवाना सामुदायिक भवन में महापुरुषों के छायाचित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलन से होगी। इसके बाद सुबह 10-30 बजे भव्य रैली निकाली जाएगी, जो नगर के प्रमुख मार्गों से होते हुए 11 बजे सुभाष चौक बस स्टैंड पहुंचेगी। यहां रेला पाटा नृत्य की प्रस्तुति के माध्यम से आदिवासी समाज की समृद्ध संस्कृति और परंपराओं का प्रदर्शन किया जाएगा। रैली में शांति, सद्भावना, प्रकृति संरक्षण और सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया जाएगा।

दोपहर 12 बजे से मंचीय कार्यक्रम

रैली के बाद दोपहर 12 बजे वीरांगना रानी अवंतीबाई स्टेडियम में मंचीय एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम होंगे। समाज के वक्ता शिक्षा, रोजगार, सामाजिक जागरूकता, अधिकार और आदिवासी संस्कृति के संरक्षण जैसे विषयों पर विचार रखेंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता सेवानिवृत्त सहायक संचालक एवं वरिष्ठ सामाजिक कार्यकर्ता तिरु. गिरधारी नाईक करेंगे।

राष्ट्पति और राज्यपाल के नाम सौंपेंगे ज्ञापन

समारोह के समापन के बाद आदिवासी समाज की विभिन्न मांगों को लेकर राष्ट्पति एवं मध्यप्रदेश के राज्यपाल के नाम अनुविभागीय अधिकारी राजस्व को ज्ञापन सौंपा जाएगा। कार्यक्रम का आयोजन गोंड, माना, गोवारी, बिंझवार, हलबा, बैगा, नगारची, धुलिया, परधान, सोनझरिया, कंडरा, ओझा समाज सहित समस्त आदिवासी समाज लांजीगढ़ के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है।

पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचने की अपील

आदिवासी समाज लांजी के अध्यक्ष दीनू उइके, सचिव टुमनलाल घोरमारे एवं समाज के प्रतिनिधियों ने समाजजनों से अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में शामिल होने की अपील की है। उन्होंने लोगों से पारंपरिक वेशभूषा में पहुंचकर आदिवासी संस्कृति और एकजुटता का संदेश देने का आह्वान किया है।

1994 से मनाया जा रहा विश्व आदिवासी दिवस

संयुक्त राष्ट्र महासभा ने वर्ष 1994 में प्रत्येक वर्ष 9 अगस्त को विश्व के आदिवासी लोगों का अंतरराष्ट्रीय दिवस मनाने का निर्णय लिया था। इसका उद्देश्य आदिवासी समुदायों के अधिकारों, संस्कृति, पहचान तथा सामाजिक-आर्थिक समस्याओं के प्रति वैश्विक स्तर पर जागरूकता बढ़ाना है। लांजी में आयोजित यह समारोह भी आदिवासी संस्कृति, परंपरा, पहचान और अधिकारों के संरक्षण के साथ सामाजिक एकजुटता का संदेश देगा।

कारंजा स्कूल में स्काउट-गाइड व इको क्लब ने रोपे पौधे, विद्यार्थियों को सौंपी देखभाल की जिम्मेदारी

पद्मेश न्यूज। लांजी। भारत स्काउट एवं गाइड जिला संघ बालाघाट के तत्वावधान में शनिवार, 8 अगस्त को बाला साहब शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कारंजा के शाला परिसर में वृहद वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ाने के साथ प्रकृति के प्रति जिम्मेदारी की भावना विकसित करना रहा। कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य आर.के. घोरमारे की उपस्थिति रही। इको क्लब एवं स्काउट-गाइड प्रभारी मनोज नगपुरे के मार्गदर्शन में विद्यालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं, स्काउट-गाइड विद्यार्थियों एवं इको क्लब के पर्यावरण मित्रों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की। वृक्षारोपण अभियान के दौरान विद्यालय परिसर में विभिन्न प्रजातियों के फलदार एवं छायादार पौधे लगाए गए। इनमें पोस्टल पाम के 8 पौधों के साथ एप्पल बेर, चीकू, आम, नीम एवं जाम के पौधे शामिल रहे। विद्यार्थियों ने पूरे उत्साह के साथ पौधों का रोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

पौधे लगाने के साथ संरक्षण का भी लिया संकल्प

कार्यक्रम की खास बात यह रही कि विद्यार्थियों को केवल पौधे लगाने तक सीमित नहीं रखा गया, बल्कि रोपित पौधों की देखभाल और सुरक्षा की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। इसके लिए विद्यार्थियों की अलग-अलग टीमें गठित की गईं। प्रत्येक टीम को पौधों की नियमित देखभाल, सुरक्षा, पानी देने तथा उनके संरक्षण का दायित्व दिया गया। विद्यार्थियों ने संकल्प लिया कि वे पौधों को वृक्ष बनने तक उनकी पूरी जिम्मेदारी निभाएंगे। इस अवसर पर प्राचार्य आर.के. घोरमारे एवं इको क्लब प्रभारी मनोज नगपुरे ने विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के महत्व की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संतुलन बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधे लगाना जरूरी है, लेकिन केवल पौधारोपण करने से ही जिम्मेदारी पूरी नहीं होती। लगाए गए पौधों की नियमित देखभाल और सुरक्षा कर उन्हें वृक्ष का रूप देना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। उन्होंने विद्यार्थियों से विद्यालय परिसर के साथ-साथ अपने घरों, खेतों, सड़क किनारे एवं अन्य उपयुक्त स्थानों पर भी पौधे लगाने और आसपास के लोगों को पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं की सक्रिय सहभागिता रही। नन्हे स्काउट्स-गाइड्स एवं इको क्लब के विद्यार्थियों ने उत्साह और मेहनत के साथ पौधारोपण अभियान को सफल बनाया।

मिशन शक्ति अभियान के अंतर्गत भिमोड़ी व घोटी (नंदोरा) में किया गया कार्यशाला का आयोजन

पद्मेश न्यूज। लांजी। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा मिशन शक्ति अभियान अंतर्गत कलेक्टर श्री कुमार सत्यम एवं जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग देवेन्द्र कुमार सुन्दर्याल के मार्गदर्शन में महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा विकासखंड लांजी के सरस्वती शिशु मंदिर घोटी (नंदोरा) एवं विरागंना रानी अवंतीबाई शिशु मंदिर भिमोडी में जगरूकता कार्यक्रम आयोजित कर महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा, अधिकारों तथा शासन द्वारा संचालित विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं के प्रति आम जन को जागरूक किया गया। विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई, साथ ही महिलाओं एवं बच्चों की सुरक्षा से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनों, बाल अधिकारों, बाल संरक्षण सेवाओं, चाइल्ड हेल्पलाइन (1098), महिला हेल्पलाइन (181), वन स्टॉप सेंटर, घरेलू हिंसा से संरक्षण, पॉक्सो अधिनियम, बाल विवाह निषेध अधिनियम सहित अन्य कानूनी प्रावधानों के संबंध में उपस्थित महिलाओं एवं बच्चों को जागरूक किया गया। इस दौरान सरस्वती शिशु मंदिर घोटी (नंदोरा) में श्रीमती अनिता चौधरी प्रधानाचार्य, धीरज वाहने, श्रीचंद कामड़े सरपंच, सुश्री हाफिजा मिर्जा, कृष्ण झगराहे, सुखचंद पांचे, संगीता ढोक, स्नेहा सिल्हारे, रोशनी सोनवाने, कविता मातरे, शालिनी सोनवाने, रूपवती झगराहे, नीलू सोंनवाने , सुनीता कौशल सहित अन्य महिला एवं बालिकाएं मौजूद थी। इसी तरह विरागंना रानी अवंतीबाई शिशु मंदिर भिमोडी में प्रेमेश्वरी अस्तने, अम्बिका मुरकुटे, कुंन्दन बड़?घैया, प्रतिमा नागदेवे, अशोक कुमार अस्तने, रामेश्वर धारणे, भागरता धारणे, मनिषा घोरमारे, चुनेश कुमार कटरे, धीरज वाहने, सुश्री हाफिजा मिर्जा सहित महिलाएं एवं बालिकाएं मौजूद रही।

सौरभ शर्मा की काली कमाई और बेनामी संपत्ति केस में बड़ा मोड़

चार्जशीट में परिवार और करीबी सहयोगी भी बनाए गए आरोपी

भोपाल । मध्य प्रदेश के बहुचर्चित सौरभ शर्मा भ्रष्टाचार मामले में लोकायुक्त संगठन जल्द बड़ा कदम उठाने की तैयारी में है। परिवहन विभाग के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के खिलाफ जांच लगभग पूरी हो चुकी है और सितंबर में अदालत में आरोप पत्र (चार्जशीट) पेश किए जाने की संभावना है। इस चार्जशीट में सौरभ शर्मा के अलावा 15 से अधिक लोगों को आरोपी बनाया जाएगा, जिन पर कथित तौर पर अवैध संपत्ति छिपाने और काली कमाई को ठिकाने लगाने में सहयोग करने के आरोप हैं।

लोकायुक्त सूत्रों के अनुसार प्रस्तावित आरोपियों में सौरभ शर्मा की पत्नी, मां, करीबी सहयोगी शरद जायसवाल, चेतन गौर समेत कई रिश्तेदार और सहयोगी शामिल हैं। जांच एजेंसी का दावा है कि इन लोगों ने विभिन्न नामों से संपत्ति खरीदने और अवैध धन के निवेश में

भूमिका निभाई। हाल ही में मध्य प्रदेश हाई कोर्ट से सौरभ शर्मा को जमानत मिलने के बाद लोकायुक्त संगठन अब जल्द से जल्द चार्जशीट दाखिल करने की तैयारी में है। हालांकि अभियोजन स्वीकृति की औपचारिक प्रक्रिया अभी शेष है।

100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति का दावा

जांच एजेंसियों के आकलन के अनुसार अब तक 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति का पता चल चुका है। इसमें मेंडोरी गांव से मिली कार में बरामद 52 किलो सोना (करीब 38 करोड़ रुपये),11.60 करोड़ रुपये नकद, भोपाल स्थित घर और कार्यालय से मिले 2.85 करोड़ रुपये नकद, 234 किलो चांदी की सिल्लियां, जमीन, अचल संपत्तियां और राजगढ़ में मत्स्य पालन से जुड़ा निवेश और रिश्तेदारों और सहयोगियों के नाम पर खरीदी गई संपत्तियां शामिल हैं

पांच एजेंसियां कर रही हैं जांच

यह मामला अब कई एजेंसियों की जांच के दायरे में है। लोकायुक्त संगठन भ्रष्टाचार और आय से अधिक संपत्ति की जांच कर रहा है। वहीं आयकर विभाग नकदी और सोने की जब्ती तथा बेनामी संपत्ति की कार्रवाई कर रहा है। राजस्व खुफिया निदेशालय सोने के स्रोत , प्रवर्तन निदेशालय मनी लॉन्ड्रिंग के पहलुओं की जांच कर रहा है। जबकि मध्य प्रदेश पुलिस अनुकंपा नियुक्ति से जुड़े दस्तावेजों की जांच कर रही है।

50 से अधिक लोगों से पूछताछ

लोकायुक्त संगठन अब तक 50 से अधिक लोगों से पूछताछ कर चुका है। इनमें वे लोग भी शामिल हैं जिनके नाम पर संपत्ति के दस्तावेज छापों के दौरान बरामद हुए थे। जांच एजेंसी का मानना है कि अवैध धन को कई व्यक्तियों के माध्यम से निवेश किया गया। विशेष पुलिस स्थापना (लोकायुक्त) के डीजी योगेश देशमुख ने कहा कि मामले की विवेचना लगभग पूरी हो चुकी है और पूछताछ का काम समाप्ति पर है। जल्द ही अदालत में चालान प्रस्तुत करने की तैयारी की जा रही है।

मांगें पूरी होने तक मुख्यमंत्री आवास से नहीं हटेंगे

भोपाल। एग्रीगेटर कंपनियों की किराया नीति और कथित मनमानी के खिलाफ भोपाल के टैक्सी चालकों का आंदोलन अब प्रदेश स्तर पर पहुंचने जा रहा है। शनिवार को चिनार पार्क में भोपाल टैक्सी चालक संघ (भारतीय मजदूर संघ सम्बद्ध) और टैक्सी यूनियन कल्याण समिति संपूर्ण भारत से जुड़े पदाधिकारियों और टैक्सी चालकों की बैठक हुई। इसमें 15 अगस्त को भोपाल में बड़ी रैली निकालने और 18 से 20 अगस्त के बीच प्रदेश स्तरीय आंदोलन कर मुख्यमंत्री आवास के घेराव का फैसला लिया गया। आंदोलन की अंतिम तारीख अभी तय नहीं की गई है। टैक्सी यूनियन कल्याण समिति संपूर्ण भारत के भोपाल प्रभारी जावेद खान ने बताया कि 15 अगस्त को बोट क्लब से लालघाटी तक रैली निकाली जाएगी। इसमें बड़ी संख्या में टैक्सी चालक शामिल होंगे। उन्होंने कहा कि रैली शांतिपूर्ण और संवैधानिक तरीके से निकाली जाएगी। इसे टैक्सी चालकों की ताकत दिखाने और उनकी मांगों को सरकार तक पहुंचाने के लिए आयोजित किया जा रहा है।

सरकार से नई किराया नीति लागू करने की मांग

संघ का कहना है कि मध्यप्रदेश में टैक्सी किराया तय करने के लिए स्पष्ट सरकारी नीति नहीं है। इसी का फायदा उठाकर एग्रीगेटर कंपनियां मनमाने तरीके से किराया तय कर रही हैं। संगठन की मांग है कि सरकार टैक्सी किराए के लिए स्थायी गाइडलाइन लागू करे। इसमें प्रत्येक राइड पर 50 से 60 रुपए बेस फेयर, यात्रा अवधि के लिए 1 से 1.50 रुपए प्रति मिनट टाइम चार्ज और गाड़ी की श्रेणी के अनुसार 22 से 30 रुपए प्रति किलोमीटर की दर तय की जाए। भोपाल टैक्सी चालक संघ के महामंत्री राजेश कुमार नागले ने बताया कि बैठक में भोपाल के टैक्सी चालकों से आगे की रणनीति पर राय ली गई। अब 18 से 20 अगस्त के बीच प्रदेश स्तर का बड़ा आंदोलन करने की तैयारी है। इसमें भोपाल के अलावा मध्यप्रदेश के दूसरे शहरों में ओला, उबर और रैपिडो जैसी एग्रीगेटर कंपनियों से जुड़े ड्राइवरों को भी भोपाल बुलाया जाएगा।

मप्र के शहरों को 24 घंटे खुलने के लिए करना होगा इंतजार

भोपाल । मध्य प्रदेश के बड़े शहरों को 24 घंटे खोलने की राह अभी आसान नहीं है। इसे लेकर विधेयक विधानसभा में पास हो गया है, लेकिन सरकार ने आवासीय क्षेत्र में संचालित व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए एक समिति बनाई है, जो सुप्रीम कोर्ट के निर्देश और गाइडलाइन के हिसाब से नीति तैयार करेगी। इसके बाद अलग-अलग शहरों के हिसाब से गाइडलाइन जिला स्तर पर बनेगी।

फिलहाल प्रदेश के किसी भी शहर में 24 घंटे बाजार खोलने की घोषणा नहीं है। इसमें लंबा समय लग सकता है। यह भी जरूरी नहीं कि सभी शहरों में बाजार 24 घंटे खुले रहें। दुकानों के बंद होने का समय बढ़ाया जा सकता है। अभी शहरों में 12 बजे से पहले दुकानें बंद करा दी जाती हैं। कुछ बड़े शहरों में रातभर मॉल, मल्टीप्लेक्स और बिजनेस सेंटर खुल सकते हैं।

मरीजों को सस्ती और समय पर मिलेंगी दवाएं

भोपाल। मध्य प्रदेश में आयुर्वेदिक उपचार कराने वाले मरीजों के लिए बड़ी राहत की खबर है। राजधानी भोपाल स्थित पंडित खुशीलाल आयुर्वेद अस्पताल परिसर में प्रदेश की दूसरी सरकारी आयुर्वेद फार्मेसी का निर्माण अंतिम चरण में पहुंच गया है। उम्मीद है कि अगले एक वर्ष के भीतर यहां आयुर्वेदिक दवाओं का उत्पादन शुरू हो जाएगा। इससे सरकारी अस्पतालों में दवाओं की उपलब्धता बढ़ेगी और मरीजों को महंगी दवाएं निजी दुकानों से खरीदने की आवश्यकता कम होगी।

वर्तमान में मध्य प्रदेश में सरकारी स्तर पर आयुर्वेदिक दवाओं का निर्माण केवल ग्वालियर स्थित सरकारी आयुर्वेद फार्मेसी में होता है। यहीं से पूरे प्रदेश के सरकारी आयुर्वेद अस्पतालों में दवाओं की आपूर्ति की जाती है। बढ़ती मांग के कारण कई अस्पतालों तक पर्याप्त मात्रा में दवाएं नहीं पहुंच पातीं, जिससे मरीजों को बाजार से दवाएं खरीदनी पड़ती हैं। नई फार्मेसी शुरू होने के बाद सबसे पहले अस्पतालों में सबसे अधिक उपयोग होने वाली सामान्य आयुर्वेदिक दवाओं का निर्माण किया जाएगा। इसके बाद चरणबद्ध तरीके से विशेष और दुर्लभ आयुर्वेदिक औषधियों का उत्पादन भी शुरू किया जाएगा। इससे सरकारी अस्पतालों में दवाओं की कमी दूर होने की उम्मीद है।

भोपाल संभाग को मिलेगा सीधा लाभ

नई इकाई के शुरू होने से भोपाल संभाग के आयुर्वेदिक अस्पतालों में दवाओं की आपूर्ति पहले की तुलना में अधिक तेज और सुगम होगी। इससे ग्वालियर फार्मेसी पर निर्भरता कम होगी और दवाओं की आपूर्ति में लगने वाला समय भी घटेगा। भविष्य में आवश्यकता के अनुसार प्रदेश के अन्य जिलों में भी यहां से दवाएं भेजी जा सकेंगी।

शोध और प्रशिक्षण को भी मिलेगा बढ़ावा

इस फार्मेसी में केवल दवाओं का उत्पादन ही नहीं होगा, बल्कि आयुर्वेदिक शोध से जुड़ी औषधियों का भी निर्माण किया जाएगा। इससे शोधार्थियों और विद्यार्थियों को व्यावहारिक प्रशिक्षण मिलेगा तथा गुणवत्तापूर्ण आयुर्वेदिक औषधियों के विकास को भी प्रोत्साहन मिलेगा।

मशीनें लगने के बाद शुरू होगा उत्पादन

पंडित खुशीलाल आयुर्वेद संस्थान के फार्मेसी अधीक्षक डॉ. राजकिशोर पति के अनुसार, फार्मेसी भवन का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। अब मशीनों की स्थापना के बाद उत्पादन शुरू किया जाएगा। उनका कहना है कि इसे एक मानक सरकारी आयुर्वेद फार्मेसी के रूप में विकसित किया जा रहा है, जहां सामान्य उपयोग की दवाओं के साथ शोध कार्यों के लिए आवश्यक औषधियां भी तैयार की जाएंगी।

कांग्रेस के बचे खुचे गढ़ को भेदने का शंखनाद

छिंदवाड़ा से जनविश्वास का आगाज कर सीएम ने साधे कई समीकरण

भोपाल । मुख्यमंत्री मोहन यादव ने शुक्रवार से जनविश्वास अभियान-2026 की शुरुआत छिंदवाड़ा से की। सरकार के लिए यह अभियान भले ही प्रशासनिक स्तर पर जनता की समस्याओं के समाधान, उन तक पहुंचाने और योजनाओं की जमीनी हकीकत परखने की पहल हो, लेकिन छिंदवाड़ा से इसकी शुरुआत ने इसके राजनीतिक मायने भी बढ़ा दिए हैं। लंबे समय तक कमलनाथ का मजबूत गढ़ रहे छिंदवाड़ा में भाजपा ने लोकसभा चुनाव में पहली बार बड़ी सेंध लगाई, लेकिन विधानसभा के समीकरण अभी भी कांग्रेस के पक्ष में हैं। ऐसे में जनविश्वास अभियान के जरिए भाजपा के सामने लोकसभा की जीत को विधानसभा स्तर पर मजबूत करने की चुनौती भी होगी। साथ ही इसे अगले साल होने वाले नगरीय निकाय चुनाव से भी जोड़ कर देखा जा रहा हैं।

लोकसभा में बदला समीकरण

छिंदवाड़ा लोकसभा सीट लंबे समय तक पूर्व सीएम व कांग्रेस के दिग्गज नेता कमलनाथ और उनके परिवार की राजनीतिक पहचान रही है। 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा ने इस सीट पर जीत दर्ज कर कांग्रेस के इस मजबूत गढ़ को बड़ा झटका दिया है। भाजपा प्रत्याशी बंटी साहू ने कमलनाथ के बेटे नकुलनाथ को चुनाव हराया। इसके बाद छिंदवाड़ा में भाजपा की राजनीतिक गतिविधियां भी बढ़ी हैं। मुख्यमंत्री का ताजा प्रदेशव्यापी जनविश्वास अभियान इसी जिले से शुरू करना इस बदले राजनीतिक समीकरण को और अहम बनाता है।

सात में से छह विस सीटें अब भी कांग्रेस के पास

लोकसभा में भाजपा की जीत के बावजूद विधानसभा स्तर पर तस्वीर अलग है। पांढुर्ना के अलग जिला बनने के बाद उसकी दो और छिंदवाड़ा जिले की पांच विधानसभा सीटों में चार पर कांग्रेस का कब्जा है। छिंदवाड़ा विधानसभा से कमलनाथ, चौरई से सुजीत चौधरी, जुन्नारदेव से सुनील उईके, परासिया से सोहन वाल्मीकि और पांढुर्ना से निलेश उईके और सौंसर से विजय चौरे कांग्रेस के विधायक हैं। अमरवाड़ा सीट का समीकरण जरूर बदला है। कांग्रेस विधायक कमलेश शाह भाजपा में शामिल हुए और उपचुनाव में भाजपा के टिकट पर जीत दर्ज की। हालांकि, इस उपचुनाव में उनकी जीत का अंतर पहले की तुलना में कम रहा। यानी भाजपा ने एक सीट अपने खाते में जरूर जोड़ी, लेकिन जिले की विधानसभा राजनीति में कांग्रेस की पकड़ अभी भी मजबूत है।

नगर निगम के चुनाव अगले साल

प्रदेश में 2027 में नगरीय निकाय चुनाव प्रस्तावित हैं। पिछले नगरीय निकाय चुनाव में छिंदवाड़ा नगर निगम के महापौर का चुनाव कांग्रेस के विक्रम अहाके जीते थे। हालांकि, बाद में उन्होंने भाजपा की सदस्यता ले ली। यानी इस बार नगरीय निकाय चुनाव में असल परीक्षा होगी कि छिंदवाड़ा में भाजपा ने कांग्रेस का किला ढहाया है या फिर अभी भी उसका दबदबा कायम है?

अब जनता के बीच सरकार की परीक्षा

जनविश्वास अभियान के तहत हर शुक्रवार मुख्यमंत्री, मंत्री और अधिकारी जनता के बीच पहुंचेंगे। योजनाओं की प्रगति, सरकारी सेवाओं और शिकायतों के निराकरण की समीक्षा होगी।

तेंदुए के अवैध शिकार-तस्करी गिरोह पर बड़ी कार्रवाई, आठवां शिकारी गिरफ्तार

भोपाल। मध्यप्रदेश स्टेट टाइगर स्ट्राइक फोर्स (एसटीएसएफ) ने तेंदुए के अवैध शिकार और तस्करी के अंतर्राज्यीय गिरोह के खिलाफ कार्रवाई करते हुए आठवें आरोपी शिकारी को गिरफ्तार किया है। आरोपी के कब्जे और उसकी निशानदेही पर तेंदुए का कंकाल, अन्य वन्यजीव अवयव तथा शिकार में प्रयुक्त फंदे बरामद किए गए हैं। एसटीएसएफ की कार्रवाई के तहत 23 जुलाई को उत्तरप्रदेश के आगरा में तेंदुए की 10 खालों के साथ शिकारी-तस्करों को पकड़ा गया था। जांच में गिरोह के तार मध्यप्रदेश से जुड़े पाए जाने के बाद एसटीएसएफ और स्थानीय वन अमले ने संयुक्त कार्रवाई कर सात आरोपियों को गिरफ्तार किया था।

मप्र में 20 प्रतिशत बारिश की कमी

भोपाल । मध्य प्रदेश में मानसून की रफ्तार कमजोर रहने से बारिश का आंकड़ा सामान्य से 20 प्रतिशत नीचे पहुंच गया है। इसी बीच शनिवार को पन्ना, सतना और रीवा में तेज बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विभाग के अनुसार इन जिलों में अगले 24 घंटे के दौरान करीब 4 इंच तक पानी गिर सकता है। प्रदेश के बाकी हिस्सों में हल्की बारिश या बूंदाबांदी के आसार हैं। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, ग्वालियर और जबलपुर में भी हल्की बारिश हो सकती है। प्रदेश में अब तक औसतन 16.8 इंच बारिश हुई है, जबकि इस अवधि में करीब 21 इंच पानी गिरना चाहिए था। यानी अब तक 4.2 इंच बारिश कम हुई है। सामान्य मानसूनी बारिश का आंकड़ा 37.3 इंच है।

पन्ना, सतना और रीवा में शनिवार को होने वाली तेज बारिश से स्थानीय स्तर पर बारिश की कमी कुछ कम हो सकती है, लेकिन पूरे प्रदेश के आंकड़े पर इसका बड़ा असर पडऩा मुश्किल है। खासकर पूर्वी मध्यप्रदेश के कई जिलों में अब भी सामान्य से काफी कम पानी गिरा है। जबलपुर, शहडोल, रीवा और सागर संभाग में सामान्य से करीब 23 प्रतिशत कम बारिश दर्ज हुई है। इन संभागों के कई जिलों में बारिश की कमी 5 से 48 प्रतिशत तक है।

49 जिलों में बारिश का आंकड़ा नीचे

प्रदेश के 49 जिलों में सामान्य से कम बारिश हुई है। अनूपपुर, बालाघाट, छतरपुर, छिंदवाड़ा, दमोह, डिंडौरी, जबलपुर, कटनी, मैहर, मंडला, मऊगंज, नरसिंहपुर, निवाड़ी, पांढुर्णा, पन्ना, रीवा, सागर, सतना, सिवनी, शहडोल, सीधी, सिंगरौली, टीकमगढ़ और उमरिया समेत कई जिलों में बारिश की कमी बनी हुई है। पश्चिमी मध्यप्रदेश में भी स्थिति बेहतर नहीं है। भोपाल, इंदौर, उज्जैन, नर्मदापुरम और ग्वालियर-चंबल संभाग में औसतन 17 प्रतिशत कम बारिश हुई है।

सिर्फ 6 जिलों में सामान्य से ज्यादा पानी

प्रदेश के केवल 6 जिले ऐसे हैं, जहां सामान्य से ज्यादा बारिश हुई है। इनमें ग्वालियर, भिंड, बुरहानपुर, देवास, खंडवा और खरगोन शामिल हैं। बाकी जिलों में या तो बारिश सामान्य से कम है या आंकड़ा सामान्य के आसपास है।

25 प्रतिशत से ज्यादा कमी पर सूखे का मानक

जानकारों के अनुसार सामान्य औसत से 25 प्रतिशत या उससे अधिक बारिश की कमी होने और इसका फसलों, मिट्टी की नमी तथा भूजल स्तर पर गंभीर असर पडऩे पर सूखे की स्थिति मानी जाती है। फिलहाल प्रदेश के कई जिलों में बारिश की कमी जरूर है, लेकिन आधिकारिक रूप से कहीं सूखा घोषित नहीं किया गया है। जिला स्तर पर सूखे का आकलन मानसून के बाद किया जाता है।

जून और जुलाई दोनों में पिछड़ा मानसून

इस बार मानसून की शुरुआत से ही बारिश का आंकड़ा कमजोर रहा। जून में प्रदेश में सामान्य से 14 प्रतिशत कम बारिश हुई। जुलाई में कुछ दिनों तक अच्छी बारिश से स्थिति सुधरी, लेकिन मानसून के दो बार कमजोर पडऩे से फिर कमी बढ़ गई। जुलाई के अंत में सक्रिय हुए बारिश के तंत्र के बावजूद महीने की बारिश सामान्य से कम रही। अब अगस्त में भी प्रदेश को अच्छी बारिश की जरूरत है। शनिवार को पन्ना, सतना और रीवा में तेज बारिश की संभावना से उम्मीद जगी है कि पूर्वी मध्यप्रदेश के कुछ इलाकों में बारिश की कमी कम हो सकती है।

भोपाल में पौधारोपण के नाम पर काटे गए 66 पेड़

भोपाल। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में हरियाली संरक्षण के सरकारी दावों के बीच पेड़ों की कटाई के दो मामलों ने नगर निगम और प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े कर दिए हैं। सबसे बड़ा मामला कलियासोत-भदभदा क्षेत्र का है, जहां पौधारोपण अभियान के दौरान 66 हरे-भरे पेड़ काट दिए गए। कार्रवाई के नाम पर ठेकेदार पर जुर्माना लगाया गया, लेकिन आपराधिक मामला दर्ज नहीं होने से विवाद गहरा गया है।

नगर निगम ने कलियासोत क्षेत्र में 10 हजार पौधे लगाने का ठेका दिया था। आरोप है कि ठेकेदार को केवल झाड़ियां हटाने की अनुमति थी, लेकिन उसने नीम, गूलर और शीशम जैसे 66 जीवित पेड़ों को काट दिया। स्थानीय लोगों के विरोध और मामला सार्वजनिक होने के बाद नगर निगम ने जांच शुरू की। प्रारंभिक जांच में ठेकेदार की लापरवाही सामने आने पर नगर निगम ने 3.30 लाख रुपये का जुर्माना लगाया। इसके साथ ही ठेकेदार को 660 औषधीय पौधे लगाने और तीन वर्ष तक उनके संरक्षण की जिम्मेदारी भी सौंपी गई। हालांकि, कुछ दिन पहले ही निगमायुक्त ने बिना अनुमति पेड़ काटने वालों के खिलाफ आपराधिक प्रकरण दर्ज कराने के निर्देश दिए थे। इसके बावजूद इस मामले में केवल आर्थिक दंड तक कार्रवाई सीमित रहने से प्रशासन की मंशा पर सवाल उठ रहे हैं।

पटेल नगर में भी पुराने पेड़ों की कटाई

दूसरा मामला पटेल नगर स्थित सेंट मॉन्टफोर्ट स्कूल के सामने का है, जहां सडक़ किनारे लगे वर्षों पुराने पेड़ों को काट दिया गया। स्थानीय नागरिकों का कहना है कि न तो कोई सूचना बोर्ड लगाया गया और न ही यह स्पष्ट किया गया कि पेड़ों की कटाई किस परियोजना के तहत की जा रही है। पर्यावरण कार्यकर्ताओं का कहना है कि एक सप्ताह के भीतर सामने आए इन दोनों मामलों ने शहर में हरियाली संरक्षण के दावों की पोल खोल दी है। उनका आरोप है कि यदि बिना अनुमति पेड़ काटने पर केवल जुर्माना लगाकर मामले बंद किए जाएंगे और जिम्मेदार एजेंसियों की जवाबदेही तय नहीं होगी, तो पर्यावरण संरक्षण के सरकारी अभियान प्रभावहीन साबित होंगे। यह घटनाक्रम ऐसे समय सामने आया है, जब प्रदेश सरकार बड़े पैमाने पर पौधारोपण अभियान चला रही है। ऐसे में पौधे लगाने के नाम पर पुराने और विकसित पेड़ों की कटाई तथा दोषियों पर सख्त कानूनी कार्रवाई न होना प्रशासनिक जवाबदेही और पर्यावरण संरक्षण, दोनों पर गंभीर सवाल खड़े करता है।

मप्र के 10 लाख कर्मचारियों को बड़ी राहत के संकेत

अगले वित्तीय वर्ष में 18 प्रतिशत तक बढ़ सकता है महंगाई भत्ता

भोपाल। मध्य प्रदेश के 10 लाख से अधिक सरकारी अधिकारियों और कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत की संभावना बन रही है। राज्य सरकार अगले वित्तीय वर्ष 2027-28 के बजट में महंगाई भत्ते (डीए) के लिए 78 प्रतिशत तक का बजट प्रावधान करने जा रही है। इसका उद्देश्य केंद्र सरकार द्वारा भविष्य में डीए बढ़ाए जाने पर राज्य कर्मचारियों को भी तत्काल लाभ देना है।

वर्तमान में प्रदेश के कर्मचारियों को 60 प्रतिशत महंगाई भत्ता मिल रहा है। हालांकि वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए सरकार ने 68 प्रतिशत की दर से बजट का प्रावधान रखा था। दूसरी ओर केंद्र सरकार केंद्रीय कर्मचारियों का डीए 62 प्रतिशत तक बढ़ा चुकी है, लेकिन राज्य सरकार ने वैश्विक आर्थिक परिस्थितियों, निर्यात पर असर और कमजोर मानसून की आशंका को देखते हुए अभी वृद्धि का फैसला नहीं किया। सरकार ने सभी विभागों को निर्देश दिए हैं कि वे अपने स्थापना व्यय में 78 प्रतिशत की दर से महंगाई भत्ते और महंगाई राहत का प्रावधान रखें। इसका मतलब है कि भविष्य में वर्तमान दर की तुलना में 18 प्रतिशत तक महंगाई भत्ते में वृद्धि की संभावना बन सकती है। सरकार की प्रारंभिक योजना के अनुसार 2027-28 में 78 प्रतिशत तक प्रावधान, 2028-29 में 88 प्रतिशत तक और 2029-30 में 98 प्रतिशत तक डीए में वृद्धि की संभावना है।

कर्मचारी और पेंशनर्स का बढ़ रहा दबाव

महंगाई भत्ते में बढ़ोतरी की मांग को लेकर कर्मचारी और पेंशनर संगठन लगातार सरकार पर दबाव बना रहे हैं। तृतीय वर्ग कर्मचारी संघ ने 18 अगस्त से आंदोलन की घोषणा की है। वहीं पेंशनर्स वेलफेयर एसोसिएशन ने सातवें वेतनमान के तहत न्यूनतम पेंशन 7,750 रुपये से बढ़ाकर 9,000 रुपये करने और 48 माह के एरियर का भुगतान करने की मांग दोहराई है।

संविदा कर्मचारियों और नियमित कर्मचारियों को भी लाभ

सरकार के प्रारंभिक बजट प्रस्ताव के अनुसार संविदा अधिकारियों और कर्मचारियों के पारिश्रमिक में 4 प्रतिशत वार्षिक वृद्धि जारी रहेगी। नियमित कर्मचारियों को 3 प्रतिशत वार्षिक वेतन वृद्धि देने का भी प्रस्ताव रखा गया है।

अंतिम फैसला केंद्र के डीए पर निर्भर

सरकार का यह बजट प्रावधान भविष्य की संभावित डीए वृद्धि को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। हालांकि कर्मचारियों को वास्तविक लाभ तभी मिलेगा, जब केंद्र सरकार महंगाई भत्ते में अगली बढ़ोतरी करेगी और उसके बाद राज्य सरकार भी इस संबंध में औपचारिक आदेश जारी करेगी। फिलहाल इसे बजट तैयारी का संकेत माना जा रहा है, न कि तत्काल लागू होने वाला निर्णय।

व्यापमं घोटाले का खामियाजा आज भी युवा भुगत रहे हैं - अजय सिंह

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने आरोप लगाया है कि देशभर में लगातार सामने आ रहे पेपर लीक मामलों की शुरुआत मध्यप्रदेश के व्यापमं घोटाले से हुई थी। उन्होंने कहा कि शिवराज सरकार के कार्यकाल में हुआ व्यापमं घोटाला देश का पहला संगठित परीक्षा घोटाला था और यदि उस समय इसके शीर्ष आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई होती, तो बाद में नीट सहित अन्य राष्ट्रीय स्तर की परीक्षाओं में पेपर लीक जैसी घटनाओं पर अंकुश लगाया जा सकता था। अजय सिंह ने कहा कि व्यापमं घोटाला केवल आर्थिक अनियमितता का मामला नहीं था, बल्कि यह एक गंभीर और बहुचर्चित प्रकरण था। उन्होंने दावा किया कि जांच के दौरान कई गवाहों, पत्रकारों और संदिग्धों की रहस्यमय परिस्थितियों में मौत हुई, जबकि आज भी अनेक मामले अदालतों में लंबित हैं। उनके अनुसार बड़े आरोपियों को राजनीतिक संरक्षण मिला और केवल छोटे स्तर के लोगों पर कार्रवाई कर मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया गया। पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने आरोप लगाया कि मध्यप्रदेश से शुरू हुआ परीक्षा भ्रष्टाचार का यह सिलसिला अब राष्ट्रीय स्तर तक फैल चुका है और करोड़ों युवाओं का भविष्य प्रभावित हो रहा है। उन्होंने व्यापमं से जुड़े लंबित मामलों की फास्ट ट्रैक कोर्ट में सुनवाई कर दोषियों के खिलाफ शीघ्र कार्रवाई की मांग की। अजय सिंह ने कहा कि नीट और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए दोषरहित परीक्षा प्रणाली विकसित करने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी छात्रों की गूंज अभियान के माध्यम से छात्रों की समस्याओं और उनके भविष्य से जुड़े मुद्दों को देशभर में उठा रहे हैं। उनके अनुसार छात्रों का विश्वास बहाल करने के लिए सरकार को संवाद और ठोस सुधारात्मक कदम उठाने चाहिए।

फेसलेस रजिस्ट्री में नया नियम- नहीं अटकेगा काम, जहां अधिकारी खाली वहीं पहुंचेगी आपकी फाइल

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने फेसलेस रजिस्ट्री व्यवस्था को अधिक तेज और प्रभावी बनाने के लिए नियमों में बड़ा बदलाव किया है। अब प्रदेश का कोई भी सब-रजिस्ट्रार किसी भी जिले की फेसलेस रजिस्ट्री और अन्य फेसलेस दस्तावेजों का पंजीयन कर सकेगा। पंजीयन एवं मुद्रांक विभाग के क्षेत्रीय अधिकारियों के अधिकार क्षेत्र का पूरे प्रदेश के सभी उपजिलों तक विस्तार किया है। फरवरी 2026 में शुरू किए गए साइबर सब-रजिस्ट्रार कार्यालय के जरिए अब तक 10 हजार से अधिक दस्तावेजों का ऑनलाइन पंजीयन हो चुका है। नई व्यवस्था के तहत यदि किसी जिले में काम का बोझ अधिक है और दूसरे जिले में अधिकारी के पास समय है, तब सिस्टम खुद-ब-खुद फाइल उस उपलब्ध सब-रजिस्ट्रार के पास भेज देगा। इससे किसी एक कार्यालय में फाइलें अटकी नहीं रहेंगी और काम तेजी से पूरा होगा। इस संशोधन से आम नागरिकों को भारी राहत मिलेगी। अब लोगों को रजिस्ट्री या अन्य दस्तावेजों के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं कटना होगा और उनके समय की बचत होगी। हलफनामा, वसीयत और रजिस्ट्री जैसे फेसलेस दस्तावेज समय पर और बिना किसी रुकावट के पंजीकृत हो सकते है। मप्र सरकार के इस कदम से लंबित मामलों में कमी आएगी, प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता आएगी और नागरिकों को घर बैठे या आसानी से त्वरित सेवाएं मिल सकेंगी।

वनडे क्रिकेट में 5000 मैच पूरे, सचिन तेंदुलकर का सर्वाधिक रन का विश्व रिकॉर्ड आज भी बरकरार

नई दिल्ली। स्कॉटलैंड और कनाडा के बीच खेला गया हालिया मुकाबला वनडे क्रिकेट के इतिहास का 5000वां मैच था, जिसे स्कॉटलैंड ने 9 रनों के अंतर से जीता। क्रिकेट के किसी भी फॉर्मेट के मुकाबले वनडे में अब तक सबसे ज्यादा मैच खेले गए हैं। क्रिकेट के इतिहास का सबसे पुराना फॉर्मेट टेस्ट क्रिकेट में अभी तक 2628 मुकाबले खेले गए हैं, जबकि सबसे नए फॉर्मेट टी20 में 4059 मैच खेले जा चुके हैं। जिस तादाद में टी20 क्रिकेट खेला जा रहा है, यह निश्चित रूप से आने वाले कुछ समय में वनडे क्रिकेट के इस रिकॉर्ड को पीछे छोड़ देगा। वनडे क्रिकेट के इस महत्वपूर्ण 5000वें मुकाबले के उपलक्ष्य में इस फॉर्मेट के कुछ ऐसे रिकॉर्ड्स मीडिया में साझा किए हैं, जिन पर या तो खिलाड़ियों ने या टीमों ने लंबे समय तक राज किया है। इस लिस्ट में 'क्रिकेट के भगवान' कहे जाने वाले

सचिन तेंदुलकर के नाम एक ऐसा अद्वितीय विश्व रिकॉर्ड है, जो आज भी उनके नाम दर्ज है, भले ही उन्होंने अपना आखिरी वनडे 2012 में खेला था। सचिन तेंदुलकर के नाम पिछले 26 सालों से वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने अपने करियर का अंत रिकॉर्ड 18426 रनों के साथ किया। मास्टर ब्लास्टर को वनडे से संन्यास लिए हुए 14 साल हो गए हैं, मगर आज भी उनके नाम यह रिकॉर्ड है। विराट कोहली 14941 रनों के साथ ठीक उनके पीछे हैं, मगर सचिन तेंदुलकर को पछाड़ना उनके लिए लगभग नामुमकिन है। कोहली टेस्ट और टी20 क्रिकेट से रिटायरमेंट ले चुके हैं, वह सिर्फ वनडे में ही एक्टिव हैं। हालांकि उनके अभी 2027 विश्व कप खेलने पर ही सवाल हैं। ऐसे में उनके लिए सचिन का यह रिकॉर्ड तोड़ पाना नामुमकिन ही माना जा रहा है। जिस तरह से वनडे क्रिकेट में हाल के वर्षों में गिरावट आई है, उसे देखकर यह कहना भी गलत नहीं होगा कि सचिन का यह रिकॉर्ड अब अमर हो गया है। संभावना बहुत कम है कि अब कोई ऐसा खिलाड़ी होगा जो वनडे में सचिन तेंदुलकर का 18426 रनों का यह विश्व रिकॉर्ड तोड़ पाएगा, जो उनकी अद्वितीय प्रतिभा और निरंतरता का एक शानदार प्रमाण है। इनमें से कई रिकॉर्ड आज भी अमर हैं और कई रिकॉर्ड धवस्त हो चुके हैं।

सबसे ज्यादा टीम टोटल- श्रीलंका (3710 दिन)
सबसे ज्यादा व्यक्तिगत स्कोर- विव रिचर्ड्स (4738 दिन)
बेस्ट बॉलिंग फिगर- चमिंडा वास (25 साल)
सबसे ज्यादा विकेट- मुथैया मुरलीधरन (17 साल)
सबसे ज्यादा रन- सचिन तेंदुलकर (26 साल)
सबसे तेज शतक- शाहिद अफ़रीदी (6298 दिन)
सबसे तेज फिफ्टी- सनथ जयसूर्या (6860 दिन)
सबसे ज्यादा शतक- सचिन तेंदुलकर (9171 दिन)
सबसे ज्यादा पांच विकेट हॉल- वकार यूनिस (33 साल)

राशिद खान के छक्के ने आयरलैंड को धूल चटाई, अफगानिस्तान ने जीती वनडे सीरीज

नई दिल्ली । राशिद खान की शानदार और घातक गेंदबाजी की बदौलत अफगानिस्तान ने पांच वनडे मैचों की सीरीज के दूसरे मुकाबले में आयरलैंड को 92 रनों से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही अफगानिस्तान ने सीरीज में 1-0 की महत्वपूर्ण बढ़त बना ली है। बारिश से प्रभावित इस मुकाबले को संशोधित कर 47 ओवरों का कर दिया गया था, जिसमें अफगानिस्तान की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित ओवरों में 8 विकेट के नुकसान पर 299 रनों का मजबूत स्कोर खड़ा किया। इसके जवाब में आयरलैंड की टीम राशिद खान की फिरकी के सामने टिक नहीं पाई और 33 ।4 ओवर में 207 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

अफगानिस्तान की इस प्रभावशाली जीत के असली नायक कप्तान राशिद खान ही रहे, जिन्होंने अपनी गेंदबाजी से मैच का रुख पलट दिया। राशिद ने 7 ।4 ओवर में सिर्फ 34 रन खर्च कर 6 महत्वपूर्ण विकेट अपने नाम किए। बारिश से प्रभावित परिस्थितियों में भी राशिद की फिरकी के जादू ने आयरलैंड के बल्लेबाजों को क्रीज पर जमने नहीं दिया और उनके लिए रन बनाना मुश्किल हो गया। राशिद के 6 विकेट के अलावा, अफगानिस्तान के लिए अजमतुल्लाह ओमरजई ने भी 2 विकेट चटकाए, जबकि फजलहक फारुखी के खाते में 1 विकेट आया, जिससे आयरिश बल्लेबाजी ताश के पत्तों की तरह ढह गई।

लक्ष्य का पीछा करते हुए, आयरलैंड की बल्लेबाजी पूरी तरह से लड़खड़ा गई और टीम के लिए केड कारमाइकल को छोड़कर कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल सका। कारमाइकल ने अकेले संघर्ष करते हुए 66 गेंदों में 62 रनों की जुझारू पारी खेली। उनके अलावा, एंडी बालबर्नी ने 42 गेंदों में 36 रनों का योगदान दिया, जबकि बेन क्लिट्ज ने 27 और कर्टिस कैंफर व लॉरकैन टकर ने 23-23 रन बनाए। हालांकि, ये योगदान टीम को लक्ष्य तक पहुंचाने के लिए पर्याप्त नहीं थे।

शिखर धवन ने कहा, रोहित और विराट 2027 विश्व कप में टीम के लिए मूल्यवान साबित होंगे

नई दिल्ली। रोहित शर्मा और विराट कोहली ने साफ कर दिया है कि वह आगामी 2027 विश्व कप खेलना चाहते हैं, मगर चयनकर्ता और टीम मैनेजमेंट की तरफ से उनकी स्थिति अभी स्पष्ट नहीं है। ऐसे में क्रिकेट विशेषज्ञों से लगातार इन दोनों दिग्गजों को लेकर सवाल किया जाता है। जब यही सवाल उनके साथी क्रिकेटर शिखर धवन से किया गया तो उन्होंने रोहित और विराट का समर्थन करते हुए कहा कि वे 2027 विश्व कप में भारतीय टीम में बहुत वैल्यू ऐड करेंगे और टीम को जीत दिलाने में मदद करेंगे।

बता दें, इंग्लैंड के खिलाफ हाल ही में हुई वनडे सीरीज के दौरान रोहित शर्मा के रिटायरमेंट की खबरों से क्रिकेट का बाजार गर्म था। ऐसी रिपोर्ट्स सामने आई थीं कि चयनकर्ताओं ने हिटमैन को बता दिया है कि वह वर्ल्ड कप स्कीम का हिस्सा नहीं हैं। हालांकि इसको लेकर रोहित ने बीसीसीआई के आला अधिकारियों से बात की और इन सभी रिपोर्ट्स पर पूर्ण विराम लगवाया। रोहित शर्मा और विराट कोहली पर सवाल उनकी बढ़ती उम्र के कारण उठ रहे हैं। विराट फिलहाल 37 साल के हैं, नवंबर में 38 के

हो जाएंगे। वहीं रोहित शर्मा अभी 39 साल के हैं और अगले साल विश्व कप से पहले 40 के हो जाएंगे। ऐसे में उनकी फिटनेस और फॉर्म को लेकर टीम मैनेजमेंट संदेह में हैं। धवन ने कोहली और रोहित की प्रशंसा करते हुए उन्हें दिग्गज खिलाड़ी बताया जिन्होंने कई वर्षों तक भारतीय क्रिकेट की सेवा की है। उन्होंने कहा कि जब वे लगभग 16 साल के थे तब से उनका दोनों के साथ एक रिश्ता है। धवन ने लॉर्ड्स में रोहित के हालिया शतक की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने अपने बल्ले से चुनौतीपूर्ण दौर का जवाब दिया और पिछले कुछ सालों में लगातार अपनी क्षमता साबित की है। उन्होंने कोहली की फिटनेस और प्रदर्शन की भी सराहना की और कहा कि उनकी जितनी प्रशंसा की जाए, उतनी कम है।

एक चर्चा में शिखर धवन ने कहा कि वे लेजेंड हैं, उन्होंने इतने सालों तक देश के लिए परफॉर्म किया है। चाहे विराट हों या रोहित, हम सभी का रिश्ता तब से है जब हम लगभग 16 साल के थे। वे मुझसे 2-3 साल छोटे हैं। और यह बहुत खुशी की बात है कि वे अब तैयारी कर रहे हैं। रोहित ने हाल ही में लॉर्ड्स में सेंचुरी बनाई, तो उन्होंने एक शानदार सेंचुरी बनाई और दिखाया कि उनका बल्ला कैसे बोलता है। खैर, वह इतने सालों से यह दिखा रहे हैं। और जब थोड़ी मुश्किल सिचुएशन आई, तो उन्होंने अपने बल्ले से जवाब दिया। और विराट की बात करें तो उनकी जितनी तारीफ की जाए, उतनी कम है। खुद को इतना फिट रखना, इतना अच्छा परफॉर्म करना। धवन ने भरोसा जताया कि दोनों खिलाड़ी टीम में शानदार प्रदर्शन करेंगे और भारत को विश्व कप जीतने में मदद करेंगे।

ऋषभ पंत टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के पूरे करने वाले पहले भारतीय बनने के करीब

नई दिल्ली। भारतीय टीम के विकेटकीपर-बल्लेबाज ऋषभ पंत श्रीलंका के खिलाफ आगामी टेस्ट सीरीज के दौरान एक बड़ी उपलब्धि हासिल करने के करीब हैं। वह टेस्ट क्रिकेट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय बनने से सिर्फ तीन छक्के दूर हैं। भारत और श्रीलंका के बीच 15 अगस्त से होने वाली टेस्ट सीरीज में ऋषभ पंत के बतौर विकेटकीपर-बल्लेबाज खेलने की संभावना है, जबकि तीन दिवसीय प्रैक्टिस मैच में ध्रुव जुरेल विकेटकीपिंग की जिम्मेदारी संभाल रहे थे। भारत और श्रीलंका के बीच गाले में अगला शनिवार को पहला टेस्ट मैच शुरू होगा। ऋषभ पंत ने अगस्त 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ ट्रेंट ब्रिज में टेस्ट डेब्यू किया था। अपने आठ साल के करियर के दौरान, उन्होंने 50 टेस्ट खेलते हुए अब तक कुल 97 छक्के लगाए हैं। वह वर्तमान में टेस्ट क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज हैं। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज के दौरान ऋषभ पंत की नजरें टेस्ट में 100 छक्के पूरा करने पर होंगी। उनको इस आंकड़े तक पहुंचने के लिए सिर्फ तीन छक्कों की जरूरत है, और अगर वह ऐसा कर पाते हैं, तो वह टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बन जाएंगे। इस समय दुनिया भर में केवल एडम गिलक्रिस्ट, ब्रेंडन मैकुलम और बेन स्टोक्स ने ही टेस्ट क्रिकेट में 100 से अधिक छक्के लगाए हैं। इंग्लैंड के पूर्व कप्तान बेन स्टोक्स टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में शीर्ष पर हैं। उन्होंने 2013 से 2026 के बीच 122 टेस्ट मैचों में 138 छक्के लगाए हैं। इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर न्यूजीलैंड के पूर्व बल्लेबाज ब्रेंडन मैकुलम हैं, जिन्होंने 101 टेस्ट में 107 छक्के मारे हैं। ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज विकेटकीपर-बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट टेस्ट में 100 छक्के लगाने वाले पहले बल्लेबाज रहे थे। उन्होंने 1999 से 2008 के बीच 96 मैचों में 100 छक्के लगाए थे। पंत ने अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट में शानदार पारी खेली थी, जिसमें उन्होंने 121 गेंद में 81 रन बनाए और अपनी पारी में 6 चौके और 3 छक्के लगाए। हाल के दिनों में घरेलू मैदान पर न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखलाओं में भारतीय बल्लेबाजों की सबसे बड़ी कमजोरी बेहतर स्पिन गेंदबाजी के सामने उजागर हुई थी।

2027 विश्व कप हेतु शमी और भुवनेश्वर को लेकर आकाश चोपड़ा की राय

नई दिल्ली। 2027 विश्व कप को लेकर अभी काफी समय शेष है, लेकिन टीम में कौन-कौन से खिलाड़ी होने चाहिए, इसकी चर्चा तेज हो गई है। भारतीय टीम की गेंदबाजी लाइन-अप को लेकर तमाम तरह की अनिश्चितताएं बनी हुई हैं, खासकर मोहम्मद शमी और भुवनेश्वर कुमार जैसे अनुभवी गेंदबाजों की भूमिका पर। मशहूर कमेंटेटर और पूर्व भारतीय क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने इन दोनों गेंदबाजों के चयन पर अपनी राय व्यक्त की है और साथ ही बताया है कि कब तक पता चल जाएगा कि 2027 विश्व कप में उनकी जगह बनेगी या नहीं।

रोहित शर्मा की डांट से प्रेरित यशस्वी जायसवाल श्रीलंका में करेंगे कमाल!

नई दिल्ली । भले ही रोहित शर्मा टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले चुके हैं, लेकिन उन्होंने मैदान पर कुछ ऐसे यादगार पल दिए हैं, जिन्हें फैंस ही नहीं, बल्कि उनके साथ खेले खिलाड़ी भी कभी नहीं भूल पाएंगे। ऐसा ही एक किस्सा युवा ओपनर बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल के साथ हुआ, जिसे याद कर वह सोशल मीडिया पर पोस्ट करने से खुद को रोक नहीं पाए। यशस्वी इन दिनों श्रीलंका में हैं, जहां भारतीय टीम दो मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए गई हुई है। यशस्वी ने प्रैक्टिस के दौरान कैच लेते हुए अपनी कुछ तस्वीरें पोस्ट कीं और उसके साथ जो कैप्शन लिखा, उसने फैंस को रोहित शर्मा के वायरल स्टंप माइक वीडियो की याद दिला दी। यशस्वी ने नेट्स में अभ्यास की कुछ तस्वीरें इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए लिखा, 'क्योंकि एक लीजेंड ने कहा था, 'जब तक खेलेगा नहीं, तब तक उठने का नहीं।' इस एक लाइन ने फैंस को सीधे बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 के ऑस्ट्रेलिया दौरे की याद दिला दी, जब रोहित शर्मा ने मैदान पर ही यशस्वी को सलाह दी थी। दरअसल, उस मैच में यशस्वी जायसवाल फॉरवर्ड शॉर्ट लेग पर फील्डिंग कर रहे थे। ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ के शॉट पूरा खेलने से पहले ही वह अपनी जगह से उठ गए थे। तब स्लिप में कप्तानी कर रहे रोहित शर्मा ने उन्हें हल्के डांटते हुए कहा था, 'अबे जस्सू, गली क्रिकेट खेल रहा है क्या? नीचे बैठ के रहज् जब तक खेलेगा नहीं, तब तक उठने का नहीं।' रोहित की यह आवाज स्टंप माइक में रिकॉर्ड हो गई और तुरंत ही वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। रोहित का यह सीधा और दोस्ताना अंदाज फैंस को काफी पसंद आया था।

अब भारतीय टीम 15 अगस्त से गॉल में श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों की टेस्ट सीरीज का आगाज करेगी। शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम के लिए यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के लिहाज से भी अहम मानी जा रही है और भारत को सीरीज 2-0 से जीतनी है। ऐसे में टॉप ऑर्डर में यशस्वी जायसवाल की सबसे बड़ी भूमिका रहने वाली है। उनसे एक बार फिर बड़ी पारियों की उम्मीद होगी, क्योंकि हाल के मुकाबलों में उनका प्रदर्शन उम्मीद के मुताबिक नहीं रहा है। इसलिए श्रीलंका दौरा उनके लिए लय हासिल करने और खुद को साबित करने का एक अच्छा मौका होगा। यशस्वी का यह सोशल मीडिया पोस्ट दिखाता है कि रोहित की उस सलाह का उनके ऊपर गहरा और सकारात्मक प्रभाव पड़ा है, जो उन्हें मैदान पर बेहतर प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित कर रहा है।

रियल मैड्रिड ने 2032 तक बढ़ाया विनिसियस जूनियर का अनुबंध

नई दिल्ली। ब्राजील के स्टार फुटबॉलर विनिसियस जूनियर ने स्पेन के दिग्गज क्लब रियल मैड्रिड के साथ अपना अनुबंध जून 2032 तक बढ़ा लिया है। क्लब ने आधिकारिक बयान जारी कर इसकी पुष्टि करते हुए कहा कि दोनों पक्ष नए समझौते पर सहमत हो गए हैं। इस फैसले के साथ ही पिछले कई महीनों से उनके संभावित ट्रांसफर को लेकर चल रही अटकलों पर विराम लग गया है। हाल के समय में स्पेनिश मीडिया में ऐसी खबरें सामने आई थीं कि विनिसियस क्लब छोड़ सकते हैं और इंग्लैंड के क्लब आर्सेनल की उन पर नजर है। हालांकि नए अनुबंध के बाद साफ हो गया है कि वह आने वाले वर्षों में भी रियल मैड्रिड की योजनाओं का अहम हिस्सा बने रहेंगे। नए सत्र में उनके साथ किलियन एम्बाप्पे, बर्नार्डो सिल्वा और डियोमांडे जैसे खिलाड़ी टीम के आक्रमण को मजबूती देंगे। वहीं मजबूत फॉरवर्ड लाइन के कारण एंड्रिक और ब्राहिम डियाज के भविष्य को लेकर चर्चाएं तेज हो सकती हैं।

विनिसियस ने वर्ष 2018 में 18 वर्ष की उम्र में रियल मैड्रिड का दामन थामा था। आठ सत्रों में उन्होंने क्लब के लिए 375 मुकाबले खेले और 128 गोल किए। इस दौरान उन्होंने टीम को दो यूईएफए चैंपियंस लीग, तीन क्लब विश्व कप, दो यूईएफए सुपर कप, तीन ला लीगा, एक कोपा डेल रे और तीन स्पेनिश सुपर कप सहित कुल 14 बड़े खिताब जिताने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। पिछले दो चैंपियंस लीग फाइनल में उनके गोल टीम की सफलता के लिए निर्णायक साबित हुए। व्यक्तिगत उपलब्धियों में भी विनिसियस का रिकॉर्ड शानदार रहा है। उन्हें वर्ष 2024 का द बेस्ट फीफा मेंस प्लेयर पुरस्कार मिला। इसके अलावा इंटरकॉन्टिनेंटल कप 2024 में गोल्डन बॉल, 2023-24 चैंपियंस लीग के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी, 2022 क्लब विश्व कप के गोल्डन बॉल और 2021-22 चैंपियंस लीग के सर्वश्रेष्ठ युवा खिलाड़ी का सम्मान भी मिल चुका है।

शुभमन गिल की चोट ने बढ़ाई चिंता, श्रीलंका टेस्ट में चौथे नंबर पर तीन दावेदार

नई दिल्ली । कोलंबो में श्रीलंका एकादश के खिलाफ तीन दिवसीय वॉर्मअप मैच के पहले ही दिन भारतीय खेमे से चिंताजनक खबर सामने आई। भारतीय कप्तान शुभमन गिल दाहिने हाथ की रिंग फिंगर में चोट के कारण मैदान पर नहीं उतर सके। यह चोट उन्हें अभ्यास सत्र के दौरान गेंद लगने से लगी थी। नेट सेशन में बल्लेबाजी करते समय गिल को हाथ पर दो बार गेंद लगी, जिसके बाद उन्हें तुरंत चिकित्सा सहायता लेनी पड़ी। हालांकि गिल का इस अभ्यास मैच से बाहर रहना एहतियाती कदम माना जा रहा है, लेकिन 15 अगस्त से गॉल में शुरू हो रहे पहले टेस्ट मैच में अब केवल एक सप्ताह का समय बचा है। ऐसे में गिल का रिकवरी टाइमलाइन अनिश्चित होना भारतीय टीम प्रबंधन के लिए सिरदर्द बन गया है। अगर चोट के कारण गिल पहले टेस्ट से बाहर होते हैं, तो चौथे नंबर के अहम बल्लेबाजी क्रम पर उनकी जगह लेने के लिए तीन मुख्य दावेदार रेस में शामिल हैं, जिन पर टीम प्रबंधन विचार कर सकता है। शुभमन गिल की जगह चौथे नंबर पर उतरने के लिए देवदत्त पडिक्कल सबसे मजबूत और तार्किक दावेदार नजर आते हैं। वह एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में दौरे का हिस्सा हैं। पडिक्कल घरेलू क्रिकेट में लगातार शानदार प्रदर्शन करते रहे हैं और रणजी ट्रॉफी में बीते कुछ सालों में सबसे निरंतर रन बनाने वाले बल्लेबाजों में शामिल रहे हैं। इसके अलावा उन्होंने चौथे नंबर पर काफी बल्लेबाजी की है, जिससे उन्हें अनुभव का लाभ मिल सकता है। अगर टीम प्रबंधन दाएं-बाएं हाथ के बल्लेबाजी संयोजन और सीधे विकल्प की तलाश में है, तो ध्रुव जुरेल सबसे सटीक नाम हैं। दाएं हाथ के इस युवा बल्लेबाज ने अब तक अपने छोटे से टेस्ट करियर में नंबर चार से लेकर नंबर छह के बीच नौ पारियां खेली हैं। कठिन और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में जुरेल ने 34 ।14 की औसत से 478 रन बनाए हैं। उनके ये आंकड़े साबित करते हैं कि वह केवल ऋषभ पंत के बैकअप विकेटकीपर ही नहीं, बल्कि एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में भी अंतिम एकादश में शामिल होने का दम रखते हैं।

गिल के स्थान की भरपाई के लिए रवींद्र जडेजा को ऊपर भेजना कोई सीधा फेरबदल नहीं होगा, लेकिन यह एक रणनीतिक कदम हो सकता है। हाल ही में रविचंद्रन अश्विन ने जडेजा के बढ़ते बल्लेबाजी योगदान और उम्र को देखते हुए उन्हें 'बैटिंग ऑलराउंडर' के रूप में परिभाषित किया था। श्रीलंकाई परिस्थितियों में भले ही स्पिन की जिम्मेदारी कुलदीप यादव, मानव सुथार या सारांश जैन के कंधों पर अधिक रहे, लेकिन जडेजा का अनुभव टीम के बेहद काम आ सकता है।

आईपीएल 2027 में आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों की भागीदारी पर मुश्किल फैसलों के संकेत

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने संकेत दिए हैं कि देश के प्रमुख टेस्ट क्रिकेटरों को अगले साल होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2027 में अपनी भागीदारी को लेकर मुश्किल फैसले लेने पड़ सकते हैं। टीम अपने अंतर्राष्टीय कैलेंडर के सबसे व्यस्त दौर में से एक के लिए तैयारी कर रही है, जिसमें अगले 12 महीनों में 20 टेस्ट और 14 व्हाइट-बॉल अंतर्राष्टीय मैच शामिल हैं। इसमें भारत में होने वाली पांच मैचों की टेस्ट सीरीज और इंग्लैंड के खिलाफ एशेज श्रृंखला भी शामिल है। आईपीएल 2027 मार्च के मध्य से मई के अंत तक चलने की उम्मीद है, जो जून में संभावित विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल से ठीक पहले का समय है। मैकडोनाल्ड ने एक बातचीत में कहा कि आईपीएल उनके कई खिलाड़ियों के लिए मैनेजमेंट प्लान का हिस्सा है और उनका मानना है कि टी20 क्रिकेट की सबसे अच्छी प्रतियोगिता में अपने बेहतरीन खिलाड़ियों को खेलने का मौका देने से उनके प्रदर्शन में भी फायदा होता है। हालांकि, उन्होंने इस बात पर

जोर दिया कि इसमें संतुलन बनाना होगा। पैट कमिंस, मिचेल स्टार्क, जोश हेजलवुड, कैमरन ग्रीन और ट्रेविस हेड जैसे कई प्रमुख ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी वर्तमान में आईपीएल फ्रेंचाइजी से जुड़े हुए हैं। जोश इंग्लिस भी लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम का हिस्सा हैं। ऑस्ट्रेलिया के नियमित टेस्ट खिलाड़ियों द्वारा टूर्नामेंट से हटने या अपनी उपलब्धता सीमित करने का कोई भी फैसला फ्रेंचाइजी की प्लानिंग पर बड़ा असर डाल सकता है, खासकर खिलाड़ियों को रिटेन करने के मामले में।

वर्कलोड पर होने वाली चर्चा में ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाजों का मुद्दा अहम रहने की संभावना है। मैकडोनाल्ड ने एक और व्यस्त अंतर्राष्टीय चक्र से पहले तेज गेंदबाजों को रिकवरी के लिए पर्याप्त समय देने की आवश्यकता पर जोर दिया है। एशेज और वनडे विश्व कप ऑस्ट्रेलिया के मुख्य लक्ष्यों में शामिल हैं, जिससे खिलाड़ियों की फिटनेस और वर्कलोड प्रबंधन बहुत महत्वपूर्ण हो जाता है। मैकडोनाल्ड ने कहा, मुझे पता है कि लोग देश बनाम फ्रेंचाइजी और ऐसी बातें करते हैं, लेकिन इस समय की अहम बात यह है कि हम अपने तेज गेंदबाजों को अपने शरीर को ठीक करने और उन 20 या 21 मैचों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार होने का मौका दे रहे हैं, जिनकी सब बात करते हैं। ऑस्ट्रेलिया ने पहले भी ऐसा ही तरीका अपनाया है, और मैकडोनाल्ड ने संकेत दिया कि ऑस्ट्रेलिया एक समान तरीका अपनाने के बजाय खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक स्थिति के आधार पर अलग-अलग फैसले ले सकता है, जिससे अंतर्राष्टीय प्रतिबद्धताओं और आईपीएल के बीच संतुलन स्थापित हो सके।

कैनेडियन ओपन में लेला फर्नांडीज ने मीरा आंद्रीवा को हराकर अंतिम 16 में जगह बनाई

नई दिल्ली । कनाडा की टेनिस खिलाड़ी लेला फर्नांडीज ने कैनेडियन ओपन के महिला एकल मुकाबले के तीसरे दौर में रूस की मीरा आंद्रीवा को 6-1, 6-4 से हराकर अंतिम 16 में प्रवेश किया है। यूएस ओपन 2021 के फाइनल तक का सफर तय करने वाली फर्नांडीज के लिए यह जीत इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि उन्होंने दुनिया की टॉप-10 खिलाड़ियों के खिलाफ अपनी लगातार सात हार का सिलसिला तोड़ा। इस जीत के साथ, फर्नांडीज ने अपने देश के इस खास टूर्नामेंट में अपने अब तक के सबसे अच्छे नतीजे की बराबरी की है और अब उनका मुकाबला पूर्व यूएस ओपन विजेता और जापान की खिलाड़ी नाओमी ओसाका से होगा।

फर्नांडीज, जो 30वीं रैंकिंग पर हैं, ने पांचवीं वरीयता प्राप्त आंद्रीवा के खिलाफ मात्र 1 घंटे 21 मिनट में यह शानदार जीत दर्ज की। यह एक साल से भी ज्यादा समय में किसी टॉप-10 खिलाड़ी के खिलाफ उनकी पहली जीत है; पिछली बार उन्होंने मुबाडाला डीसी ओपन में विश्व की नंबर 4 खिलाड़ी जेसिका पेगुला को मात दी थी। मैच में फर्नांडीज ने शुरुआती बढ़त बनाते हुए 6-1, 5-1 तक का स्कोर आसानी से हासिल कर लिया था। हालांकि, 20 वर्षीय आंद्रीवा ने वापसी करते हुए आठवें गेम में 0-30 से पिछड़ने के बावजूद गेम अपने नाम किया और स्कोर 5-4 कर दिया। लेकिन 5-4 के स्कोर पर फर्नांडीज की सर्विस के दौरान आंद्रीवा का 0-15 पर फोरहैंड शॉट चूकना निर्णायक साबित हुआ और फर्नांडीज ने तीन अंक बाद ही जीत पक्की कर ली।

मैच के बाद फर्नांडीज ने अपनी रणनीति का खुलासा करते हुए कहा, मेरे लिए सबसे जरूरी था सकारात्मक रहना, मजबूत बने रहना और सब्र रखना। मुझे पता था कि वह आसानी से अंक नहीं देने वाली थीं। शुरुआत में कई लंबी रैलियां हुईं और मेरे लिए महत्वपूर्ण था कि मैं डटी रहूं, अपनी काबिलियत पर भरोसा रखूं और पूरे मैच के दौरान अपना गेम खेलती रहूं। मैच के आंकड़े भी उनकी सधी हुई रणनीति का समर्थन करते हैं। आंद्रीवा ने पहले सेट में 19 और पूरे मैच में कुल 34 अनफोर्स्ड एरर किए, जो उनके 17 विनर्स से दोगुने थे। वहीं, फर्नांडीज ने आठ विनर्स लगाए और केवल सात अनफोर्स्ड एरर किए, जिससे उनकी निरंतरता और सटीकता स्पष्ट होती है। अब फर्नांडीज राउंड ऑफ 16 में नाओमी ओसाका (11वीं वरीयता प्राप्त) से भिड़ेंगी, जिन्होंने एलिस मर्टेंस को 6-1, 6-4 से हराया था।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पुरस्कारों में ट्रेविस हेड का जलवा

सिडनी। ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट के वार्षिक सम्मान समारोह में सलामी बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने लगातार दूसरे वर्ष प्रतिष्ठित एलन बॉर्डर मेडल जीतकर अपनी शानदार फॉर्म का प्रमाण दिया। वर्ष 2025-26 के प्रदर्शन के आधार पर दिए गए इस सम्मान में हेड ने 153 मत हासिल किए, जबकि विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी को 152 मत मिले। हेड ने तीनों प्रारूपों में 30 मैच खेलकर 1,437 रन बनाए। उनके प्रदर्शन में एशेज श्रृंखला के पहले टेस्ट में 83 गेंदों पर 123 रन और एडिलेड टेस्ट में 170 रन की यादगार पारी भी शामिल रही। तेज गेंदबाज मिचेल स्टार्क को शेन वॉर्न पुरुष टेस्ट क्रिकेटर ऑफ द ईयर चुना गया। एशेज श्रृंखला में प्लेयर ऑफ द सीरीज रहे स्टार्क ने 11 टेस्ट मैचों में 57 विकेट हासिल किए।

हर हर महादेव के जयघोष से गूंजेगा कायदी से डोंगरगांव तक का मार्ग

23 अगस्त को निकलेगी भव्य कांवड़ यात्रा : बैनगंगा नदी के शंकर घाट से जल लेकर गुप्तेश्वर धाम पहुंचेंगे श्रद्धालु

पद्मेश न्यूज। बालाघाट/वारासिवनी। सावन मास के पावन अवसर पर भगवान भोलेनाथ की भक्ति में सराबोर ग्राम कायदी से श्रद्धालुओं की भव्य कांवड़ यात्रा 23 अगस्त को गुप्तेश्वर धाम महादेव, डोंगरगांव के लिए रवाना होगी। बब्बर सेना के तत्वावधान में आयोजित होने वाली इस धार्मिक यात्रा को लेकर शिवभक्तों में उत्साह और उमंग का माहौल है। कांवड़ यात्रा के दौरान हर-हर महादेव और बोल बम के जयघोष से पूरा मार्ग शिवमय होने की उम्मीद है।बताया गया कि ग्राम कायदी से पिछले करीब पांच वर्षों से श्रावण मास के अवसर पर श्रद्धालुओं द्वारा कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है। इसी परंपरा को आगे बढ़ाते हुए इस वर्ष भी 23 अगस्त को कांवड़िए ग्राम कायदी से यात्रा प्रारंभ करेंगे।

श्रद्धालुओं का जत्था बैनगंगा नदी के बालाघाट स्थित शंकर घाट पहुंचेगा, जहां विधि-विधान एवं श्रद्धाभाव के साथ पवित्र जल लेकर कांवड़ यात्रा आगे गुप्तेश्वर धाम महादेव डोंगरगांव के लिए प्रस्थान करेगी।

भक्ति और आस्था का अद्भुत संगम

सावन मास भगवान शिव की आराधना का विशेष पर्व माना जाता है। इस दौरान शिवभक्त कांवड़ में पवित्र जल लेकर भगवान भोलेनाथ का जलाभिषेक करते हैं। ग्राम कायदी से निकलने वाली यह कांवड़ यात्रा भी श्रद्धा, आस्था और भक्ति का संदेश लेकर गुप्तेश्वर धाम पहुंचेगी। यात्रा में शामिल श्रद्धालु भगवान शिव का जलाभिषेक कर क्षेत्र की सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना करेंगे।

महादेव के भक्तों में विशेष उत्साह देखने मिलता है- डॉ अभिजीत सिह बाटे

करणी सेना के जिला अध्यक्ष डॉ. अभिजीत सिंह बाटे ने बताया कि सावन मास के आगमन के साथ ही महादेव के भक्तों में विशेष उत्साह देखने को मिलता है। ग्राम कायदी से पिछले पांच वर्ष पूर्व से श्रद्धालुओं द्वारा कांवड़ यात्रा निकाली जा रही है। उन्होंने बताया कि इस वर्ष भी 23 अगस्त को यात्रा प्रारंभ होगी और बैनगंगा नदी के शंकर घाट से जल लेकर श्रद्धालु गुप्तेश्वर धाम महादेव डोंगरगांव पहुंचेंगे।डॉ. बाटे ने ग्राम कायदी एवं आसपास के समस्त शिव समर्थक श्रद्धालुओं से कांवड़ यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में शामिल होकर भगवान भोलेनाथ की भक्ति में सहभागी बनने का आह्वान किया है।

उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर मे किया गया पौधरोपण

पद्मेश न्यूज। किरनापुर। शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर में वृक्षारोपण कार्यक्रम समारोह पूर्वक मनाया गया। जिला शिक्षा अधिकारी बालाघाट श्रीमती धनश्री जैन के निर्देशानुसार, शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय किरनापुर प्राचार्य श्रीमती अनीता तारन के मार्गदर्शन में एवं स्काउट मास्टर मकबूल मोहम्मद कुरेशी स्काउट गाइड प्रभारी घनश्याम रामटेके के कुशल नेतृत्व में वृक्षारोपण कार्यक्रम हर्षोल्लास से मनाया गया वृक्षारोपण रैली निकाली गई तथा वृक्षारोपण संबंधी नारे लगाए गये। जैसे पेड़ लगाओ -जीवन बचाओ,एक पेड़ -माँ के नाम, सांसे हो रही है कम-आवो पेड़ लगाओ, बंजर धरती करें पुकार -वृक्ष लगा कर करो श्रंगार विद्यालय परिसर में गुलाब,आम,शौ पती,मोगरा ,गेंदा, जामुन इत्यादि पौधे लगाए गए। प्रभारी प्राचार्य धनराज पट्टावी ने कहा कि जो व्यक्ति वृक्षों कि रक्षा करते हैं वृक्ष उनकी रक्षा करते हैं जो व्यक्ति वृक्षों कि रक्षा नहीं करता उसे प्रकृति स्वयं नष्ट कर देती है। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में उपेन्द्र आगडे , गाइडर वन्दना पटले, अर्पित तनोजकर,शेखर एवं समस्त स्टाफ तथा सभी स्काउट एवं गाइड का सराहनीय योगदान रहा कार्यक्रम समापन में स्वल्पाहार दिया गया अन्त में स्काउट एवं गाइड प्रार्थना कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

खुफिया एजेंसियों की रिपोर्ट ने बढ़ाई सरकार की चिंता

चैरिटी और शिक्षा की आड़ में बढ़ रही आतंकी गतिविधियां

नई दिल्ली। देश में धर्मार्थ, शिक्षा, धार्मिक और स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर काम करने वाले संगठनों की संख्या बढ़ी है। इनमें से अधिकांश संगठन अपने घोषित उद्देश्यों के मुताबिक काम करते हैं, लेकिन खुफिया और जांच एजेंसियों ने कुछ संगठनों की गतिविधियों को लेकर चिंता जताई है। एजेंसियों के मुताबिक, कुछ मामलों में ऐसे संगठनों का इस्तेमाल कथित तौर पर अवैध धन को इकट्ठा करने और बाद में उसे आतंकी गतिविधियों या कट्टरपंथी नेटवर्क तक पहुंचाने के लिए किए जाने के संकेत मिले हैं। हालांकि, किसी भी संगठन को केवल उसके नाम, धार्मिक पहचान या चैरिटी गतिविधियों के आधार पर संदिग्ध नहीं माना जा सकता। जांच एजेंसियों के लिए असली सवाल यह है कि संगठन को मिलने वाला पैसा कहां से आ रहा है, उसका इस्तेमाल किस उद्देश्य से हो रहा है और धन किन लोगों या संस्थाओं तक पहुंच रहा है।

खुफिया अधिकारियों के हवाले से सामने आई जानकारी के मुताबिक, कुछ संगठन कथित तौर पर केवल वैध गतिविधियों का आवरण तैयार करने के लिए बनाए जाते हैं। इनका घोषित उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य या सामाजिक सेवा हो सकता है, जबकि जांच के दौरान इनके वित्तीय लेनदेन और वास्तविक गतिविधियों को अलग नजरिए से देखा जाता है। अधिकारियों का आरोप है कि भारत विरोधी गतिविधियों में शामिल नेटवर्क ऐसे संगठनों का इस्तेमाल धन को एक जगह जमा करने और फिर उसे अलग-अलग माध्यमों से आगे पहुंचाने के लिए कर सकते हैं। खुफिया एजेंसियों के अनुसार, विदेशी नेटवर्क सीधे भारत में धन भेजने के बजाय विदेशों में मौजूद संपर्कों और स्थानीय सहयोगियों का इस्तेमाल करते हैं। इसके चलते फंडिंग की पूरी श्रृंखला को जोडऩा जांच एजेंसियों के लिए मुश्किल हो जाता है।

बैंकिंग चैनल भी जांच के दायरे में

आतंकी फंडिंग की जांच में सबसे बड़ी चुनौती यह है कि हर संदिग्ध रकम गैरकानूनी तरीके से भारत में नहीं आती। अधिकारियों के मुताबिक, कुछ मामलों में छोटी-छोटी रकम वैध बैंकिंग चैनलों के जरिए भारत पहुंचाई जाती है। छोटी रकम होने के कारण हर लेनदेन अपने आप संदिग्ध नहीं दिखाई देता। पैसा बैंक खाते में पहुंचने के बाद उसे निकालकर दूसरे लोगों या संस्थाओं तक पहुंचाने का आरोप है। ऐसे में एक-एक लेनदेन को जोडक़र पूरी वित्तीय श्रृंखला तैयार करना जांच एजेंसियों के लिए कठिन हो जाता है। यही वजह है कि वित्तीय जांच में केवल बैंक खाते ही नहीं, बल्कि पैसा भेजने वाले, प्राप्त करने वाले, संस्थाओं के दस्तावेज, उनके खर्च और वास्तविक गतिविधियों को भी देखा जाता है।

हवाला नेटवर्क की भूमिका पर भी नजर

जांच अधिकारियों के मुताबिक, बैंकिंग व्यवस्था के अलावा हवाला नेटवर्क भी धन के अवैध हस्तांतरण का एक माध्यम बना हुआ है। खाड़ी देशों से भारत आने वाले धन के मामलों में इस नेटवर्क की जांच विशेष रूप से महत्वपूर्ण हो जाती है। अधिकारियों के अनुसार, विदेश में काम करने वाले किसी व्यक्ति को उसके परिचित या एजेंट के जरिए अतिरिक्त रकम दी जा सकती है। वह रकम उसके परिवार को भेजे जाने वाले सामान्य पैसे के साथ भारत पहुंचाई जाती है। भारत में स्थानीय एजेंट परिवार से संबंधित रकम ले सकता है और बाद में उसे किसी अन्य व्यक्ति या संगठन तक पहुंचा सकता है।

पिपरझरी में घर में घुसकर महिला से छेड़छाड़, समझाने गए पति से मारपीट

आरोपी डिलेश बिसेन गिरफ्तार

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। हट्टा थाना क्षेत्र के ग्राम पिपरझरी में एक व्यक्ति ने घर में घुसकर महिला से बुरी नीयत से छेड़छाड़ की। विरोध करने पर आरोपी ने महिला के पति के साथ भी मारपीट की और जान से मारने की धमकी दी। हट्टा पुलिस ने आरोपी डिलेश बिसेन के विरुद्ध मामला दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीडित महिला घरेलू काम करती है और 11वीं तक पढ़ी है। उसके परिवार में पति और दो बच्चे हैं। महिला का पति गांव के ही पानी प्लांट में मजदूरी करता है। 5 अगस्त को दोपहर 2 बजे महिला का पति काम पर चला गया था। शाम 7 बजे महिला घर में बच्चों के साथ अकेली थी। इसी दौरान घर के सामने रहने वाला डिलेश बिसेन पानी मांगने आया। महिला जब किचन में पानी लेने गई तो डिलेश भी पीछे पहुंच गया और बुरी नीयत से महिला का हाथ पकड़कर खींचतान करने लगा। महिला ने झटका देकर खुद को छुड़ाया और शोर मचाया लेकिन किसी ने नहीं सुना। इसके बाद आरोपी घर से भाग गया।रात 10 बजे जब पति घर लौटा तो महिला ने उसे पूरी घटना बताई। रात अधिक होने के कारण मामला अगले दिन देखा गया।

6 अगस्त की सुबह 7 बजे महिला का पति डिलेश बिसेन के घर गया और पूछा कि कल घर क्यों आया था और पत्नी के साथ गलत हरकत क्यों की। इस पर डिलेश बिसेन गुस्सा हो गया और अश्लील गालियां देते हुए हाथ मुक्कों से मारपीट की। साथ ही दोबारा घर आने पर जान से खत्म करने की धमकी भी दी।इसके बाद पीडि़त दंपति ने गांव के लोगों को जानकारी दी और हट्टा थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने 26 वर्षीय महिला की रिपोर्ट पर आरोपी डिलेश बिसेन के विरुद्ध भारतीय न्याय संहिता की धारा 74, 338, 296, 115(2) और 351 के तहत अपराध दर्ज किया। विवेचना के दौरान पुलिस ने आरोपी डिलेश बिसेन को गिरफ्तार कर लिया है।

बालाघाट की रूबी अली थाईलैंड में करेगी देश का प्रतिनिधित्व

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। 3ए साईड व्हालीवॉल की इंटरनेशनल प्रतियोगिता में बालाघाट की रूबी देश का प्रतिनिधित्व करेगी। 10 से 14 अगस्त तक थाईलैंड के पटाया में आयोजित होने वाली सीनियर इंटरनेशनल 3ए साईड चैम्पियनशीप के लिए रूबी, जिले से मुंबई में आयोजित कैंप के लिए रवाना हो गई है। प्रशिक्षण कैंप में जाने से पहले रूबी ने प्रेस से चर्चा की। उन्होंने बताया कि इस खेल में केवल तीन खिलाड़ी होते है, हमारा पूरा प्रयास होगा कि हम विदेशी धरती पर भारत का परचम लहराए।

बताया गया कि रूबी अब तक ओपन, स्कूल, यूनिवर्सिटी और एशोसिएशन के आयोजित गेम्स व्हालीवॉल, रॉकबॉल, शूटिंग वाल और 3ए साईड व्हालीवॉल में 14 से 15 नेशनल अवार्ड जीत चुकी है। रूबी बताती है कि लगातार 16 सालों से वह व्हालीवॉल खेल रही थी लेकिन बीते दो सालों से उसने 3ए साईड व्हालीवॉल पर फोकस किया। जिसके बाद से लगातार वह यह खेल रही है। हाल ही में पांडीचेरी में हुए नेशनल गेम्स में उसका चयन, सीनियर इंटरनेशनल प्रतियोगिता के लिए किया गया। उन्होंने बताया कि जीवन में मैने कभी नहीं सोचा था कि मुझे, यह अवसर मिलेगा। आज रूबी के माता-पिता भी स्वयं को गौरांवित महसुस कर रहे है।

मिट्टी के मैदान में किया है अभ्यास- रूबी

चर्चा के दौरान रूबी अली ने बताया कि अब तक मिट्टी के मैदान में आयोजित इस खेल को लेकर हमारी बॉडी ढल चुकी है और कैपिसिटी फिक्स है लेकिन इंडोर गेम में, यह मुश्किल होता है, हम अपनी कड़ी मेहनत और स्ट्रेंथ को ब ?ाकर बेहतर खेलने करने का प्रयास करेंगे।

350 करोड़ की यूनिफॉर्म खरीदी पर अंतरिम रोक

जबलपुर। जबलपुर हाईकोर्ट ने सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों के लिए 350 करोड़ रुपए की यूनिफॉर्म खरीदी प्रक्रिया पर अंतरिम रोक लगाई है। एक्टिंग चीफ जस्टिस विवेक रूसिया और जस्टिस प्रदीप मित्तल की पीठ ने राज्य सरकार को नोटिस जारी कर एक सप्ताह में जबाब मांगा है। यह टेंडर पाठ्यपुस्तक निगम द्वारा निकाला गया था। जबलपुर हाईकोर्ट में अल्पसंख्यक पिछड़ा वर्ग पावरलूम बुनकर संघ सहित तीन संगठनों ने याचिका दायर कर दलील दी कि यह टेंडर प्रक्रिया भंडार क्रय नियम-2023 का खुला उल्लंघन है। याचिकाकर्ताओं के अनुसार, इन नियमों में राज्य के हथकरघा बुनकरों, सहकारी समितियों और महिला समूहों जैसे स्थानीय उपक्रमों से सीधी खरीदी का प्रावधान है।

सालों बाद -14 टेबल टेनिस में बालाघाट का शानदार प्रदर्शन

Udaan Sports Academy के खिलाड़ियों ने दिलाई रनर-अप ट्रॉफी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। जबलपुर संभाग की ठुस्त्रद्दह्ल-14 बालक वर्ग टेबल टेनिस ट्रायल्स में बालाघाट के खिलाड़ियों ने वर्षों बाद शानदार प्रदर्शन करते हुए रनर-अप ट्रॉफी अपने नाम की। Udaan Sports Academy के खिलाड़ी विवान कोचर, स्वयं बागरेचा, मंथन बोथरा और सनय पगारिया की टीम ने इस उपलब्धि में अहम भूमिका निभाई। बालाघाट टीम ने सेमीफाइनल दौर में कटनी और सिवनी को हराकर फाइनल में प्रवेश किया, जहाँ उसका मुकाबला जबलपुर की टीम से हुआ। व्यक्तिगत प्रदर्शन में भी बालाघाट के खिलाड़ियों ने छाप छोड़ी। विवान कोचर (13 वर्ष) ने ओवरऑल तीसरा स्थान हासिल किया, जबकि स्वयं बागरेचा (12 वर्ष) ओवरऑल पांचवें स्थान पर रहे।

दोनों खिलाड़ी अब जबलपुर संभाग का प्रतिनिधित्व करते हुए राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेंगे। इस उपलब्धि पर प्रतिक्रिया देते हुए Udaan Sports Academy के संस्थापक एवं मुख्य प्रशिक्षक समयक जैन ने कहा कि उन्हें विश्वास है कि आने वाले वर्षों में बालाघाट टेबल टेनिस के क्षेत्र में नई ऊँचाइयाँ हासिल करेगा, और उनकी अकादमी बच्चों को हर कदम पर बेहतर मार्गदर्शन और प्रशिक्षण देती रहेगी।

रानी अवंती बाई लोधी जयंती एवं भू-सीसीजली कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर बैठक आज

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। महारानी वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जयंती एवं जिला महिला लोधी समाज द्वारा प्रतिवर्ष आयोजित किए जाने वाले भू-सीसीजली कार्यक्रम को इस वर्ष भी भव्य रूप से मनाने की तैयारियां प्रारंभ कर दी गई हैं। दोनों कार्यक्रमों की तैयारियों एवं आयोजन की रूपरेखा तय करने के लिए जिला लोधी समाज की आवश्यक बैठक 9 अगस्त 2026 रविवार को दोपहर 1 बजे भटेरा चौकी स्थित ट्रायपॉड हॉस्पिटल में आयोजित की जाएगी। जिला लोधी समाज की ओर से बताया गया कि 16 अगस्त को महारानी वीरांगना रानी अवंती बाई लोधी की जन्म जयंती मनाई जाएगी। वहीं प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी 30 अगस्त 2026 को जिला महिला लोधी समाज द्वारा भू-सीसीजली कार्यक्रम का आयोजन व्यापक स्तर पर किया जाना प्रस्तावित है। बैठक में दोनों कार्यक्रमों की तैयारियों आयोजन की रूपरेखा सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर समाज के सदस्यों से सुझाव लिए जाएंगे। समाज के पदाधिकारियों ने समस्त स्वजातीय बंधुओं से बैठक में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर अपने विचार एवं सुझाव देने तथा कार्यक्रमों को सफल बनाने में सहयोग करने की अपील की है।बैठक के लिए जिला लोधी समाज बालाघाट के अध्यक्ष अशोक लिल्हारे, जिला महिला लोधी समाज की अध्यक्ष श्रीमती शीला नगपूरे एवं जिला युवा लोधी समाज के अध्यक्ष अमित लिल्हारे ने समाजजनों से उपस्थित होने का आग्रह किया है। बैठक का आयोजन जिला लोधी समाज महासभा बालाघाट के सहयोग से किया जा रहा है।

चीन-अमेरिका से आगे निकलेगा भारत

फ्रांस के साथ बनाएगा छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान

नई दिल्ली। भारत की रक्षा तैयारियों में एक महत्वपूर्ण मोड़ आ चुका है। रक्षा मंत्रालय ने संसदीय स्थाई समिति को बताया है कि वह फ्रांस सरकार के नेतृत्व वाले छठी पीढ़ी के लड़ाकू विमान विकास कार्यक्रम यानी फ्यूचर कॉम्बैट एयर सिस्टम में शामिल होने के लिए ठोस और समन्वित प्रयास शुरू कर चुका है। साथ ही ब्रिटेन, इटली और जापान के ग्लोबल कॉम्बैट एयर प्रोग्राम यानी जीसीएपी का भी मूल्यांकन जारी है। यह कदम भारत की वायु शक्ति को 2040 के दशक तक मजबूत बनाने की दिशा में उठाया गया है, जहां आधुनिक खतरे तेजी से बदल रहे हैं। छठी पीढ़ी के सिस्टम में स्टील्थ तकनीक, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित फैसले, लॉयल विंगमैन ड्रोन और नेटवर्क आधारित युद्ध की क्षमताएं शामिल हैं। ये भविष्य की लड़ाई को दल देंगी।

एफसीएएस की शुरुआत 2017 में फ्रांस और जर्मनी के बीच हुई थी। बाद में स्पेन भी जुड़ गया। इसका मकसद सिर्फ एक नया विमान बनाना नहीं था, बल्कि एक पूरा सिस्टम तैयार करना था जिसमें मुख्य लड़ाकू विमान के साथ रिमोट कैरियर ड्रोन और कॉम्बैट क्लाउड नाम का डेटा नेटवर्क हो। इस नेटवर्क से विमान, ड्रोन, जमीन और समुद्र की इकाइयां एक साथ जानकारी साझा कर सकें। लेकिन एयरबस और डसॉल्ट एविएशन के बीच नेतृत्व, काम के बंटवारे और बौद्धिक संपदा को लेकर गहरे मतभेद पैदा हो गए। जर्मनी और फ्रांस की जरूरतें भी अलग थीं। फ्रांस को विमान वाहक पर चलने वाला और परमाणु क्षमता वाला विमान चाहिए, जबकि जर्मनी की प्राथमिकताएं अलग थीं। जून 2026 के आसपास फ्रांको-जर्मन हिस्से में गंभीर गतिरोध के बाद कार्यक्रम के मूल विमान विकास वाले हिस्से को प्रभावी रूप से रद्द या निलंबित माना गया। जर्मनी अपना रास्ता चुनने लगा। इसी खाली जगह में भारत के लिए अवसर पैदा हुआ। फ्रांस अब नए साझेदारों की तलाश में है। भारत का मजबूत रक्षा संबंध उसे आकर्षक बनाता है।

भारत क्यों इस तरफ बढ़ रहा है

भारतीय वायुसेना की मंजूर स्क्वॉड्रन संख्या 42 है, लेकिन अभी करीब 29 स्क्वॉड्रन ही सक्रिय हैं। पुराने विमान रिटायर हो रहे हैं। चीन जैसे पड़ोसी तेजी से छठी पीढ़ी के प्रोटोटाइप उड़ा रहे हैं। स्वदेशी एडवांस्ड मीडियम कॉम्बैट एयरक्राफ्ट यानी एएमसीए पांचवीं पीढ़ी का स्टील्थ विमान है। इसका प्रोटोटाइप 2020 के दशक के अंत में उड़ान भरने और 2030 के मध्य में सेवा में आने की उम्मीद है। लेकिन छठी पीढ़ी के लिए अतिरिक्त तकनीक और समय चाहिए। रक्षा मंत्रालय का मानना है कि किसी अंतरराष्ट्रीय कंसोर्टियम में शामिल होकर भारत पिछडऩे से बच सकता है। संसदीय समिति ने साफ रोडमैप और समयसीमा मांगी है ताकि योजना स्पष्ट हो। फ्रांस के साथ पहले से राफेल विमान, इंजन सह-विकास और अन्य परियोजनाएं चल रही हैं। साफरान के साथ 120 किलोन्यूटन थ्रस्ट वाले इंजन का समझौता एएमसीए मार्क-2 के लिए महत्वपूर्ण है। राफेल का स्थानीय निर्माण भी औद्योगिक आधार मजबूत करेगा। भारत के पास एयरक्राफ्ट कैरियर हैं और नौसेना राफेल मरीन खरीद रही है, जो फ्रांस की जरूरतों से मेल खाता है।

एएमसीए और अंतरराष्ट्रीय साझेदारी का संतुलन

एएमसीए पूरी तरह स्वदेशी प्रयास है। इसमें सेंसर फ्यूजन, स्टील्थ और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर जैसी क्षमताएं होंगी। लेकिन छठी पीढ़ी में एआई आधारित ऑटोनॉमस फैसले, मानवरहित ड्रोन के साथ टीमिंग और क्लाउड नेटवर्किंग ज्यादा एडवांस होगी। भारत दोनों रास्तों पर चलना चाहता है। एक तरफ एएमसीए को आगे बढ़ाना, दूसरी तरफ एफसीएएस या जीसीएपी जैसी परियोजनाओं से तकनीक हासिल करना। जीसीएपी ब्रिटेन, इटली और जापान का कार्यक्रम है जो 2030 के मध्य में सेवा में आने का लक्ष्य रखता है। लेकिन हाल की जानकारी के मुताबिक मंत्रालय ने एफसीएएस पर विशेष जोर दिया है। फ्रांस के साथ द्विपक्षीय साझेदारी कई देशों के समूह की जटिलताओं से कम झंझट वाली हो सकती है। पहले की चर्चाएं रक्षा मंत्री स्तर पर हो चुकी हैं। भारत फ्रांस को को-डेवलपमेंट और को-प्रोडक्शन का प्रस्ताव दे रहा है ताकि स्थानीय सामग्री और निर्माण अधिकतम हो। इस प्रयास से भारत को स्टील्थ सामग्री, एडवांस रडार, एआई सॉफ्टवेयर और ड्रोन नियंत्रण जैसी तकनीकें मिल सकती हैं।

मिडिल ईस्ट जंग का असर, कच्चे तेल की खरीद 18 प्रतिशत घटी, फिर भी भारत का आयात बिल 26 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। भारत का कच्चे तेल पर खर्च लगातार बढ़ रहा है। वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही यानी अप्रैल से जून के दौरान देश का कच्चे तेल का आयात बिल 26 प्रतिशत बढक़र करीब 49 अरब डॉलर पहुंच गया। खास बात यह है कि इसी अवधि में भारत ने पिछले साल की तुलना में करीब 18 प्रतिशत कम कच्चा तेल खरीदा। यानी आयात की मात्रा घटने के बावजूद देश को इसके लिए ज्यादा रकम चुकानी पड़ी। वाणिज्य मंत्रालय के आंकड़ों के मुताबिक, अप्रैल-जून 2026 के बीच भारत ने करीब 5.97 करोड़ टन कच्चे तेल का आयात किया। पिछले साल इसी अवधि में यह मात्रा लगभग 7.3 करोड़ टन थी। इस तरह आयात की मात्रा में बड़ी गिरावट आई, लेकिन आयात पर होने वाला खर्च करीब 39 अरब डॉलर से बढक़र 49 अरब डॉलर हो गया।

भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा कच्चा तेल आयातक देश है। देश में इस्तेमाल होने वाले कुल कच्चे तेल का करीब 85 प्रतिशत हिस्सा विदेशों से आता है। ऐसे में अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में होने वाली तेजी का सीधा असर भारत के आयात बिल पर पड़ता है। फरवरी में अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध शुरू होने से पहले कच्चे तेल की कीमत करीब 70 डॉलर प्रति बैरल से नीचे थी। इसके बाद पश्चिम एशिया में तनाव बढऩे और तेल की आपूर्ति प्रभावित होने की आशंकाओं के चलते कीमतों में तेजी आई। इस दौरान स्ट्रेट ऑफ हॉर्मुज भी चर्चा में रहा। दुनिया के करीब 20 प्रतिशत तेल का ट्रांजिट इसी महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग से होता है। भारत के पश्चिम एशिया से आने वाले कच्चे तेल की बड़ी मात्रा भी इसी रास्ते से आती है। इसलिए हॉर्मुज क्षेत्र में तनाव बढऩे से भारत के लिए तेल की आपूर्ति और कीमत दोनों महत्वपूर्ण चिंता बन गए।

कमजोर रुपये ने भी बढ़ाया बोझ

कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के साथ रुपये की कमजोरी ने भी भारत का आयात बिल बढ़ाने में भूमिका निभाई। भारत अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल डॉलर में खरीदता है। ऐसे में जब डॉलर के मुकाबले रुपया कमजोर होता है, तो समान मात्रा में तेल खरीदने के लिए भारतीय कंपनियों को ज्यादा रुपये खर्च करने पड़ते हैं। भारत हर साल लगभग 1.8 से 2 अरब बैरल कच्चे तेल का आयात करता है। ऐसे में कच्चे तेल की कीमत में केवल 1 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी भी देश के सालाना आयात बिल में करीब 2 अरब डॉलर तक का इजाफा कर सकती है। इसका असर केवल तेल कंपनियों तक सीमित नहीं रहता। महंगा कच्चा तेल परिवहन, पेट्रोल-डीजल, विमान ईंधन और पेट्रोकेमिकल उत्पादों की लागत को भी प्रभावित करता है। इससे अर्थव्यवस्था पर महंगाई का दबाव बढऩे की आशंका रहती है।

बेलगाम ट्रक ने छिनी शिक्षक की जिंदगी

गांगुलपारा घाटी में पीछे से ट्रक ने मारी टक्कर- जिला अस्पताल लाते समय मौत, वन ग्राम खारा में पदस्थ थे रनदीप बोरकर

सिटी रिपोर्टर।
पद्मेश न्यूज। बालाघाट।

वनांचल क्षेत्र में स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में बच्चों को शिक्षा देने के बाद घर लौट रहे शिक्षक की सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। भरवेली थाना क्षेत्र के बैहर रोड स्थित गांगुलपारा घाटी में पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने मोटरसाइकिल सवार शिक्षक को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में गंभीर रूप से घायल शिक्षक ने जिला अस्पताल पहुंचने से पहले ही दम तोड़ दिया। मृतक रनदीप पिता वासुदेव बोरकर 45 वर्ष वार्ड क्रमांक 1 अमृत नगर वारासिवनी बताए गए हैं।

घने जंगलों में से घिरे वन ग्राम खारा में पदस्थ थे शिक्षक

प्राप्त जानकारी के अनुसार रनदीप बोरकर बालाघाट विकासखंड के कुम्हारी संकुल अंतर्गत घने जंगलों के बीच बसे वन ग्राम खारा स्थित शासकीय प्राथमिक शाला में शिक्षक के पद पर पदस्थ थे। वनांचल क्षेत्र में स्थित स्कूल तक पहुंचने के लिए उन्हें प्रतिदिन मोटरसाइकिल से लंबा और कठिन रास्ता तय करना पड़ता था। वे नियमित रूप से मोटरसाइकिल से स्कूल आना जाना करते थे। बताया गया कि 8 अगस्त को भी रनदीप बोरकर अपनी शिक्षण संस्था वन ग्राम खारा पहुंचे थे। दिनभर विद्यार्थियों को पढ़ाने के बाद शाम करीब 4:30 बजे वे मोटरसाइकिल से अपने घर वारासिवनी के लिए रवाना हुए थे।

गांगुलपारा घाटी में पीछे से ट्रक ने मारी टक्कर

रनदीप बोरकर बैहर रोड पर बंजारी घाटी से नीचे उतरते हुए गांगुलपारा घाट की ओर आ रहे थे। इसी दौरान पीछे से तेज रफ्तार में आ रहे एक ट्रक ने उनकी मोटरसाइकिल को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि शिक्षक रनदीप बोरकर गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मोटरसाइकिल भी क्षतिग्रस्त हो गई। हादसे के बाद ट्रक चालक मौके से वाहन लेकर फरार हो गया।दुर्घटना के बाद मौके पर राहगीरों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही डायल-112 की टीम मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल शिक्षक रनदीप बोरकर को तत्काल जिला अस्पताल बालाघाट लेकर रवाना हुई। हालांकि अस्पताल पहुंचने पर चिकित्सकों ने जांच के बाद रनदीप बोरकर को मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि रास्ते में ही उनकी मौत हो चुकी थी।

परिवार और सहकर्मियों में पसरा मातम

शिक्षक रनदीप बोरकर की सड़क दुर्घटना में मौत की खबर मिलते ही उनके परिजन और सहकर्मी शिक्षक जिला अस्पताल पहुंच गए। जिला अस्पताल पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम नहीं होने के कारण फ्रीजर में सुरक्षित रखवा दिया है। शव का पोस्टमार्टम 9 अगस्त को कराया जाएगा।बताया गया है कि शिक्षक रनदीप बोरकर के परिवार में पत्नी शिल्पा बोरकर, 10 वर्षीय पुत्र, करीब साढ़े चार वर्ष की पुत्री और वृद्ध पिता हैं। उनका बड़ा भाई और भाभी भी हैं जो अपने परिवार के साथ अलग रहते हैं।

वनांचल की कठिन राह में सेवा दे रहे हैं कर्मचारी

रणदीप बोरकर की सड़क हादसे में हुई मौत ने वनांचल क्षेत्रों में पदस्थ कर्मचारियों के सामने रोजाना आने जाने की चुनौतियों को भी सामने ला दिया है। घने जंगलों और दुर्गम रास्तों के बीच स्थित वन ग्रामों में पदस्थ शिक्षक सहित अन्य कर्मचारी प्रतिदिन कठिन परिस्थितियों में आवागमन कर अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हैं। कई स्थानों तक पहुंचने के लिए कर्मचारियों को लंबी दूरी मोटरसाइकिल से तय करनी पड़ती है।वन ग्राम खारा जैसे दुर्गम क्षेत्र में बच्चों को शिक्षा देने के बाद घर लौट रहे शिक्षक की हादसे में हुई मौत से शिक्षा जगत और क्षेत्र में शोक की लहर है।

लांजी डबल मनी मामले में 713 निवेशकों की सूची जारी, अब तक सिर्फ 569 पहुंचे पुलिस के पास

144 निवेशक अब भी गायब, चेक और दस्तावेज जमा कराने में नहीं दिखा रहे रुचि, सोमेंद्र समेत तीन आरोपियों से पूछताछ जारी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। लांजी के बहुचर्चित डबल मनी मामले में पुलिस की जांच लगातार आगे बढ़ रही है। विशेष जांच टीम द्वारा अब तक निवेशकों की पांच सूचियां जारी की जा चुकी हैं, जिनमें कुल 713 निवेशकों के नाम सार्वजनिक किए गए हैं। लेकिन इनमें से अब तक केवल 569 निवेशक ही पुलिस अधीक्षक कार्यालय में बनाए गए हेल्पडेस्क पर पहुंचकर अपने चेक और संबंधित दस्तावेज जमा करा चुके हैं, जबकि 144 निवेशक अभी तक पुलिस के सामने नहीं पहुंचे हैं। ऐसे में सूची जारी होने के बावजूद दस्तावेज जमा नहीं कराने वाले निवेशकों को लेकर भी पुलिस की जांच आगे बढ़ रही है।

पुलिस ने सबसे पहले 113 निवेशकों की सूची जारी की थी, जिसमें 97 निवेशक अपने दस्तावेज लेकर पहुंचे। इसके बाद 150 निवेशकों की दूसरी सूची जारी हुई, जिसमें 129 लोगों ने दस्तावेज जमा किए। तीसरी सूची में 150 निवेशकों के नाम सामने आए, जिनमें 110 निवेशक पुलिस हेल्पडेस्क तक पहुंचे। चौथी सूची में भी 150 निवेशकों के नाम जारी किए गए, जिसमें 118 निवेशकों ने अपने दस्तावेज जमा कराए। इसके बाद पांचवीं सूची में 150 निवेशकों के नाम सार्वजनिक किए गए, जिसमें 8 अगस्त की शाम 4 बजे तक 115 निवेशक अपने चेक और अन्य दस्तावेज लेकर पुलिस के पास पहुंचे थे। इस तरह पांच सूचियों में सामने आए 713 नामों में से 569 निवेशकों के दस्तावेज अब तक पुलिस के पास पहुंच चुके हैं, जबकि 144 निवेशकों का अभी भी इंतजार है। इधर, पुलिस की विशेष टीम डबल मनी मामले में गिरफ्तार सोमेंद्र कांकरानी सहित उसके दो अन्य साथियों से लगातार पूछताछ कर रही है। नगर पुलिस अधीक्षक मयंक तिवारी के नेतृत्व में चल रही जांच में पुलिस कथित निवेश की रकम, उसके लेन-देन, अलग-अलग स्थानों पर किए गए निवेश और इस पूरे नेटवर्क से जुड़े अन्य लोगों की भूमिका की जानकारी जुटाने में लगी है। तीनों आरोपियों की पुलिस रिमांड 8 अगस्त तक ली गई थी। अब रिमांड अवधि पूरी होने के बाद पुलिस आरोपियों को न्यायालय में पेश करेगी और जरूरत पड़ने पर आगे की पूछताछ के लिए पुनः रिमांड मांग सकती है। पुलिस सूत्रों के अनुसार सोमेंद्र से एक सप्ताह से अधिक समय से चल रही पूछताछ में जांच टीम को कई महत्वपूर्ण जानकारियां मिलने की बात सामने आ रही है। हालांकि अभी तक पुलिस ने पूछताछ के दौरान सामने आए किसी बड़े नाम या महत्वपूर्ण सुराग को सार्वजनिक नहीं किया है। पुलिस यह पता लगाने में जुटी है कि डबल मनी के नाम पर जुटाई गई रकम का नेटवर्क कहां तक फैला था और इसमें और कौन-कौन लोग जुड़े हुए थे। वहीं अब पुलिस की छठवीं सूची पर भी नजर टिकी हुई है। सूत्रों के अनुसार छठवीं सूची में करीब 150 और निवेशकों के नाम सामने आ सकते हैं। संभावना है कि पुलिस जल्द ही यह सूची जारी करेगी। यदि ऐसा होता है तो सामने आने वाले निवेशकों की संख्या और बढ़ जाएगी तथा जांच का दायरा भी विस्तृत होगा। सबसे बड़ा सवाल उन 144 निवेशकों को लेकर है, जिनके नाम पुलिस की जारी सूचियों में आ चुके हैं, लेकिन वे अभी तक अपने चेक और संबंधित दस्तावेज लेकर हेल्पडेस्क तक नहीं पहुंचे हैं। सूत्रों के हवाले से यह चर्चा भी सामने आ रही है कि इनमें कुछ ऐसे लोग हो सकते हैं, जो सरकारी सेवाओं से जुड़े हैं और उन्होंने कथित तौर पर इस मामले में पैसा लगाया था, लेकिन अभी तक पुलिस के सामने दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए हैं। हालांकि पुलिस या प्रशासन की ओर से इस बात की कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है, इसलिए फिलहाल इसे केवल सूत्रों से सामने आ रही जानकारी के तौर पर ही देखा जा रहा है। डबल मनी मामले में अब पुलिस के सामने दो बड़ी चुनौतियां हैं एक तरफ सामने आ रहे निवेशकों के दस्तावेज जुटाना और दूसरी तरफ गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ कर पूरे आर्थिक नेटवर्क की कड़ियां जोड़ना। पांच सूचियों में 713 निवेशकों के नाम सामने आने के बाद अब छठवीं सूची और सोमेंद्र समेत अन्य आरोपियों से पूछताछ में होने वाले संभावित खुलासों पर निवेशकों के साथ-साथ पूरे जिले की नजर टिकी हुई है।

नवविवाहित युवक की सड़क हादसे में मौत

दोस्त को मंडई छोड़ने निकला था देवराज, अप्रैल में ही हुई थी शादी

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। बिरसा थाना क्षेत्र अंतर्गत मंडई रोड पर ग्राम जगला के पास हुई सड़क दुर्घटना में छत्तीसगढ़ निवासी 21 वर्षीय नवविवाहित युवक की दर्दनाक मौत हो गई। युवक गंभीर रूप से घायल अवस्था में सड़क किनारे पड़ा मिला था। परिजन उसे तत्काल उपचार के लिए बिरसा अस्पताल लेकर पहुंचे। लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक देवराज पिता संतोष मेरावी 21 वर्ष, वार्ड क्रमांक 12 ग्राम तरमा थाना रेंगाखर जिला कबीरधाम (छत्तीसगढ़) निवासी बताया गया है।

दोस्त को मंडई छोड़ने निकला था

प्राप्त जानकारी के अनुसार देवराज अपने परिवार के साथ खेती-किसानी करता था हैं। जिसके परिवार में उनकी माँ कविता मेरावी, 19 वर्षीय बहन गौरी मेरावी हैं। देवराज परिवार का बड़ा था। इसी वर्ष अप्रैल में उसकी मधु मेरावी से शादी हुई थी।बताया गया कि 7 अगस्त को सुबह करीब 11 बजे देवराज अपने दोस्त को मंडई छोड़ने की बात कहकर मोटरसाइकिल से घर से निकला था। दोपहर करीब 1 बजे जब देवराज अपने दोस्त को मंडई में छो?ने के बाद मोटरसाइकिल से अपने घर तरमा लौट रहा था।तभी वह ग्राम जगला के पास वह सड़क किनारे गंभीर घायल अवस्था में पड़ा मिला। पास ही उसकी मोटरसाइकिल भी गिरी हुई थी।घटना की जानकारी मिलने पर देवराज के पिता संतोष मेरावी अपने भतीजे मुकेश एवं परिवार के अन्य सदस्यों के साथ घटनास्थल पहुंचे। परिजनों ने निजी वाहन से देवराज को तत्काल बिरसा अस्पताल पहुंचाया। लेकिन चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। बताया गया कि देवराज की घटनास्थल से बिरसा अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो चुकी थी।

तेज रफ्तार में मोटरसाइकिल अनियंत्रित होने की आशंका

प्रथम दृष्टया आशंका जताई जा रही है कि तेज रफ्तार के कारण मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर सड़क पर गिर गई।जिससे देवराज को गंभीर आंतरिक चोटें आईं और उसकी मौत हो गई। हालांकि दुर्घटना के वास्तविक कारणों का पता पुलिस जांच के बाद ही चल सकेगा।बिरसा पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई के बाद शव का पोस्टमार्टम कराया और शव परिजनों को सौंप दिया। पुलिस ने भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 194 के तहत मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।देवराज परिवार का इकलौता बेटा था जिसकी असमय मौत से परिवार में मातम पसरा हुआ है। जिस युवक ने अप्रैल में ही वैवाहिक जीवन की नई शुरुआत की थी। उसकी अचानक मौत से परिजनों और परिचितों में शोक का माहौल है।

एमपीपीएससी राज्य सेवा मुख्य परीक्षा प्रारंभ, पहले दिन 50 परीक्षार्थी हुए शामिल

पद्मेश न्यूज। बालाघाट। मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित राज्य सेवा मुख्य परीक्षा-2026 का 06 दिवसीय परीक्षा कार्यक्रम आज 08 अगस्त से प्रारंभ हो गया। बालाघाट जिले में परीक्षा के लिए शासकीय जटाशंकर त्रिवेदी स्नातकोत्तर महाविद्यालय को परीक्षा केंद्र बनाया गया है। परीक्षा के पहले दिन कुल 54 परीक्षार्थियों में से 50 परीक्षार्थियों ने परीक्षा में भाग लिया, जबकि 04 परीक्षार्थी अनुपस्थित रहे। परीक्षा में शामिल 50 परीक्षार्थियों में 35 पुरुष एवं 15 महिला परीक्षार्थी शामिल हैं। राज्य सेवा मुख्य परीक्षा आयोग द्वारा निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आगामी दिनों में भी आयोजित की जाएगी। परीक्षा को लेकर केंद्र पर आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं तथा परीक्षा निर्धारित नियमों एवं प्रक्रियाओं के अनुसार संचालित की जा रही है।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक उमेश बागरेचा द्वारा पद्मेश पब्लिकेशन, वार्ड नं.9, गुजरी चौक, बालाघाट (म.प्र.) से मुद्रित कराकर दैनिक बालाघाट एक्सप्रेस कार्यालय, काली पुतली चौक, बालाघाट(म.प्र.) से प्रकाशित,
प्रधान संपादक : उमेश बागरेचा, मो.नं. :9425138710, , ई-मेल- balaghatexpress@gmail.com पंजीयन क्रं. MPHIN/2009/32311, न्यायालयीन क्षेत्राधिकार बालाघाट